सफलता के 3 वर्ष

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 01 जुलाई 2025 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 06, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 84 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

सफलता के तीन वर्ष

संघर्ष, सहयोग और संकल्प का संगम

हिंदी दैनिक शुभम संदेश ने तीन वर्षों का सफर पूरा कर लिया है. लेकिन यह तीन वर्षों की सफल यात्रा मात्र समय की गिनती नहीं, बल्कि संघर्षों, सीखों, उपलब्धियों और आप सबके अटूट सहयोग की कहानी है. जब हमने तीन वर्ष पूर्व एक सशक्त, निष्पक्ष और लोकहितकारी पत्रकारिता का संकल्प लिया था, तब रास्ता सरल नहीं था. पत्रकारिता के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित संसाधन और बदलते मीडिया परिदृश्य में अपनी पहचान बनाना किसी चुनौती से कम नहीं था. इन तीन वर्षों में हमने न केवल समाज के ज्वलंत मुद्दों को स्वर दिया, बल्कि जनसरोकारों की पत्रकारिता को प्राथमिकता दी. इस यात्रा में हमारे सुधि पाठकों ने हमारी सबसे बड़ी ताक़त बनकर साथ दिया.
आपकी प्रतिक्रियाएं, सुझाव और आलोचनाएं हमें लगातार सुधार की दिशा में प्रेरित करती रहीं. साथ ही, विज्ञापनदाताओं और वितरक बंधुओं का भी विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग से हमारा समाचार पत्र अधिकाधिक पाठकों तक पहुंच सका. हम यह अवसर पाकर आप सभी का हृदय से आभार प्रकट करते हैं और वचन देते हैं कि शुभम संदेश भविष्य में भी निष्पक्ष, सशक्त और जनसेवा भाव से ओतप्रोत पत्रकारिता करता रहेगा. यह तीसरी वर्षगांठ हमारे लिए केवल उत्सव नहीं, बल्कि आगामी वर्षों के लिए संकल्प लेने का वक्त है- एक बेहतर समाज, जागरूक नागरिक और उत्तरदायी पत्रकारिता की दिशा में अग्रसर रहने का संकल्प.
आपके विश्वास और साथ के लिए पुनः धन्यवाद.

शुभकामनाएं

हिंदी दैनिक शुभम संदेश के स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, वितरक बंधुओं को ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं. -संपादक

नई साजिशः भारत को घेरने की तैयारी में चीन और पाकिस्तान

सार्क की जगह अब नया गुट बनाने की कोशिश में ड्रैगन!

शुभम संदेश डेस्क

दक्षिण एशिया के परिदृश्य में चीन और पाकिस्तान नया कूटनीतिक खेल करने की तैयारी में हैं. रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और चीन एक ऐसे प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं जिसका उद्देश्य नया क्षेत्रीय संगठन बनाना है. ये संगठन दक्षिण एशियाई देशों के संगठन सार्क को बेदखल कर स्वयं उसकी जगह ले सकता है. इस प्रोजेक्ट के पीछे चीन का दिमाग काम कर रहा है. पाकिस्तान इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहा है.
इस घटनाक्रम से परिचित राजनयिक सूत्रों के हवाले से पाक के अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने खबर दी है कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच वार्ता अब अग्रिम चरण में है. दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है. अखबार ने कहा कि यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय ब्लॉक सार्क का स्थान ले सकता है. बता दें कि सार्क में भारत, भूटान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान व श्रीलंका शामिल हैं. चीन सार्क का सदस्य नहीं, लेकिन अब नया संगठन बनाकर चीन दक्षिण एशिया के देशों पर कूटनीतिक और सामरिक प्रभाव हासिल करना चाहता है. सार्क के सभी देशों से चीन के गहरे आर्थिक और सामरिक संबंध हैं.

पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन की मीटिंग

बता दें कि हाल ही में चीन के कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश के बीच एक त्रिपक्षीय बैठक हुई थी. बताया जाता है कि ये बैठक इसी संगठन को मूर्त रूप देने की कूटनीतिक पैंतरों का हिस्सा थी. इस बैठक का लक्ष्य सार्क का हिस्सा रहे अन्य दक्षिण एशियाई देशों को नए समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना था. हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका, बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच किसी भी उभरते गठबंधन के विचार को खारिज कर दिया था और कहा था कि यह बैठक राजनीतिक नहीं थी.

2016 से नहीं हुई सार्क की मीटिंग : बता दें कि कभी दक्षिण एशियाई देशों का शक्तिशाली संगठन रहा सार्क आज नाम मात्र का संगठन रह गया है. 2014 में काठमांडू में हुए शिखर सम्मेलन के बाद से इसका द्विवार्षिक सम्मेलन नहीं हुआ है. विदेश मामलों के सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने कहा था, हम कोई गठबंधन नहीं बना रहे हैं. इसमें शामिल होने के लिए भारत को भी न्यौता दिया जाएगा. नए संगठन का उद्देश्य व्यापार व संपर्क बढ़ाकर भागीदारी लेना है. यह नया संगठन यह सार्क की जगह लेगा, जो भारत-पाकिस्तान विवाद के कारण लंबे समय से निलंबित है.

सार्क कब बना, कौन से देश हैं मेंबर

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग और विकास को बढ़ावा देने के लिए 1985 में स्थापित एक महत्वपूर्ण संगठन है. इसके सदस्य देश, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव और अफगानिस्तान हैं. इन देशों का उद्देश्य क्षेत्रीय एकता और समृद्धि के लिए मिलकर काम करना है. सार्क के सदस्य आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करना, गरीबी उन्मूलन, व्यापार, शिक्षा, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में प्रगति के लिए काम करते हैं. यह संगठन क्षेत्रीय व्यापार समझौतों जैसे दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौता (साफ्टा) के माध्यम से आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है. हालांकि, राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान संबंधों के कारण, सार्क की प्रभावशीलता कभी-कभी सीमित हो जाती है.

दिल्ली से सीएम हेमंत सोरेन ने दी हूल विद्रोह के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को दिल्ली से ही हूल विद्रोह के अमर शहीदों सिदो-कान्हू, चांद भैरव, फूलो-झानो और अन्य को विनम्र श्रद्धांजलि दी. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा-हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हूं, चांद-भैरव, फूलो-झानो औरअन्य वीर शहीदों और वीरांगनाओं के संघर्ष और शहादत को शत शत नमन. आजादी की लड़ाई से पहले संथाल में हूल विद्रोह के हमारे वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत और महाजनों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ तथा जल-जंगल जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी अस्मिता की मशाल जलाई थी. हमारे वीर पुरुखों की यही सीख हमें हमेशा न्याय और स्वाभिमान के लिए प्रेरित करती रहेगी.
मालूम हो कि हेमंत सोरेन पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में हैं. वहां वह अपने पिता शिबू सोरेन की देखभाल में लगे हैं. उल्लेखनीय है कि शिबू सोरेन दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं. रूटीन चेकअप के लिए लगभग 10 दिन पूर्व दिल्ली गए शिबू सोरेन की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था. उसके बाद उनकी स्थिति नाजुक हो गयी थी. कई तरह की प्रॉब्लम शुरू हो गई थी. गुरुजी की हालत स्थिर हो गयी थी. हालांकि अब बताया जा रहा है कि गुरुजी के स्वास्थ्य में मामूली सुधार हुआ है. इससे उम्मीद बंधी है कि वह जल्द स्वस्थ होकर रांची आएंगे.

हैदराबाद के रासायनिक कारखाने में विस्फोट, 12 मजदूरों की मौत

एजेंसियां। हैदराबाद

तेलंगाना के संगारेड्डी के पाशमिलाराम औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह एक रासायनिक फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट ने 12 मजदूरों की जान ले ली. हादसा सुबह सिगाची इंडस्ट्रीज की यूनिट में हुआ, जहां फार्मा संबंधी रसायन बनाए जाते थे. धमाका इतना तेज़ था कि फैक्ट्री शेड के परखच्चे उड़ गए. कुछ मजदूर धमाके के दबाव से करीब 100 मीटर दूर जा गिरे. पुलिस अधिकारी ने बताया कि पांच मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा.
इस हादसे में घायल मजदूरों का इलाज कई अस्पतालों में चल रहा है, जिनमें से कई की हालत बेहद गंभीर है. पुलिस टीम ने घटना के बाद की मजदूरों को मलबे के नीचे से बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा.

आसपास के इलाकों में दहशतः विस्फोट के बाद चारों ओर धुएं का गुबार फैल गया, जिससे आसपास के निवासियों को सांस लेने में परेशानी हुई. अफरातफरी की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने आस-पास के क्षेत्रों से लोगों को ऐहतियातन बाहर निकाला. कई नजदीकी इमारतों को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है. फैक्ट्री में विस्फोट का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है. पुलिस व अग्निशमन विभाग की टीमें जांच में जुटी हैं. घटनास्थल पर भारी भीड़ और चिंता का माहौल है.

बोले तेज प्रताप - प्रेम किया तो किया, कोई गलत नहीं किया...

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप ने ही एक्स पर अपनी गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव की तस्वीर शेयर की थी. पोस्ट भी उन्होंने ही किया था. यह बात तेज प्रताप यादव ने कही है. उन्होंने कहा कि प्रेम किया तो किया, कोई गलत नहीं किया. कोई जनता के दिल से थोड़ी निकाल देगा. तेज प्रताप ने कहा, मेरा ही पोस्ट था हमने ही डाला था जो बीत गया अब उस पर मेरा ध्यान नहीं है.
हमें अभी काम करना है. जो चुनाव आने वाला है उस पर फोकस करना है. इस सवाल पर कि क्या आपको लगता है कि आपको प्रेम करने की कीमत चुकानी पड़ी? इस पर कहा, प्रेम सब कोई करता है. सब लोग प्रेम करते हैं. प्रेम किया तो किया कोई गलत नहीं किया. कोई जनता के दिल से थोड़ी निकाल देगा. नए तरीके से काम होगा. जनता के बीच जाएंगे.

गृह मंत्री के समक्ष मंत्री ने की झारखंड के लिए विशेष आर्थिक मदद की मांग

शुभम संदेश। रांची

राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को दिल्ली में सहकारिता वर्ष पर आयोजित सहकार से समृद्धि नामक मंथन कार्यक्रम में झारखंड की सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों और जरूरतों को बखूबी उठाया. उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में कहा कि झारखंड इस क्षेत्र में पिछड़ा हुआ है और इसे विशेष नीति व आर्थिक मदद की जरूरत है.
मंत्री ने बताया कि राज्य में अभी 4,400 एमपीसीएस हैं, जिनमें सब आर्थिक रूप से कमजोर हैं. राज्य सरकार इन्हें 28 करोड़ रुपए वर्किंग कैपिटल के रूप में दे चुकी है. उन्होंने केंद्र से आग्रह किया कि झारखंड के कुछ चयनित एमपीसीएस को वर्किंग कैपिटल मुहैया कराकर उन्हें सुदृढ़ किया जाए. गोदाम निर्माण पर मंत्री ने कहा कि झारखंड में भंडारण क्षमता की 57% की कमी है. पैक्स के पास 10% अंशदान की भी सामर्थ्य नहीं है, ऐसे में केंद्र को 100% अनुदान देकर गोदाम बनाना चाहिए. उन्होंने एससी–एसटी को सहकारिता में उचित प्रतिनिधित्व देने और सहकारी समितियों के गठन में आरक्षण और विशेष योजना लागू करने का भी सुझाव दिया. मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बैठक में भरोसा दिलाया कि सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाने के लिए राज्यों की सभी व्यवहारिक जरूरतों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और ज़रूरत पड़ने पर नीतिगत बदलाव भी किए जाएंगे. कार्यक्रम में देशभर के सहकारिता मंत्री, अधिकारी, विशेषज्ञ और सहकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए.

पीएम नरेंद्र मोदी ने हूल दिवस पर आदिवासी नायकों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। हूल दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आदिवासी समाज के अदम्य साहस और असाधारण पराक्रम को नमन किया. मोदी ने एक्स पर संथाली भाषा में पोस्ट में लिखा, हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम की याद दिलाता है. संथाल क्रांति से जुड़े इस विशेष अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के साथ ही उन सभी वीर-वीरांगनाओं का हृदय से नमन और वंदन, जिन्होंने विदेशी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया. उनकी शौर्यगाथा देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी.

अब कोई और नहीं बन सकेगा 'कैप्टन कूल'

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने अपने लिए 'कैप्टन कूल' नाम का ट्रेडमार्क लेने के लिए अर्जी दी है. भारत सरकार की बौद्धिक संपदा के रिकॉर्ड के अनुसार, धौनी ने यह अर्जी 5 जून, 2023 को दी थी. अब इस ट्रेडमार्क की स्थिति 'स्वीकृत और विज्ञापित' दिख रही है, जिसका मतलब है कि शुरुआती जांच पूरी हो गई है और अब इसे रजिस्ट्रेशन से पहले कोई भी चुनौती दे सकता है. 'कैप्टन कूल' नाम लंबे समय से धौनी के साथ जुड़ा रहा है क्योंकि दबाव भरे क्रिकेट के अहम पलों में भी वे शांत रहते थे. यह ट्रेडमार्क खेल प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने और खेल कोचिंग सेवाओं से जुड़ी श्रेणी में रजिस्टर किया जा रहा है. बता दें कि इसी महीने, धौनी को लंदन में एक समारोह में आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था. वे यह सम्मान पाने वाले 11वें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं. भारत के पूर्व कप्तान, जिन्होंने टीम को दो विश्व कप खिताब दिलाए, अब क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की इस खास सूची में शामिल हो गए हैं.

भाजपा के गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे का कांग्रेस पर फिर बड़ा हमला, किया दावा

पार्टी के 150 सांसदों को रूस से मिलती थी फंडिंग

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला. 2011 में अमेरिकी खुफिया एजेंसी की ओर से जारी एक दस्तावेज को एक्स पर साझा करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दिवंगत कांग्रेस नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से अधिक कांग्रेस सांसदों को रूस से फंडिंग मिली थी. इन सांसदों ने रूस के एजेंट के तौर पर काम किया था.

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस, भ्रष्टाचार और गुलामी. यह अवर्गीकृत गुप्त दस्तावेज 2011 में सीआईए ने जारी किया था. इसके मुताबिक दिवंगत कांग्रेस नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से अधिक कांग्रेस सांसदों को सोवियत रूस ने फंडिंग की थी. ये सांसद रूस के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे?
उन्होंने कहा कि पत्रकारों का एक समूह भी उनका एजेंट था. रूस ने कुल 16,000 समाचार प्रकाशित कराए थे. इसका अमेरिकी खुफिया एजेंसी के दस्तावेज में जिक्र है. उस समय के आसपास रूसी खुफिया एजेंसियों के 1100 लोग भारत में थे, जो नौकरशाहों, व्यापारिक संगठनों, कम्युनिस्ट पार्टियों और राय निर्माताओं को अपनी जेब में रखकर भारत की नीतियों को आकार और सूचनाएं भी दे रहे थे.
उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने उस समय चुनाव के नाम पर जर्मन सरकार से पांच लाख रुपये लिए और वे हारने के बाद इंडो-जर्मन फोरम की अध्यक्ष बन गईं. क्या यह देश है या गुलामों, एजेंटों और बिचौलियों की कठपुतली? कांग्रेस को जवाब देना चाहिए, क्या इस पर जांच होनी चाहिए या नहीं?

सेहत की बात हर चार मिनट में स्ट्रोक से हो जाती है एक व्यक्ति की मौत

निष्क्रिय जीवनशैली और आहार में गड़बड़ी से पाइए निजात

शुभम संदेश डेस्क

स्ट्रोक एक गंभीर और जानलेवा समस्या है जिसका खतरा कम उम्र के लोगों में भी देखा जा रहा है. आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि साल 2022 में दुनियाभर में 12.2 मिलियन (1.22 करोड़) से ज्यादा स्ट्रोक के नए मामले सामने आए. स्ट्रोक दुनियाभर में मौत और विकलांगता का एक प्रमुख कारण है. वैश्विक स्तर पर, 25 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग 4 में से 1 वयस्क को अपने जीवनकाल में स्ट्रोक होने का खतरा रहता है. साल 2023 में एक रिपोर्ट में एम्स के न्यूरो-विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में हर साल स्ट्रोक के करीब 1.85 मामले सामने आते हैं. हर

चार मिनट में एक व्यक्ति की स्ट्रोक से मौत हो जाती है. लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण स्ट्रोक होने का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है. जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर हाई रहता है उनमें स्ट्रोक और हार्ट अटैक दोनों का खतरा अधिक होता है.

स्ट्रोक की पहचान के लिए फार्मूलाः स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्रेन स्ट्रोक के लक्षणों को पहचानने के लिए एक फार्मूला है- फास्ट जिसके माध्यम से आसानी से पता किया जा सकता है कि किसी को स्ट्रोक हुआ है या नहीं. इन चार चीजों की तुरंत जांच करें.

- **एफ (फेस ड्रापिंग):** क्या चेहरा एक तरफ झुक गया है.
- **ए (आर्म वीकनेस):** क्या एक हाथ कमजोर है या गिर रहा है.
- **एस (स्पीच डिफिकल्टी):** क्या बोलने में दिक्कत है.
- **टी (टाइम टू काल इमरजेंसी):** यदि हां, तो तुरंत आपातकालीन सेवाओं को कॉल करें.

स्ट्रोक की समस्या को जानिए

स्ट्रोक तब होता है,जब मस्तिष्क की किसी नस में ब्लॉकेज हो जाती है या नस फटने के कारण खून का प्रवाह रुक जाता है, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होने लगती हैं. जब मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन और रक्त नहीं मिल पाता, तो उसकी कोशिकाएं कुछ ही मिनटों में डेड होने लगती हैं, यही स्थिति स्ट्रोक कहलाती है. यह एक मेडिकल इमरजेंसी है, जो अगर समय रहते ना पहचानी जाए, तो व्यक्ति की जान भी जा सकती है. कई मामलों में स्ट्रोक के कारण विकलांगता का भी खतरा रहता है. मेडिकल रिपोर्ट्स के अनुसार, स्ट्रोक के लक्षण अचानक और तीव्र होते हैं, लेकिन कुछ शुरुआती संकेतों पर ध्यान दे दिया जाए तो आप जानलेवा स्थिति से बच सकते हैं.

इन लक्षणों पर दें गंभीरता से ध्यान

स्ट्रोक के समय रहते पहचान के लिए सबसे पहले कुछ लक्षणों पर ध्यान दिया जाना चाहिए. स्ट्रोक की स्थिति में सिर में बहुत असहनीय दर्द की समस्या हो सकती है, ये इसका सबसे आम लक्षण है. इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति भ्रमित हो सकता है, बोलने या किसी की बातों को समझने में कठिनाई हो सकती है. स्ट्रोक होने पर चेहरे, हाथ या पैर सुन्न हो सकते हैं, इनमें कमजोरी या लकवा जैसी समस्या हो सकती है. यदि व्यक्ति अपने दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाने की कोशिश करे, तो अक्सर एक हाथ कमजोर होकर नीचे गिरने लगता है. इसमें शारीरिक संतुलन भी बिगड़ जाता है, जिससे चलना कठिन हो जाता है.

राज्यपाल, मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष ने हूल दिवस पर संथाल विद्रोह के महान सेनानियों को किया नमन

शुभम संदेश। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हूल दिवस पर संथाल विद्रोह के महान सेनानियों को नमन किया है. राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को लिखा है कि हूल दिवस' के अवसर पर संथाल विद्रोह के महान सेनानियों सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित अन्य वीर-वीरांगनाओं को कोटिशः नमन. उन्होंने कहा है कि ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध उनका संघर्ष एवं गौरवगाथाएं भावी पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष तथा मातृभूमि की सेवा के लिए सदैव प्रेरित करती रहेंगी.

वहीं मुख्यमंत्री ने हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और अन्य वीर शहीदों तथा वीरांगनाओं के संघर्ष और शहादत को शत-शत नमन किया है. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि आजादी की लड़ाई से पहले संथाल में हूल विद्रोह के हमारे वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत और महाजनों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ तथा जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी अस्मिता की मशाल जलाई थी. हमारे वीर पुरुखों की

यही सीख हमें हमेशा न्याय और स्वाभिमान के लिए प्रेरित करती रहेंगी. उन्होंने कहा है कि अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू अमर रहें. झारखंड के वीर शहीद अमर रहें. जय झारखंड. हूल जोहार.

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल ने कहा है कि संथाल परगना की पुण्यभूमि से 1855 में ब्रिटिश हुकूमत की शोषणकारी नीतियों के विरुद्ध हूल विद्रोह का उद्घोष हुआ. मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो जैसे महान आदिवासी जननायकों के नेतृत्व में संथाल समाज ने जल-जंगल-जमीन और अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक चेतना का जागरण किया. उन्होंने कहा है कि अंग्रेजी शासन की नींव को हिला देने वाले, देश में पहली बार स्वतंत्रता की क्रांति का शंखनाद करने वाले शहीदों को हूल दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि.

शिबू सोरेन की बड़ी वहू सीता सोरेन ने शहीद सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

बताया क्यों दिल्ली जाकर बीमार गुरुजी को नहीं देखा

शुभम संदेश। रांची/दुमका

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन गंभीर रूप से बीमार हैं और उनका इलाज दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में चल रहा है. राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पूरे परिवार के साथ पिता के इलाज में लगे हुए हैं. इधर, उन्हें देखने और उनका हालचाल जानने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत कई बड़े-बड़े नेता अस्पताल पहुंचे, लेकिन गुरु जी की बड़ी बहू सीता सोरेन अस्पताल पहुंच कर भी उन्हें नहीं देख पाईं. उन्होंने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया है.

इस हालत में बाबा को नहीं देख सके: हूल दिवस के मौके पर सीता सोरेन दुमका के बड़ा बांध चौक स्थित शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा काफी बीमार हैं, तकलीफ में हैं. उनसे मिलने हम दिल्ली गए थे, लेकिन अस्पताल के अंदर नहीं जा पाए. हम इतनी तकलीफ में गुरुजी को देखने का साहस नहीं जुटा पाए. हम उनके परिवार की

बड़ी बहू हैं और गुरुजी हमें पिता से बढ़कर स्नेह देते हैं. ऐसे में हम उन्हें बीमार हालत में देख नहीं पाए. सीता सोरेन ने बताया कि अस्पताल में बड़े-बड़े डॉक्टरों द्वारा उनका काफी बेहतर इलाज चल रहा है.

सिदो-कान्हू के वंशजों के साथ हो रहा है अन्याय : जामा विधानसभा से तीन बार विधायक रह चुकी सीता सोरेन ने कहा कि हूल दिवस पर हम शहीद सिदो-कान्हू को याद कर रहे हैं. लेकिन साहिबगंज के भोगनाडीह में जहां सिदो-कान्हू के वंशज हैं, उनके साथ हेमंत सरकार अन्याय कर रही है. वे अपने ढंग से हूल दिवस को मनाना चाह रहे थे, लेकिन उन्हें रोका जा रहा है. आखिरकार ऐसा क्यों हो रहा है, उसके पीछे की वजह क्या है, इसे जानने के लिए हम आज भोगनाडीह जाएंगे.

गुरुजी की सलामती के लिए मंदिर में की पूजा -अर्चना : इस बीच, दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्वास्थ्य कामना को लेकर उनकी बड़ी पुत्रवधू सीता सोरेन ने सोमवार को मंदिर पहुंच कर पूजा अर्चना की. गुरुजी की बड़ी पुत्रवधू सीता सोरेन हूल दिवस के मौके पर दुमका के पोखरा चौक पर स्थापित सिदो कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पहुंची थी. उन्होंने कहा की मंदिर पहुंच कर गुरुजी की सलामती के लिए पूजा अर्चना भी की है. उन्होंने कहा कि परिवार में गुरु जी बाबा से पिता से भी बढ़ कर प्यार मिला है. बीमार हालत में उन्हें देख नहीं सकते, बस इतना ही चाहते है कि बाबा जल्द स्वस्थ्य होकर हमारे बीच लौटें.

हम सब की है प्रार्थना, बाबा जल्द ठीक हो जाएं: लुईस मरांडी

हूल दिवस के अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक लुईस मरांडी ने भी सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उन्होंने कहा कि इन वीर शहीदों ने जो बलिदान दिया है, हमलोगों का कर्तव्य है कि हम उनके दिखाए गए मार्ग पर चलें. साथ ही उन्होंने कहा कि आज हमारे अभिभावक बाबा शिबू सोरेन गंभीर रूप से बीमार हैं. हम इन शहीदों के स्थल पर भी यह प्रार्थना कर रहे हैं कि वे जल्द से जल्द ठीक होकर आएं.

जनजातीय समाज ने हूल के जरिए उठाई थी आवाज : सुशील

रांची। आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में 170 वीं हूल दिवस सोमवार को मनाया गया. मोरहाबादी स्थित सिद्धो-कान्हो पार्क में आज बाबा सिद्धो-कान्हो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और झारखंड के सभी वीर महापुरुषों को याद किया गया.

इस मौके पर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने कभी भी अंग्रेजी हुकूमत को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने हूल क्रांति कर अंग्रेजों की चूलें हिला दी थीं. उन्होंने बताया कि हूल के जरिए शोषण के खिलाफ आवाज उठाया गया. अंग्रेजों के 200 साल के शासन में कभी भी जनजातीय समाज ने अंग्रेजों की हुकूमत को स्वीकार नहीं किया और वे जंगल में घूमते रहे. ईस्ट इंडिया कंपनी से जंग लड़ी. जनजातीय समाज का कहना था कि मेरी जमीन, मेरा आसमान और मेरी प्रकृति, तो हम गोरे शासन को टैक्स क्यों दें.

जिला अध्यक्ष राजू उरांव ने कहा हूल के बाद शुरू अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष शुरू हुआ था. संथाल हूल एशिया का सबसे बड़ा आंदोलन था. इसमें कई गांव आंदोलन के लिए निकल पड़े थे, लेकिन जो शुरुआती आंदोलन था, वह अंग्रेजों के खिलाफ नहीं था. वह साहूकारों और महाजनों के खिलाफ था. इसके बाद जब अंग्रेजों का अत्याचार बढ़ा, तब यह हूल आंदोलन अंग्रेजों के खिलाफ भी शुरू हुआ. डीएसपीएमयू इकाई के अध्यक्ष विवेक तिर्की ने कहा कि आज की पीढ़ी को इतिहास बताने की जरूरत है.

शिबू सोरेन की स्थिति चिंताजनक, लेकिन स्थिर

गुरुजी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए रुद्राभिषेक व हवन कर रहे समर्थक

शुभम संदेश। रांची

दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में 19 जून से दिशोम गुरु शिबू सोरेन भर्ती हैं. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद और हेमंत सरकार के कॉर्डिनेशन कमेटी के चेयरमैन शिबू सोरेन के स्वास्थ्य में मामूली सुधार के बावजूद उनकी स्थिति अभी-भी गंभीर बनी हुई है.झारखंड आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन जल्द स्वस्थ हों इसके लिए सोमवार को पहाड़ी मंदिर में समर्थकों ने जहां भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया. वहीं रातू रोड स्थित आरआर स्पोर्टिंग क्लब दुर्गा मंदिर में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने मां भगवती की आराधना और हवन कर गुरुजी के शीघ्र स्वस्थ होकर झारखंड लौटने की कामना की.इस हवन में शामिल हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव और शिबू सोरेन के बेहद करीबी विनोद पांडेय मीडिया से बात करते करते बेहद भावुक हो गए. उन्होंने कहा कि हम सब की एक ही कामना है कि बाबा स्वस्थ होकर झारखंड लौटें.

दिशोम गुरु की सेहत में सुधार लेकिन स्थिति गंभीर: झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने बताया कि दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन अभी भी चिंताजनक बनी हुई है. उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की टीम आईसीयू में भर्ती शिबू सोरेन का इलाज में लगी है. आज राज्य में ही नहीं बल्कि देशभर में बाबा के स्वास्थ्य को लेकर चिंता है, सब लोग उनकी कुशलता और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि उन्होंने में माता भगवती की मंदिर में गुरुजी के शीघ्र स्वस्थ हो जाने की अर्जी लगाई है और पूरी उम्मीद है कि बाबा जल्द हम लोगों के बीच होंगे.

लगातार जारी है पूजा अर्चना का दौर : पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए पूजा अर्चना का दौर जारी है. 29 जून को रांची के जगन्नाथ मंदिर में गुरुजी की तस्वीर लेकर उनके समर्थकों ने पूजा अर्चना की. वहीं डोरंडा के रिसालदार बाबा के मजार पर चादरपोशी कर उनकी कुशलता के लिए दुआएं मांगी गयी थी तो आज पहाड़ी मंदिर और देवी मंदिर में रुद्राभिषेक और हवन किये जा रहे हैं.

19 जून से अस्पताल में भर्ती हैं शिबू सोरेन: पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन 19 जून से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं. जहां उनका इलाज अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के हेड डॉ. एके भल्ला के नेतृत्व में चल रहा है. अस्पताल प्रशासन का कहना है कि उनकी गंभीर लेकिन स्थिर बनी हुई है. विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम 81 वर्षीय आदिवासी नेता शिबू सोरेन की देखभाल कर रही है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन, पूर्व मंत्री बसंत सोरेन, दिल्ली में ही बने हुए हैं.

भोगनाडीह मामले में बोले झामुमो महासचिव विनोद पांडेय

कानून हाथ में लेने की इजाजत किसी को नहीं

शुभम संदेश। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा हूल दिवस के दिन भोगनाडीह की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार पर लगाए गए आरोपों पर झामुमो ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने जारी प्रेस वक्तव्य में कहा है, राज्य की कानून व्यवस्था सर्वोपरि है. किसी को भी इसे हाथ में लेने की इजाज़त नहीं दी जा सकती. उन्होंने कहा, हूल दिवस के अवसर पर भोगनाडीह में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया था, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सुनियोजित ढंग से स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश की गई. ऐसे हालात में प्रशासन ने संयम और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की, ताकि माहौल और बिगड़ने से रोका जा सके. सरकार असामाजिक तत्वों की जरूर पहचान करेगी और ऐसे लोगों का पर्दाफाश किया जाएगा. झामुमो की अगुवाई वाली सरकार में विभाजनकारी ताकतों को कभी भी सिर उठाने नहीं दिया जाएगा. ये सब भाजपा नेतृत्व वाली सरकारों में ही देखने को मिलता है.उन्होंने आगे कहा, चंद लोगों की नादानी के कारण पूरे राज्य की जनता की सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता. भाजपा जानबूझ कर भ्रामक प्रचार कर रही है और झूठे आरोपों के ज़रिए लोगों को भड़काने की कोशिश कर रही है. राज्य में कानून का शासन है. भाजपा को चाहिए कि वह गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका छोड़कर रचनात्मक सुझावों और जनहित के मुद्दों पर बात करे.

उन्होंने कहा, झारखंड मुक्ति मोर्चा और हेमंत सोरेन सरकार ने हमेशा आदिवासियों के इतिहास, अस्मिता और अधिकारों की रक्षा को सर्वोपरि रखा है. भाजपा का यह आरोप कि सरकार आदिवासियों की भावनाओं को कुचल रही है, पूरी तरह तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण है. हूल दिवस हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है. इसका राजनीतिक उपयोग करना बेहद शर्मनाक है.

विनोद पांडेय ने दो टूक कहा, जो भी व्यक्ति या संगठन कानून को अपने हाथ में लेगा, उस पर नियमानुसार कार्रवाई होगी – चाहे वह किसी भी विचारधारा या दल से जुड़ा क्यों न हो. हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, लेकिन अराजकता की इजाज़त नहीं दी जाएगी. राज्य सरकार अपने हर नागरिक की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.

भोगनाडीह झड़प की बाबूलाल मरांडी ने की कड़ी निंदा, घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को भोगनाडीह में हूल दिवस के दिन आदिवासी समाज के ऊपर हुए लाठीचार्ज की घटना की कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा कि हूल दिवस के पावन अवसर पर भोगनाडीह में पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रयोग की घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है. इस बर्बर कार्रवाई में कई ग्रामीण घायल हुए हैं. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आज की यह बर्बरता अंग्रेज़ी हुकूमत के दौर की यादें ताज़ा कर दी है. हूल क्रांति की भूमि पर, छह पीढ़ियों के बाद एक बार फिर सिद्धो-कान्हू के वंशजों को अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध सड़क पर उतरना पड़ा है. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि दरअसल, घुसपैठियों की गोद में बैठी राज्य सरकार नहीं चाहती कि झारखंड का

आदिवासी समाज अपने पुरखों की वीरगाथाओं और बलिदानों से प्रेरित होकर अपनी अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित हो. लेकिन सरकार की यह साजिश कभी सफल नहीं होगी. जिस तरह वीर सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने हूल क्रांति के माध्यम से अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी थी, उसी तरह आज भोगनाडीह में लाठीचार्ज की दमनकारी घटना हेमंत सरकार के पतन का कारण सिद्ध होगी.

भोगनाडीह में लाठीचार्ज निंदनीय, सरकार का आदिवासी विरोधी चेहरा उजागर : विजय शंकर नायक

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने हूल दिवस (30 जून 2025) पर भोगनाडीह, दुमका में शांतिपूर्वक जुटे आदिवासियों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ने की घटना की कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा कि यह कृत्य हेमंत सोरेन सरकार की आदिवासी विरोधी मानसिकता को उजागर करता है. सिदो-कान्हू की पवित्र जन्मभूमि पर हुई यह बर्बरता न केवल अमानवीय है, बल्कि सरकार की कथित जनजातीय सहानुभूति की पोल खोलती है. नायक ने दोषी अधिकारियों के निलंबन, स्वतंत्र जांच और सरकार द्वारा सार्वजनिक माफी की मांग की. उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज इस अन्याय को चुपचाप नहीं सहेगा और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करता रहेगा.

जेएलकेएम ने सिदो-कान्हू पार्क में मनाया हूल दिवस

बाहरी तत्वों के खिलाफ संघर्ष अब भी जारी: देवेंद्रनाथ महतो

शुभम संदेश। रांची

झारखंड समेत देश के कई हिस्सों में सोमवार को हूल दिवस हर्ष और सम्मान के साथ मनाया गया. रांची स्थित सिद्धो-कान्हो पार्क में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने भव्य आयोजन किया. संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिद्धो-कान्हो, चांद-भैरव, फूलो-झानो के जयघोष के साथ श्रद्धांजलि दी. महतो ने कहा, हूल दिवस केवल स्मृति का दिन नहीं, यह हमारी प्रेरणा का दिवस है. 30 जून 1855 को भोगनाडीह से शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश हुकूमत, जमींदारों और महाजनों के खिलाफ पहला संगठित विद्रोह था. यह जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए शुरू हुई चेतना थी जो आज भी प्रासंगिक है.

उन्होंने कहा कि बाहरी तत्वों के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी है. सरकारें अब भी कॉरपोरेट हितों के लिए आदिवासी-मूलवासी जमीन और प्राकृतिक संसाधनों को बेचने का रास्ता खोल रही हैं. उन्होंने मांग की कि झारखंड में क्षेत्रीय अधिकार, आरक्षण और सम्मान को सुनिश्चित किया जाए. इस मौके पर रांची जिला अध्यक्ष आलोक उरांव, पार्वती देवी, संतोष साहू, चंदन रजक, रविंद्र दीपक, अनूप सिंह, अजहर अंसारी और प्रभाकर सहित कई संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे. बताते चलें कि हूल दिवस न केवल झारखंड में बल्कि पश्चिम बंगाल, बिहार, ओड़िशा और असम जैसे राज्यों में भी मनाया जाता है.

जेपीएससी विवाद : राज्यपाल ने आयोग को कार्रवाई के लिए कहा

पूर्व सीएम रघुवर दास के पत्र पर लिया संज्ञान

शुभम संदेश। रांची

झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा परीक्षा-2023 (जेपीएससी) में उत्तर पुस्तिकाओं की जांच को लेकर उठे सवालों पर अब राजभवन की नजर है. पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की शिकायत पर राज्यपाल ने संज्ञान लेते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है. बता दें कि परीक्षा का परिणाम एक-दो दिनों में आने की बात कही गयी है. ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि आयोग इस दिशा में क्या कदम उठाता है.

राज्यपाल के आदेश पर राजभवन के अपर सचिव एके सत्यजीत द्वारा आयोग अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि रघुवर दास द्वारा प्रेम कुमार एवं अन्य परीक्षार्थियों की ओर से एक ज्ञापन प्राप्त हुआ है, जिसमें परीक्षा व मूल्यांकन प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है. दास ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है.

राजभवन ने आयोग को मूल पत्र की प्रति भेजते हुए निर्देश दिया है कि इस विषय में नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जाएं. माना जा रहा है कि इस निर्देश के बाद आयोग पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने का दबाव बढ़ेगा. ज्ञात हो कि हाल ही में जेपीएससी परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक कई अभ्यर्थियों ने विरोध जताया था. अब पूर्व मुख्यमंत्री की पहल और राज्यपाल की तत्परता से यह मामला और गंभीर हो गया है.

डीयू में प्रवेश | एडमिशन के लिए बैठे छात्र हो जाएं तैयार

सीयूईटी यूजी स्कोर के आधार पर होगा दाखिला

शुभम संदेश डेस्क

अगर आप 12वीं के बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) में एडमिशन लेने की तैयारी कर रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है. सीयूईटी यूजी 2025 रिजल्ट के जारी होते ही डीयू एडमिशन 2025 प्रक्रिया की शुरुआत हो जाएगी. इस साल भी सभी अंडरग्रेजुएट (यूजी) कोर्सेज में एडमिशन केवल सीयूईटी स्कोर के आधार पर ही होगा.

सीयूईटी यूजी 2025 रिजल्ट कब आएगा

रिपोर्ट्स के अनुसार, सीयूईटी यूजी 2025 का रिजल्ट जुलाई के पहले सप्ताह तक जारी होने की संभावना है. एनटीए द्वारा स्कोरकार्ड जारी होते ही दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से सीएसएएस (कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम) पोर्टल को एक्टिव किया जाएगा.

डीयू एडमिशन प्रोसेस

रजिस्ट्रेशन: सीयूईटी रिजल्ट आने के बाद छात्रों को डीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर सीएसएएस पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा.

चॉइस फिलिंग: छात्र अपने मनपसंद कॉलेज और कोर्स की प्राथमिकता भर सकेंगे.

सीट अलॉटमेंट: मेरिट और सीयूईटी स्कोर के आधार पर सीटें आवंटित की जाएंगी.

फीस भुगतान और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन: आवंटित सीट को स्वीकार करने के लिए तय समय पर फीस का भुगतान और डॉक्यूमेंट्स की जांच आवश्यक होगी.

यूजी एडमिशन 2025: योग्यता और जरूरी शर्तें

सीयूईटी यूजी 2025 परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है.
उम्मीदवार का 12वीं पास होना जरूरी है.
हर कोर्स की कट-ऑफ या न्यूनतम स्कोर की शर्तें अलग-अलग हो सकती हैं, जिसकी जानकारी डीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर दी जाएगी.

आवश्यक दस्तावेजों की सूची
सीयूईटी यूजी 2025 का स्कोरकार्ड
10वीं और 12वीं की मार्कशीट
कैटेगरी सर्टिफिकेट (यदि लागू हो)
पासपोर्ट साइज फोटो
पहचान पत्र (आधार कार्ड आदि)

सीयूईटी क्यों है अनिवार्य
दिल्ली यूनिवर्सिटी ने साल 2022 से सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी इंटरेंस टेस्ट) को सभी अंडरग्रेजुएट एडमिशन के लिए जरूरी कर दिया है. इसका उद्देश्य है –
सभी छात्रों को बराबर अवसर देना
एडमिशन प्रक्रिया को पारदर्शी और मेरिट आधारित बनाना

डीयू एडमिशन 2025 पोर्टल लिंक
जैसे ही सीएसएएस पोर्टल एक्टिव होगा, छात्र du.ac.in या admission.uod.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे.

शराब घोटाला में आरोपी विनय सिंह को फिलहाल कोर्ट से राहत नहीं

रांची। गिरफ़्तारी के डर से फरार चल रहे आईएएस विनय चौबे के करीबी और रांची के चर्चित ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर रांची एसीबी की विशेष अदालत में सुनवाई हुई. सोमवार की सुनवाई के दौरान एसीबी ने केस डायरी जमा करने के लिए समय मांगा. समय मांगे जाने के आग्रह को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. साथ ही अदालत ने विनय सिंह के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई है. पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश नहीं मिलने से विनय सिंह की मुश्किलें और बढ़ गई हैं, क्योंकि उसके खिलाफ एसीबी ने वारंट ले लिया है. दरअसल शराब घोटाला की अब तक जांच में एसीबी ने विनय सिंह को नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन अब तक विनय सिंह एसीबी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं.

निलंबित आईएएस विनय चौबे पर टूटा एक और कहर

शराब घोटाले के बाद अब जमीन घोटाला!

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में शराब घोटाले के मामले में पहले से जेल में बंद पूर्व उत्पाद आयुक्त और निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं. अब वे हजारीबाग ज़िले की 2.75 एकड़ खासमहाल ज़मीन घोटाले में भी फंस सकते हैं. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी में है और इसके लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी गई है.

क्या है ज़मीन घोटाले का मामला

यह मामला वर्ष 2008 से 2010 के बीच का है, जब विनय चौबे हजारीबाग के उपायुक्त थे. आरोप है कि इस दौरान खासमहाल की 2.75 एकड़ ज़मीन को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 23 निजी व्यक्तियों के नाम निबंधित कर दिया गया. एसीबी की प्रारंभिक जांच (पीई), जो वर्ष 2015 में हुई थी, में यह स्पष्ट हुआ था कि यह ज़मीन 1948 में सेवायत ट्रस्ट को 30 साल की लीज पर दी गई थी, जिसकी अवधि 1978 में समाप्त हो गई थी. इसके बाद भूमि जस की तस पड़ी थी. लेकिन 2008-2010 के बीच फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए जमीन की प्रकृति बदल कर उसे निजी लोगों को बेच दिया गया.

आईएएस विनय चौबे पर क्या हैं आरोप: विनय चौबे पर आरोप है कि उन्होंने लीज नवीनीकरण के आवेदन से जानबूझकर ट्रस्ट का नाम हटवाया. इसके बाद जमीन को 23 निजी व्यक्तियों के नाम निबंधित कर दिया गया, जिससे करोड़ों की संपत्ति का हेरफेर हुआ. इस दौरान झारखंड हाईकोर्ट के 2005 के आदेश की अवहेलना भी हुई, जिसमें साफ कहा गया था कि ट्रस्ट की भूमि को अन्य किसी को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता.

एसीबी की अगली कार्रवाई: एसीबी ने अब राज्य सरकार के कैबिनेट निगरानी एवं सचिवालय विभाग को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति के लिए फाइल भेजी है. साथ ही, एसीबी ने चौबे से जुड़ी सभी लंबित जांचों की फाइलें दोबारा खोलनी शुरू कर दी हैं.

मौजूदा स्थिति : विनय कुमार चौबे इस समय रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में शराब घोटाले के सिलसिले में बंद हैं. इस ज़मीन पर आज बहुमंजिला इमारतें खड़ी हो चुकी हैं. शराब घोटाले के बाद अब भूमि घोटाले में फंसे विनय चौबे पर कानून का शिकंजा और कसता जा रहा है.

सफलता के 3 वर्ष

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 01 जुलाई 2025 । आषाढ़ शुक्ल पक्ष 06, संवत 2082 । रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 3, अंक : 84 । मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

गोल इंस्टीट्यूट के सम्मान समारोह में नीट टॉपर्स का लगा मेला, सम्मान पाकर खिले बच्चों के चेहरे

नीट में सफल छात्र-छात्राओं के साथ संस्थान में तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स ने मनाया कामयाबी का जश्न

शुभम संदेश। रांची

गोल इंस्टीट्यूट द्वारा नीट 2025 में सफल छात्र-छात्राओं के लिए रांची के गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल, पीपी कंपाउंड, हिंदपीढ़ी में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें गोल के झारखंड से सफल छात्रों को मेडल, एप्रोन एवं स्टेथोस्कोप देकर सम्मानित किया गया. समारोह में सफल छात्र-छात्राओं के साथ-साथ गोल इंस्टीट्यूट के सैंकड़ों तैयारी कर रहे छात्रों ने भाग लिया.

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. अमितेश आनंद सीनियर कंसल्टेंट और हेड, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, आरसीएचआरसी डॉ. अमितेश आनंद ने गोल संस्थान की प्रशंसा करते हुए कहा यह गौरव की बात है कि झारखंड में गोल की मदद से आज इतनी अधिक संख्या में छात्र सफल होकर डॉक्टर बनने कि दिशा में अपना कदम बढ़ा रहे हैं. साथ ही उन्होनें सफल छात्रों को भविष्य में आने वाली जिम्मेवारीयों से अवगत कराया. समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, क्रिटिकल केयर कंसल्टेंट, पारस एचईसी हॉस्पिटल (रांची) डॉ. वशिष्ठ नारायण सिंह सहित कई अन्य गणमान्य अतिथियों ने सफल छात्रों से अपने अनुभव साझा किए एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में भविष्य में सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण दिशानिर्देश दिए.

छात्रों के सफलता पर गौरवान्वित होते हुए गोल इंस्टीट्यूट के फाउंडर सह मैनेजिंग डायरेक्टर बिपिन सिंह ने कहा कि इस सफलता का श्रेय स्टूडेंट्स के अथक प्रयास, अभिभावकों का विश्वास और गोल टीम का लगातार सही दिशा में किया गया प्रयास को जाता है. सिंह ने छात्रों को भविष्य में भी इसी तरह से सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं एवं अगले वर्ष की तैयारी कर रहे छात्रों से कहा कि वे गोल इंस्टीट्यूट के रिजल्ट ऑरिएएंटेड सिस्टम का कदम से कदम मिलाकर फ़ालो करें, अगले वर्ष सफलता जरूर आपके कदम चूमेगी. गोल इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट डायरेक्टर रंजय सिंह ने बताया कि इस वर्ष का प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत कठिन था, बावजूद इसके हमारे छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है. इस बार कुल 5432 छात्रों ने गोल से नीट क्वालिफाई किया है, जिनमें से 527 छात्रों के सरकारी मेडिकल कॉलेज में दाखिला पाने की संभावना है. यह हम सबके लिए गर्व का क्षण है. हमारी संस्थान अगले सत्र के लिए फाउंडेशन, टारगेट, एचीवर एवं टेस्ट सीरीज के माध्यम से नीट के लिए छात्रों को और भी बेहतर सुविधाओं के साथ तैयारी करवाएगी.

गोल इंस्टीट्यूट के आरएंडडी हेड आनंद वत्स ने गोल के नए सत्र की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष छात्रों को विशेष रूप से नीट के स्कोर के आधार पर और गोल स्कॉलरशिप टेस्ट के आधार पर वृहद पैमाने पर छात्रवृत्ति दी जा रही है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर छात्र भी गोल के रिजल्ट ओरिएंटेंड क्लास रूम कोर्सेस फैसिलिटी ले पाए. साथ ही उन्होंने कहा कि इस वर्ष रांची ब्रांच में छात्रों को पिछले वर्षों की अपेक्षाकृत अत्यधिक फैसेलिटी दी जा रही है, जहां अच्छे शिक्षण और टेस्ट के साथ-साथ हॉस्टल और लाईब्रेरी की सुविधा भी छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही है. गोल इंस्टीट्यूट के धनबाद ब्रांच हेड संजय आनंद ने कहा कि संस्थान अगले वर्ष नए पाठ्यक्रम के अनुसार नए बदलाव के साथ और भी बेहतर सुविधाएं छात्रों को देने जा रही है, जिससे छात्र और अधिक लाभान्वित होंगे.

शुभजीत राज (630 अंक, 236वीं ऑल इंडिया रैंक) ने कहा कि गोल संस्थान ने एक परिवार की तरह केयर किया है और साथ ही क्वालिटी शिक्षण एवं नीट के नए पैटर्न पर आधारित टेस्ट द्वारा प्रैक्टिस ने हमें टॉपर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के अलावा गोल इंस्टीट्यूट को देते हुए गोसिया फिरदौस (612 अंक, 702वीं ऑल इंडिया रैंक) ने बताया कि विपरित परिस्थिति में भी गोल इंस्टीट्यूट द्वारा रेगुलर क्लास, रीविजन क्लास, टेस्ट, डाउट्स के साथ गोल के एक्सपर्ट्स द्वारा दिशानिर्देश ने हमारी सफलता में अहम भूमिका निभाई है. गोल में प्राप्त पर्सनल केयर एवं अच्छे प्रतियोगी माहौल का हमारे अच्छे रिजल्ट में अहम रोल है. गोल का सहयोग हमें नीट परीक्षा के दिन तक मिला, जो हमारे लिए अविस्मरणीय है.

नफीसा निगार (610 अंक, 822वीं ऑल इंडिया रैंक) ने बताया कि गोल एजुकेशन विलेज का अनुशासित वातावरण और बोर्ड के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का मॉडल बहुत प्रभावी रहा. इसके अलावा समारोह में कई अन्य छात्रों को सम्मानित किया गया.

समारोह का संचालन गोल के अभिषेक कुमार एवं संजय आनंद ने किया, जिसमें गोल के केपी सिंह, शुभम, पूनम, सुमेधा, प्रेरणा, साक्षी, अनुराग, यशवंत, सना, अतुल, अलकामा, मुकेश, उज्जवल, कुमकुम, प्रियरंजन एवं कई अन्य गणमान्य सदस्य एवं शिक्षक मौजूद थे.

हूल दिवस पर भोगनाडीह में जुटे संतालों और पुलिस में झड़प तीर चले, लाठीचार्ज, पुलिस के जवान सहित कई ग्रामीण घायल

सुबोध सिंह। साहिबगंज

बरहेट प्रखंड स्थित सिदो-कान्हू की जन्मस्थली भोगनाडीह में संताल ग्रामीण और पुलिस के बीच प्रतिमा लगे पार्क के गेट का ताला खोलने को लेकर विवाद शुरू हुआ. सिदो-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू व वहां के लोगों ने पार्क में ताला लगा दिया था और संताल समाज के लोग किसी को अंदर नहीं जाने दे रहे थे. जिला प्रशासन को ताला नहीं खोलने दिया जा रहा था. इसी मामले को लेकर जिला प्रशासन ओर वंशज के बीच तू-तू,मैं-मैं होते-होते हिंसक झड़प हो गयी. संताल लोगों के तीर से दो जवान जख्मी हो गए, वहीं उग्र भीड़ को शांत करने व खुद के बचाव में पुलिस को लाठी चार्ज कर व अश्रु गैस के गोले छोड़ने पड़े. इस झड़प में पुलिस के आधा दर्जन जवान घायल हो गए, वहीं 8-10 ग्रामीण भी घायल हो गए हैं. पुलिस के दो जवान तीर से गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं, वहीं कुछ अन्य जवान भी घायल हुए.

पूजा करने की प्रशासन ने नहीं दी अनुमति

जिला प्रशासन ने वंशजों को पूजा करने के लिए मौखिक आदेश दिया था. जिसके तहत सुबह 10 बजे से पहले और शाम 4 बजे के बाद पूजा करने की अनुमति दी गई थी. इसे लेकर वंशज के परिजन पिछले तीन दिनों से आक्रोशित हैं. पुलिस ने अस्थायी पंडाल को हटा दिया था. इसके विरोध में वंशज के परिजन व समर्थकों ने सोमवार की सुबह सिदोकान्हू भोगनाडीह पार्क में ताला जड़ दिया. साथ ही किसी के लिए भी पूजा की अनुमति पर रोक लगा दी गई. पुलिस प्रशासन ने इसे खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन समर्थक अड़े रहे, तो विवाद बढ़ा.

कार्यक्रम को लेकर कुछ दिनों से चल रहा था विवादः पिछले कुछ दिनों से प्रशासन और ग्रामीणों के बीच हूल दिवस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर खींचतान चल रही थी. सिदो कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू स्थानीय स्टेडियम में हूल दिवस पर कार्यक्रम करना चाहते थे. उन्होंने इसकी लिखित सूचना प्रशासन को दी, लेकिन प्रशासन ने कार्यक्रम करने की इजाजत नहीं दी. इसके बाद वहां के ग्रामीण नाराज हो गये और मोर्चा खोला. ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए प्रशासन ने मौखिक रूप से कार्यक्रम करने की इजाजत दी, लेकिन प्रशासन द्वारा देर रात इनके मंच को नुकसान पहुंचा गया. मंडल मुर्मू का कहना है कि उन्होंने प्रशासन से लिखित अनुमति देने का आग्रह किया, बावजूद उनके कार्यक्रम में बाधा डाली गई. गांव के मांझी व समस्त ग्रामीण उनके साथ हैं. इसी रस्साकशी के बाच जुटे ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा बनाये गये मंच को भी तोड़ दिया गया.

कई ग्रामीण और जवान घायलः ग्रामीणों के हमले में कई जवान घायल हुए हैं, वहीं आंसू गैस के गोले छोड़ने व लाठी चार्ज में कई ग्रामीण भी घायल हुए हैं. जैप 9 के जवान रमेश पासवान, छोटेलाल, संजय, मृत्युंजय, श्याम सुंदर घायल हैं. झड़प के बाद भोगनाडीह में भारी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई है. मौके पर डीआइजी के साथ ही डीसी हेमंत सती, एसपी अमित सिंह समेत अन्य अधिकारी कैंप कर रहे हैं. हालांकि अब स्थिति सामान्य है. ताला खुलने के बाद लोग पार्क पहुंचे और सिदो कान्हू, चांद भैरव व फूलो झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया.गौरतलब है कि सिदो कान्हु हूल फाउंडेशन व आतु मांझी बैसी ने हूल दिवस पर भोगनाडीह में कार्यक्रम करने की अनुमति मांगी थी. मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए अनुमति नहीं दी गई थी. इसके बाद भी संगठन की ओर से पंडाल का निर्माण कराया जा रहा था.

भोगनाडीह पहुंचीं पूर्व विधायक सीता सोरेनः इधर पूर्व विधायक सीता सोरेन मौके पर पहुंची. उन्होंने मौके पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाई. झड़प के दौरान घायल वंशज परिवार और उनके साथ रिश्तेदार व ग्रामीण इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट पहुंचे.

घायल ग्रामीणः 1. जेठू मुर्मू 2. शिवचरण हांसदा3. सुरूज टुडू 4. संगीता टुडू 5. माही बास्की 6. बिटिया हांसदा 7. नेहा मुर्मू 8. देवराज किस्कू.

घायल सिपाहीः रमेश पासवान, छोटे लाल कुमार, संजय यादव , मृत्युंजय कुमार , श्याम सुंदर यादव.

13 मजदूरों को पुलिस ने लिया था हिरासत में

पहले दिन मंडल मुर्मू के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला गया. इसके जरिए पुलिस प्रशासन का विरोध किया गया. शनिवार की रात एक कार्यक्रम के लिए पंडाल बना रहे 13 मजदूरों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया. इसके विरोध में सिदो कान्हु के वंशज मंडल मुर्मू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आदिवासियों ने पारंपरिक हथियारों के साथ प्रदर्शन किया. उन्होंने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और सिदो कान्हु पार्क में ताला जड़ दिया. साथ ही चुड़का खोदकर सरकारी कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन द्वारा बनाए जा रहे पंडाल के काम को रोक दिया.इस मामले में पुलिस प्रशासन और शहीद के वंशज मंडल मुर्मू व अन्य लोगों से वार्ता हुई. लेकिन आंदोलनकारी 13 मजदूरों को छोड़ने और कार्यक्रम की अनुमति देने पर अड़े रहे. बाद में हिरासत में लिए गए मजदूरों को छोड़ा गया और कार्यक्रम की मौखिक अनुमति दी गई, लेकिन इसके बाद हंगामा हो गया.

जयराम महतो की एस्कॉर्ट गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, छह समर्थक घायल

शुभम संदेश। रांची

गिरिडीह के डुमरी से जेएलकेएम विधायक जयराम कुमार महतो को एस्कॉर्ट कर रही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है. इस हादसे में छह युवक घायल हुए हैं. सभी घायल युवक विधायक जयराम कुमार महतो के मित्र हैं. यह जानकारी विधायक के निजी सचिव संजय महतो ने दी है. यह हादसा रविवार की रात करीब 10.30 बजे पश्चिम बंगाल के बलरामपुर-पुरुलिया में हुआ था. प्राथमिक उपचार के बाद धनबाद के अशर्फी अस्पताल और जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सभी खतरे से बाहर हैं लेकिन संतोष नामक एक युवक के कंधे के पास की एक हड्डी टूट गई है. हादसे की जानकारी खुद विधायक जयराम महतो ने अपने एक्स हैंडल से घायलों की तस्वीरों के साथ साझा की है. उन्होंने बताया है कि आपके आशीर्वाद से सभी सुरक्षित हैं और खतरे से बाहर है.

कैसे हुआ हादसा : डुमरी विधायक के निजी सचिव संजय महतो ने बताया कि रविवार को कराईकेला में जनसभा को संबोधित करने के बाद काफिला लौट रहा था. उस दौरान भारी बारिश हो रही थी. एक स्कॉर्पियो गाड़ी में विधायक के छह मित्र थे जो उनकी गाड़ी को एस्कॉर्ट कर रहे थे. इसी दौरान गाड़ी के शीशे पर लगे कीचड़ को साफ करने के लिए रुक गये. फिर काफिला को ज्वाइन करने के लिए एस्कॉर्ट गाड़ी की रफ्तार तेज थी.

सड़क हादसे में तीन की मौत

खूंटी। कर्रा थाना क्षेत्र के सांगोर गांव के पास सोमवार दोपहर हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. मृतकों में रोहित मिंज, अभिषेक मिंज और रेला मिंज शामिल हैं और तीनों कर्रा प्रखंड की मेहा पंचायत के मालगो गांव के थे. रेला मिंज और रोहित मिंज पिता-पुत्र थे, जबकि अभिषेक मिंज रेला का भतीजा था. जानकारी के अनुसार एक बाइक(जेएच 01डीटी 6962) से बिरदा से अपने गांव मालगो लौट रहे थे. सांगोर गांव के पास तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई, जिससे बाइक सवार तीनों व्यक्तियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया. कर्रा थाना की पुलिस तीनों को पहले कर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गइ, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया.

बाद में पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक दूर जा गिरे. मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, तब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार्रवाई में जुट गई.

जंगली हाथियों का आतंक, दो लोगों को कुचलकर मारा

शुभम संदेश। गढ़वा

जिले में एक बार फिर जंगली हाथियों के झुंड ने आतंक मचाया है. इस झुंड ने दो लोगों को कुचल कर मार डाला है. इस घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है. वहीं ग्रामीणों का वन विभाग के प्रति काफी आक्रोश देखा जा रहा है. मृतकों के शव को लेने के लिए पुलिस और वन विभाग को ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा.चिनियां थाना क्षेत्र के चिरका गांव में रविवार रात एक बार फिर जंगली हाथियों का कहर गांव पर टूटा. देर रात हाथियों ने दो ग्रामीणों को बेरहमी से कुचल कर मार डाला है. मृतकों की पहचान प्रमिला देवी (उम्र 40 वर्ष) और सुधीर सोरेंग (उम्र 35 वर्ष) के रूप में हुई है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रमिला देवी घर से कुछ ही दूरी पर अपने प्रवासी पति से मोबाइल पर बात कर रही थी, तभी अचानक एक जंगली हाथी वहां आ धमका. प्रमिला देवी जान बचाकर भागने की कोशिश की लेकिन हाथी ने लपक कर उसे कुचल दिया. जहां उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. वहीं, पास के ही घर में सो रहे सुधीर सोरेंग को जब लगा कि कोई उसके कटहल के पेड़ को नुकसान पहुंचा रहा है. वह बाहर निकले, जहां हाथी ने उस पर भी हमला कर दिया और कुचल कर मार डाला. इस

बाघमारा महिला थाना में जेएलकेएम नेत्री और थानेदार ने एक -दूसरे को जड़ा थप्पड़

शुभम संदेश। बाघमारा

बाघमारा के महिला एवं बाल संरक्षण थाना में थाना प्रभारी वर्षा रानी और जेएलकेएम महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष भारती महतो के बीच रविवार को घंटों हाई वोल्टेज ड्रामा चला. लड़का लड़की के विवाद को लेकर पहले थाना प्रभारी और जिलाध्यक्ष में जम कर नोंक-झोंक हुई. जिसके बाद थाना प्रभारी ने जिलाध्यक्ष को थाना से बाहर निकाल कर थप्पड़ जड़ दिया. फिर क्या गुस्से से लाल पीला होते हुए जिला अध्यक्ष भारती ने भी महिला थाना प्रभारी वर्षा रानी को एक तमाचा लगा दिया. जिससे वहां उपस्थित लोग भौचक रह गए. खबर पाकर जेएलकेएम के वरीय नेता प्रदीप महतो सहित भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता थाना पहुंचे और हंगामा करना शुरू कर दिया. हंगामे की खबर पाकर कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह थाना पहुंचे और मामले की जानकारी लेकर महिला थाना प्रभारी और जिलाध्यक्ष में किसी तरह सुलह करवा कर मामले को खत्म करा दिया. बताया जाता है कि भारती देवी किसी लड़का लड़की के विवाद के मामले को लेकर महिला थाना पहुंची थी. घटना के संबंध में महिला जिला अध्यक्ष भारती महतो ने बताया कि लड़की की मां और भाभी को थाना बुलाकर सुबह से बैठाकर रखा गया था. जबकि लड़का को और उसके

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

आइये, खान व खनिज संपदा से परिपूर्ण लातेहार जिला के विकास में अपना सहयोग दें

आपका

एक शुभचिंतक, लातेहार

मुख्य सचिव अलका तिवारी का गिरिडीह दौरा

पर्यटन विकास को लेकर दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

शुभम संदेश। गिरिडीह

झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी दो दिवसीय दौरे पर गिरिडीह पहुंचीं हैं, जहां उन्होंने जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर क्षेत्र में पर्यटन विकास की संभावनाओं का गहराई से जायजा लिया. इस दौरान उनके साथ राज्य सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, गिरिडीह के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक तथा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे. अपने दौरे के पहले दिन मुख्य सचिव ने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व से जुड़े पारसनाथ पहाड़ (श्री सम्मेद शिखर) का दौरा किया, जो जैन धर्म के अनुयायियों के लिए एक अत्यंत पवित्र स्थल है. इसके पश्चात उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर उसरी जलप्रपात तथा साहसिक पर्यटन की संभावनाओं से युक्त खंडोली डैम का निरीक्षण किया.

मुख्य सचिव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि गिरिडीह जिला पर्यटन की दृष्टि से अपार संभावनाओं से भरा हुआ है, और राज्य सरकार इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने बताया कि आने वाले समय में इको-टूरिज्म, साहसिक पर्यटन और धार्मिक पर्यटन को केंद्र में रखते हुए व्यापक योजनाएं तैयार की जाएंगी. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटन स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाए, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए योजनाओं को क्रियान्वित किया जाए और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए. मुख्य सचिव के इस दौरे को गिरिडीह के पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है.

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

प्रदीप प्रसाद

सदर विधायक , हजारीबाग

ऊषा मार्टिन के एमडी राजीव झांवर ने कोर्ट में पासपोर्ट जमा किया

190 करोड़ आयरन ओर घोटाला

शुभम संदेश। रांची

190 करोड़ रुपये के चर्चित आयरन ओर खनन घोटाले से जुड़ी एक अहम अपडेट सामने आई है. ऊषा मार्टिन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) राजीव झावर ने कोर्ट में अपना पासपोर्ट जमा कर दिया है. हाल ही में वह विदेश यात्रा के लिए कोर्ट से पासपोर्ट लेकर बाहर गए थे।

मामला क्या है

यह घोटाला 2004-05 में पश्चिमी सिंहभूम जिले के घाटकुरी खदान के आवंटन से जुड़ा है, जिसे ऊषा मार्टिन को दिया गया था. आरोप है कि खदान के आवंटन में षड्यंत्र रचा गया और अनुमोदित सीमा से अधिक खनन कर 190 करोड़ रुपए का आर्थिक घोटाला किया गया.

अब तक की जांच का सिलसिला

सितंबर 2016: इस मामले में सीबीआई ने तत्कालीन खनन सचिव अरुण कुमार सिंह, ऊषा मार्टिन के एमडी राजीव झावर समेत कई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी.

2021: मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका को लेकर अलग से प्राथमिकी दर्ज की. 2023: सीबीआई ने अपनी जांच पूरी कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की. 2025: अब राजीव झावर द्वारा पासपोर्ट जमा किए जाने के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में है. सीबीआई और ईडी की कार्रवाई राजीव झावर इस पूरे मामले में सीबीआई और ईडी दोनों के आरोपी हैं. ईडी इस बात की भी जांच कर रही है कि घाटकुरी खदान से हुए अवैध खनन से अर्जित धन को किस तरह से सफेद किया गया.

शशि भूषण को बेल देने से हाईकोर्ट का इनकार

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले वर्ष हुई जेएसएससी सीजीएल परीक्षा से जुड़े पेपर लीक के मास्टरमाइंड शशि भूषण दीक्षित को बेल देने से इनकार कर दिया है. सोमवार को शशि भूषण की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी. शशि भूषण की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के विशेष लोक अभियोजक ने जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया. बता दें कि पेपर लीक गिरोह के सरगना संदीप त्रिपाठी उर्फ शशिभूषण दीक्षित को 28 मार्च को गिरफ्तार किया गया था. इसकी गिरफ्तारी गोरखपुर से हुई थी. उसके पास से जेएसएससी सीजीएल के कुछ परीक्षार्थियों के नाम की सूची, पैसा लेने से संबंधित डिजिटल साक्ष्य और गिरोह के अन्य सदस्यों से संपर्क होने से संबंधित साक्ष्य बरामद हुए थे.

रनजीनियर्स ग्रुप का टी-शर्ट हुआ लांच

रांची। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) सात समंदर पार मलेशिया तक मैराथन में भाग लेकर सुर्खियां बटोरने वाला जमशेदपुर रनजीनियर्स ग्रुप का टी-शर्ट सोमवार को लांच हुआ. आई 10 नामक प्रसिद्ध कंपनी का टी-शर्ट, जिसपर सभी धावकों का नाम अंकित है, सार्वजनिक किया गया. वहीं मलेशिया में आयोजित फुल मैराथन में भाग लेकर उम्दा प्रदर्शन करने वाले अरुपानंद महतो को सभी धावकों ने बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. उल्लेखनीय है कि जमशेदपुर रनजीनियर्स ग्रुप में शामिल धावक देश के विभिन्न हिस्से में आयोजित मैराथन में नियमित रूप से भाग लेकर उम्दा प्रदर्शन करते रहे हैं.

एक नजर

पंडरा में नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, अवैध होर्डिंग्स और अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

रांची। राजधानी के पंडरा बाजार समिति क्षेत्र में सोमवार को रांची नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. निगम के कार्रवाई के तहत फुटपाथ और सड़क पर अवैध रूप से लगे बोर्ड्स, होर्डिंग्स और कर बनाई गई दुकानों को जेसीबी से हटाया गया. सबसे पहले नगर निगम ने पूरे इलाके का निरीक्षण किया. इसके बाद अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी. इस दौरान अवैध तरीके से लगाए गए बैनर, टीन शेड को हटाया गया साथ ही दुकानों के आगे फैले हुए समान को भी हटाया गया. अतिक्रमण हटाने के दौरान नगर निगम की टीम के साथ ट्रैफिक पुलिस भी मौजूद थी. इस कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानों ने नाराजगी भी जताई. लेकिन उन्होंने लेकिन प्रशासन की सख्ती के आगे पीछे हटना पड़ा.

चडरी और पॉलिटेक्निक सब स्टेशन से जुड़े इलाकों में आज बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

रांची। विद्युत सब स्टेशन-रांची सदर से निकलने वाले 11 केवी चडरी फीडर में एक जुलाई को दोपहर दो बजे से चार बजे तक यूजी केबल से संबंधित कार्य किया जाएगा. इसलिए इस दौरान थड़पखना, एचबी रोड, चडरी, बीएसएनएल सहित विभिन्न मोहल्लों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी. यह जानकारी सोमवार को जिला प्रशासन की ओर से जारी की गई है. विद्युत सब स्टेशन शक्ति उपकेंद्र-पॉलिटेक्निक से निकलने वाले 11 केवी मेन रोड फीडर में भी एक जुलाई की सुबह 10.30 बजे से 12.30 बजे तक यूजी केबल से संबंधित कार्य किया जाएगा. इसलिए इस दौरान अंजुमन कॉलोनी, कोनका रोड, कोनका सीरमटोली, सेंट्रल स्ट्रीट, इमली टोला, चर्च कॉम्प्लेक्स, सैनिक मार्केट, बेलियर अपार्टमेंट, राज हॉस्पिटल, रोसपा टावर, कैपिटल हिल सहित विभिन्न इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी. इस संबंध में जिला प्रशासनिक की ओर से संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से बिजली से जुड़े जरूरी काम उक्त समय से पूर्व करने की अपील की गई है.

तीन दिवसीय सावन महोत्सव का आयोजन नौ जुलाई से

रांची। अग्रवाल सभा महिला समिति के तत्वावधान में आगामी नौ से 11 जुलाई तक महाराजा अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय सावन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम को लेकर पोस्टर का विमोचन किया गया. मेले में महिला उद्यमियों को मंच प्रदान कर उनके उत्पादों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा. यह जानकारी महोत्सव की संयोजिका अलका सरावगी ने सोमवार को दी. उन्होंने बताया कि अग्रवाल सभा महिला समिति पिछले 25 वर्षों से इस तरह के आयोजन के माध्यम से महिलाओं को प्रोत्साहित करती आ रही है.महोत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए सोमवार को अग्रसेन भवन में पोस्टर विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया. उन्होंने बताया कि मेले में विभिन्न राज्यों की कलाकृतियां, नवीनतम डिज़ाइन की राखियां, सलवार-सूट, कलात्मक साड़ियां, बेडशीट, अचार, पापड़, मुरब्बा सहित कई घरेलू और सजावटी सामग्री उपलब्ध रहेगी.

गुरुजी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए की गई चादरपोशी

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक अध्यक्ष शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने को लेकर सोमवार को रांची स्थित रिसालदार शाह बाबा की दरगाह पर विशेष चादरपोशी कर प्रार्थना की गई. मौके पर झामुमो नेता रमजान रज़ा ने कहा कि गुरुजी झारखंड की आत्मा हैं. हम सभी ने आज बाबा की मजार पर प्रार्थना कर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन झामुमो, राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की ओर से संयुक्त रूप से किया गया है. सबों ने शिबू सोरेन की कुशलता के लिए प्रार्थना की और भरोसा जताया कि झारखंडवासियों की सामूहिक प्रार्थना से गुरूजी जल्द स्वस्थ होकर लौटेंगे. कार्यक्रम में जुल्फीकार अली भुट्टो, इबरार रिज़वी, इरफ़ान, मोहम्मद नसीर, मोहम्मद चांद, मौलाना फज़लूल कादिर और मोहम्मद कलीम सहित कई लोग मौजूद थे.

गुरुजी से मिलने पहुंचे एडवोकेट जनरल, सीएम हेमंत सोरेन से ली स्वास्थ्य की जानकारी

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जेएमएम सुप्रीमो शिबू सोरेन (गुरुजी) के स्वास्थ्य का हालचाल जानने सोमवार को राज्य के महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) राजीव रंजन दिल्ली स्थित गंगाराम अस्पताल पहुंचे. उन्होंने वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन से मुलाकात कर गुरुजी की तबीयत को लेकर जानकारी ली. गुरुजी बीते कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं और दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है. उनके स्वास्थ्य को लेकर झारखंड के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चिंता बनी हुई है. हालांकि रविवार को खबर आई थी कि शिबू सोरेन ने 7 दिनों बाद आंखें खोली हैं और उनकी हालत स्थिर है.

भाजपा कार्यकर्ताओं को बनाया जा रहा निशानाः बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि आदिवासी समाज के भाइयों, विशेष रूप से भाजपा से जुड़े कार्यकर्ताओं को झामुमो-कांग्रेस गठबंधन की सरकार में लगातार निशाना बनाया जा रहा है. मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को लिखा है कि हमारे भाजपा परिवार के सदस्य खूंटी जिला निवासी बलराम मुंडा की नृशंस हत्या अत्यंत पीड़ादायक है. ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें. इस दुःखद घड़ी में प्रदेश भाजपा पूरी तरह से शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है. उन्होंने कहा है कि झारखंड पुलिस दोषियों को अविलंब गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें.

उपायुक्त और डीआईजी ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

रांची। संताल हूल दिवस पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सोमवार को कांके रोड स्थित सिद्धो-कान्हू पार्क में वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ न्याय और अधिकार के लिए वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की ओर से लड़ी गई लड़ाई हमारे लिए आदर्श हैं, उनके आदर्शों का अनुशरण करते हुए हमें समाज का निर्माण करना है. वहीं डीआईजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने भी वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें नमन किया.

झारखंड में लगातार हो रही बारिश से नुकसान पर है सरकार की नजर : मुख्यमंत्री

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि शुरुआत से ही बारिश की तीव्रता चिंता का विषय है. यह बदलाव पर्यावरण के दृष्टिकोण से हो रहे हैं. इन बदलावों से प्रभावित होने और नुकसान उठाने वाले लोगों पर सरकार की नजर है. मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से राज्यवासियों से कहा है कि मानसून की शुरुआत में ही झारखंड में हो रही लगातार बारिश चिंता का विषय है. बारिश के कारण प्रभावित होने और नुकसान उठाने लोगों के साथ सरकार खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता पहुंचाई जाएगी. उन्होंने कहा है कि झारखंड में मानसून अभी शुरू ही हुआ है और शुरुआत से ही बारिश की तीव्रता चिंता का विषय है। यह बदलाव पर्यावरण के दृष्टिकोण से हो रहे हैं. उल्लेखनीय है कि झारखंड में मानसून के शुरुआत से ही लगातार बारिश हो रही है, जिससे झारखंड के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं. ऐसी परिस्थिति में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोशल मीडिया के माध्यम एक वीडियो साझा कर राज्यवासियों को आश्वस्त किया है कि सरकार उन सभी लोगों के साथ खड़ी है, जो इस बारिश में प्रभावित हुए हैं. और वे सभी सरकार की निगरानी में हैं.

पासवा ने प्रतिभावान छात्रों और शिक्षकों को किया सम्मानित

शुभम संदेश। रांची

पासवा की ओर से गंगा प्रसाद बुधिया सरस्वती विद्यालय, मोरहाबादी में कक्षा 10 वीं के टॉपर्स विद्यार्थियों के लिए सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जीवन में हम सब कुछ कर सकते हैं, लेकिन स्कूल दोबारा नहीं जा सकते. वह समय बीत चुका होता है. स्कूल ही वह स्थान है जहां जीवन के पहले संस्कार, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों की नींव रखी जाती है. कार्यक्रम में 90 प्रतिशत या उसके आसपास नंबर लानेवाले छात्रों को सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम में हीना परवीन, माल्वी कुमारी पाहन, आशुतोष कश्यप, सोहेल अली, आयुष कुमार, अनन्या कुमारी, नितेश मुंडा,तान्या कुमारी, बबली कुमारी यादव,यश राज को सम्मीनित किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष कुमार झा, उप-प्रधानाचार्य आनंद कुमार मिश्रा, वरिष्ठ शिक्षिका पूजा ठाकुर ने स्कूल परिवार की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत किया. कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों को भी मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया.

सिदो-कान्हू के वंशजों पर लाठी चार्ज नहीं करेंगे बर्दाश्त : सुदेश

शुभम संदेश। रांची

आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि भोगनाडीह में सिदो–कान्हु के वंशजों और ग्रामीणों को शहीद स्थल पर पहुंचने से रोकने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल से शहीदों का अपमान हुआ है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने यह साबित कर दिया कि झामुमो अपने स्वार्थ के लिए सिदो–कान्हु के नाम का राजनीतिक इस्तेमाल करना चाहता है. क्या इसी दिन के लिए शहीदों ने बलिदान दिया था. उन्होंने कहा कि आजसू शहीदों के वंशजों पर लाठी चार्ज को बर्दाश्ता नहीं करेगा. सुदेश सिदो–कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद सोमवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लाठी–डंडे के जोर पर काम करना बंद करे और हूल के यथार्थ को समझने का प्रयास करे. उन्होंने कहा कि सरकार को हूल के मूल आधार को समझना पड़ेगा. क्या हम जल, जंगल और जमीन तथा झारखंडी अस्मिता को बचा पा रहे हैं.

हूल के मूल को स्थापित करने की कोशिश करें मुख्यमंत्री : सुदेश ने कहा कि यदि हेमंत सोरेन में राजनीतिक इच्छाशक्ति और क्षमता है तो उन्हें कोशिश करना चाहिए कि हूल के मूल को स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए. पार्टी प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि हूल पर सिर्फ राज्य सरकार या झामुमो का एकाधिकार नहीं है. जानकारी मिली है कि सिदो–कान्हु के वंशजों मंडल मुर्मू के नेतृत्व में वहां पहुंचे ग्रामीणों को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा लाठी चार्ज किया गया और आंसू गैस के गोले बरसाए गए, जो बर्दाश्त के योग्यो नहीं है. पार्टी नेता प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासियों की भावनाओं का सम्मान नहीं कर रही है. उन्होंने कहा कि पहले रांची में फ्लाईओवर मुद्दे पर आदिवासियों का दमन हुआ और अब भोगनाडीह में लाठीचार्ज किया गया है. उन्होंने कहा कि झामुमो का आदिवासी विरोधी चरित्र सामने आ गया है. इधर, पार्टी की ओर से पूरे राज्य में जिला स्तर पर हूल दिवस मनाया. मुख्य कार्यक्रम रांची के सिदो–कान्हु पार्क में हुआ, आजसू प्रमुख सुदेश महतो आजसू नेताओं के साथ भारी बारिश के बीच सिदो–कान्हु पार्क पहुंचे और माल्यार्पण किया. कार्यक्रम में पार्टी नेता हसन अंसारी, राजेंद्र मेहता, जिप अध्यक्ष निर्मला भगत सहित कई नेताओं ने भी माल्यार्पण किया.

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। रांची

हूल दिवस के अवसर पर सोमवार को रांची स्थित सिद्धो–कान्हो पार्क में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र फेडरेशनों के संयुक्त मंच की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में मजदूर, कर्मचारी, किसानों के प्रतिनिधि, छात्र–युवा कार्यकर्ता शामिल सहित अन्य शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत 1855 के हूल विद्रोह के महान योद्धाओं सिद्धो–कान्हो और अन्य शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई.

मौके पर वक्ताओं ने हूल विद्रोह को साम्राज्यवाद विरोधी, जमींदारी विरोधी, कंपनी राज विरोधी पहला सशस्त्र जनविद्रोह बताते हुए कहा कि आज फिर से सत्ता और पूंजी के गठजोड़ के खिलाफ, श्रमिकों और किसानों को उसी आत्मबल और एकता की जरूरत है. इसके बाद मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताओं की प्रतीकात्मक प्रतिलिपि को आग के हवाले किया गया. वक्ताओं ने कहा कि यह श्रम संहिताएं मज़दूरों को उनके ऐतिहासिक अधिकारों से वंचित कर, पूंजीपतियों के मुनाफे को संरक्षण देती हैं. यह नई औपनिवेशिक गुलामी थोपने का प्रयास है.

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह केवल कानून का दहन नहीं, बल्कि एक व्यापक आन्दोलन की चेतावनी है. यह संघर्ष हूल विद्रोह की विरासत को आगे ले जाने का प्रयास है. कार्यक्रम में नौ जुलाई को प्रस्तावित देशव्यापी मजदूर हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया गया. कार्यक्रम को एक्टू के शुभेंदु सेन, मोहन दत्ता, सीटू के अनिर्बान बोस, प्रतीक मिश्रा, एटक के सच्चिदानंद मिश्रा, किसान सभा के सुखनाथ लोहरा, बीरेंद्र कुमार, बेफी के केआर चौधरी ने संबोधित किया.

सुनील यादव की याचिका पर अगली सुनवाई 8 को

रांची। साहिबगंज में अवैध खनन के जरिए करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपित सुनील यादव की याचिका पर सोमवार को रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने ईडी को रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है. अब मामले में आदलत सुनील यादव की याचिका पर 8 जुलाई को सुनवाई करेगा. उल्लेखनीय है कि सुनील यादव ने रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में याचिका दायर की है. दायर याचिका में आग्रह किया गया है कि ईडी की ओर से उनके घर के जो सामान जब्त किए गए हैं, वह उन्हें वापस दिए जाए. क्योंकि एजेंसी ने जो सामान जब्त किए हैं, वह रोजमर्रा की जरुरी चीजें हैं. सुनील यादव जब ईडी की गिरफ्त से बाहर थे, तब एजेंसी ने उनके घर की कुर्की की थी. इस कुर्की में सुनील यादव के घर से बिस्तर, बैट्री, पंखा, कूलर और अलमारी सहित अन्य सामान जब्त किया गया था. इसे वापस लेने के लिए सुनील यादव ने कोर्ट में गुहार लगाई है.

जनहित के कार्यों को लेकर पूरी तरह समर्पित है हेमंत सरकार : दीपिका

शुभम संदेश। रांची

राज्य की ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा है कि झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार जनहित के कार्यों में पूरी तरह समर्पित है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार हर वर्ग के लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ दे रही है. मंत्री ने यह बातें सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कही.

उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना और सावित्रीबाई फुले छात्रवृत्ति योजना जैसे कल्याणकारी कार्यक्रम समाज के हर वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच रहे हैं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं. ये योजनाएं केवल राजनीतिक घोषणाएं नहीं, बल्कि जन-जीवन को बेहतर बनाने की ठोस पहल है. उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि गरीब, महिला, किसान और युवा आत्मनिर्भर बनें और उन्हें उनके अधिकार मिलें. मंत्री ने कहा कि किसानों को कर्ज माफी और बिजली बिल में राहत देने का निर्णय ऐतिहासिक है. इससे उन्हें आर्थिक संबल मिला है और खेती-किसानी को लेकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है. हमारी सरकार समाज के हर वर्गों को साथ लेकर चल रही है। विकास और न्याय हमारा संकल्प है. आने वाले समय में और भी योजनाएं शुरू की जाएंगी. ताकि, झारखंड के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंच सके.

पहल

समावेशी शिक्षा के तहत एडीआईपी-एसएसए योजना में एलिम्को, रांची के सहयोग से होगा आयोजन

दिव्यांग बच्चों के लिए लगेगा प्रखंडस्तरीय जांच शिविर, सहायक उपकरणों का होगा वितरण

- दो चरणों में चलेगा शिविर, पहले चरण की शुरुआत 3 जुलाई से
- जांच शिविर में दिव्यांगता का होगा आकलन, वितरण दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच
- बीआरपी, सीआरपी और शिक्षकों की भूमिका होगी अहम
- जांच में भाग लेने के लिए बच्चों को लाना होगा जरूरी दस्तावेज

शुभम संदेश। रांची

वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य के सभी प्रखंडों में दिव्यांग बच्चों के लिए जांच एवं सहायक उपकरण वितरण शिविरों का आयोजन किया जाएगा. यह आयोजन एडीआईपी-एसएसए योजना के तहत एलिम्को, रांची के सहयोग से किया जा रहा है. शिविर में दिव्यांगता का आकलन किया जाएगा और आवश्यकता अनुसार बच्चों को उपकरण प्रदान किए जाएंगे.योजना के तहत दो चरणों में शिविर आयोजित होंगे. पहले चरण के अंतर्गत 3 जुलाई से 19 सितंबर के बीच प्रखंड स्तरीय जांच शिविर आयोजित होंगे. इसके बाद दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा. एलिम्को की पांच विशेषज्ञ टीम इस कार्य में लगेंगी. शिविर से पहले प्रत्येक जिला और प्रखंड प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि सभी पात्र दिव्यांग बच्चों की भागीदारी हो सके. सभी 12 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उन्हें शिविर में लाने की जिम्मेदारी बीआरपी, सीआरपी और संबंधित विद्यालयों के शिक्षकों को दी गई है. प्रचार-प्रसार का कार्य शिविर तिथि से कम से कम दो सप्ताह पूर्व सुनिश्चित किया जाएगा. बच्चों को शिविर में लाते समय एक फोटोग्राफ, दिव्यांगता प्रमाण पत्र की छायाप्रति, यूडीआईडी कार्ड या रजिस्ट्रेशन नंबर, आधार कार्ड, और आय प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा. जिन बच्चों के पास आय प्रमाण पत्र नहीं है, वे इसे ग्राम प्रधान या संबंधित पदाधिकारी से बनवा सकते हैं. यदि किसी बच्चे का दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है, तो विद्यालय प्रमुख, समग्र शिक्षा अभियान के प्रतिनिधि, एलिम्को अधिकारी और सरकारी चिकित्सक की संयुक्त टीम अस्थायी रूप से प्रमाण पत्र जारी कर सकती है.

फर्जीवाड़ा उजागर हो, कोचिंग संस्थानों के लिए बने सख्त नियमः अजय राय

रांची। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने राज्य में कोचिंग संस्थानों की फर्जी उपलब्धियों और भ्रामक प्रचार पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई करने के साथ ही साथ पारदर्शी नियमावली बनाने की मांग की है. उन्होंने कहा कि कई कोचिंग संस्थान प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल छात्रों के नाम और तस्वीरों का दुरुपयोग कर झूठा प्रचार कर रहे हैं, जिससे छात्रों और अभिभावकों को गुमराह किया जा रहा है. उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी मंच से ऐसे आरोप लगाए जाते हैं, तो निष्पक्ष जांच और सार्वजनिक खुलासा भी होना चाहिए. बिना पुष्टि के आरोप लगाने और फिर चुप्पी साध लेने से शिक्षा के क्षेत्र में भ्रम और अविश्वास की स्थिति पैदा होती है. राय ने कहा कि राज्य में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों की कार्यप्रणाली, फीस ढांचा, शिक्षकों की योग्यता और परीक्षाफल की जानकारी उनकी वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध होनी चाहिए. साथ ही, सफल छात्रों की सूची की जांच एक स्वतंत्र एजेंसी या राज्य शिक्षा विभाग द्वारा की जानी चाहिए, ताकि झूठे दावों पर रोक लग सके. उन्होंने सुझाव दिया कि एक स्वतंत्र निगरानी प्राधिकरण का गठन किया जाए, जो हर वर्ष संस्थानों की समीक्षा करे और फर्जीवाड़ा पाए जाने पर संबंधित संस्थानों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए.

केंद्र सिदो- कान्हू के नाम पर देवघर एयरपोर्ट का नामकरण करे : कमलेश

शुभम संदेश। रांची

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने देवघर एयरपोर्ट का नाम राज्य के वीर सपूतों के नाम पर करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि जिस तरह कोलकाता एयरपोर्ट का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पटना का जयप्रकाश नारायण ओडिशा के दो मुख्य हवाई अड्डों का नाम बीजू पटनायक और वीर सुरेंद्र साई के नाम पर रखा गया है. उसी तरह संथाल परगना में बने देवघर हवाई अड्डे का नाम वहां के वीर सपूतों के नाम पर होना चाहिए. प्रदेश अध्यक्ष सोमवार को कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि वक्फ बिल संशोधन के मामले में भाजपा समाज में मतभेद पैदा करने और बांटने एवं नफरत फैलाना चाहती है. वक्फ बिल मुस्लमानों को उनके व्यक्तिगत कानूनों और संपति अधिकारों से वंचित करने का एक हथियार है. यह बिल संविधान पर हमला है. यह कदम सिर्फ मुस्लमानों को निशाना बनाकर किया जा रहा है, लेकिन भविष्य में इसका इस्तेमाल अन्य समुदायों के खिलाफ भी किया जाएगा. यह बिल संविधान में दिए गए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर कब्जा करना चाहती है. गृहमंत्री ने लोकसभा में वक्तव्य दिया था वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं हो सकती थी , जो सरासर झूठ था. वक्फ एक्ट 1995 की धारा 83 (9) के तहत हाईकोर्ट में अपील की जा सकती है.इससे यह साफ पता चलता है कि यह बिल मुस्लिम समाज के खिलाफ एक राजनीतिक एजेंडा है. संविधान की धारा 26 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन सरकार मुस्लमानों के धार्मिक स्थलों को निशाना बना रही है.

ब्रीफ न्यूज

लातेहारमें जिमखाना का उदघाटन है आज

लातेहार। एक जुलाई को चतरा सांसद कालीचरण सिंह व लातेहार विधायक प्रकाश राम संयुक्त रूप से जिला स्टेडियम के पास भारत माता भवन मे नव निर्मित जिमखाना का उदघाटन करेंगे. इस आशय की जानकारी सांसद प्रतिनिधि अमलेश कुमार सिंह ने दी.श्री सिंह ने बताया कि सांसद दोपहर तीन बजे जिमखाना का उदघाटन करेगें. इस मौके पर भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं के अलावा आम लोगों से भाग लेने की अपील की है. सांसद प्रतिनिधि श्री सिंह ने कहा कि जिमखाना लातेहार के लोगों के लिए एक सौगात है. उन्होंने इसका लाभ उठाने की अपील नगर वासियों से की.

उत्पाद विभाग शराब दुकानों को करेगा टेकओवर

लातेहार व पलामू में कल से नहीं मिलेगी शराब!

आज से जिले में बंद रहेंगी शराब की दुकानें

लातेहार। लातेहार जिले में कुल 23 खुदरा शराब दुकानें हैं. उत्पाद अधीक्षक रंजन तिवारी ने बताया कि इन सभी दुकानों का संचालन मानव प्रदाता एजेंसी केएस मल्टीफैसिलिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के कर्मियों के द्वारा किया जा रहा था. उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि उक्त मानव प्रदाता एजेंसी की सेवा अवधि 30 जून 2025 को समाप्त हो रही है. एक जुलाई से दुकानो मे बचे स्टॉक एवं उपस्करों का हैंडओवर व टेक ओवर की प्रक्रिया उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, लातेहार एवं मानव प्रदाता एजेसी केएस मल्टीफैसिलिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के बीच होगा. ऐसे में जिले मे संचालित सभी 23 खुदरा शराब दुकानों का संचालन एक जुलाई से हेंडओवर व टेकओवर की प्रक्रिया समाप्ति तक बंद रहेगा. इसमें दो-तीन दिन लग सकता है.जिसमें सबसे अधिक शराब दुकानें मेदिनीनगर के इलाके में मौजूद है. बिहार से सटे हुए हरिहरगंज और हुसैनाबाद में बड़े पैमाने पर शराब की बिक्री होती है.

पलामू में 79 शराब की दुकानों में सन्नाटा

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

पलामू के इलाके में मंगलवार से शराब नहीं मिलेगी. पलामू में 79 शराब की दुकानें है जिन्हें झारखंड स्टेट ब्रिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड सभी शराब दुकानों को टेकओवर करेगी. यह प्रक्रिया अगले तीन से चार दिनों तक चलेगी. इस कारण शराब की दुकानें बंद रहेगी.

झारखंड में शराब दुकानों का संचालन निजी कंपनी के द्वारा किया जाता रहा है.30 जून तक ही कंपनी के साथ एमओयू था. सरकार द्वारा आदेश नहीं मिलने के बाद सभी शराब दुकानों को टेकओवर करने की प्रक्रिया झारखंड स्टेट ब्रिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से शुरू कर दी गई है.इस संबंध में पलामू के उत्पाद अधीक्षक संजीत देव ने बताया कि सभी शराब दुकानों को टेकओवर किया जा रहा है. अगले तीन से चार दिनों तक यह प्रक्रिया चलेगी.

टेकओवर करने के बाद शराब दुकानों का संचालन शुरू किया जाएगा. सरकार द्वारा निर्देश नहीं मिलने के बाद सभी दुकानों को टेकओवर किया जा रहा है. प्रक्रिया खत्म होने या अगले आदेश तक शराब की दुकान बंद रहेगी.आपको बता दें कि पलामू जैसे इलाके में शराब की खपत बड़े पैमाने पर होती है.

विभागीय आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में पलामू के इलाके में 108 करोड़ रुपए की शराब की खपत हुई है. त्योहार और विशेष अवसरों पर पलामू में दो करोड़ रुपये की शराब खपत हो जाती है. पलामू में 79 शराब की दुकानें हैं. जिसमें सबसे अधिक शराब दुकानें मेदिनीनगर के इलाके में मौजूद है. बिहार से सटे हुए हरिहरगंज और हुसैनाबाद में बड़े पैमाने पर शराब की बिक्री होती है.

एक नजर

आजसू ने हूल दिवस पर वीर शहीदों को याद किया

लातेहार। हुल दिवस के मौके पर 30 जून को आजसू पार्टी के जिला कार्यालय, लातेहार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमीत पांडेय ने की. कार्यक्रम का शुभारंभ सिद्धो-कान्हो के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया.जिलाध्यक्ष अमित पांडेय ने कहा कि सिद्धो-कान्हो जैसे महान आदिवासी योद्धाओं ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ 1855 का आंदोलन किया था. उन्होने जिस साहस और एकता के साथ आंदोलन छेड़ा वह आज भी प्रेरणास्रोत है.हुल आंदोलन ने देश की आज़ादी की नींव रखी और हमें अपनी संस्कृति और अधिकारों के लिए लड़ने की प्रेरणा दी.श्री पांडेय ने कहा कि आजसू पार्टी सिद्धो-कान्हो के बलिदान को कभी नहीं भूलेगी और उनके दिखाए रास्ते पर चलते हुए जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करती रहेगी. कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष बिट्टू दास, प्रखंड अध्यक्ष अमर उरांव, प्रखंड सचिव श्याम प्रसाद सतेंद्र भगत अंकित कुमार यादव, रवि शंकर शर्मा, पप्पू विश्वकर्मा व अख्तर हुसैन आदि मौजूद थे.

हूल दिवस पर चलानी किला में श्रद्धांजलि सभा

मेदिनीनगर। हुल दिवस के अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा व राजा मेदिनीराय तीरंदाज एकेडमी के तत्वावधान में शाहपुर स्थित ऐतिहासिक चलानी किला में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत क्रांति के महानायक सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव व फुलो-झानो को माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर की गई. दीप प्रज्वलन के बाद वक्ताओं ने वीर शहीदों के पदचिन्हों पर चलकर सामाजिक व सांस्कृतिक विरासत को संजोने का संकल्प लिया.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोर्चा के केन्द्रीय संयोजक सतीश कुमार ने कहा कि हमारे वीरों ने अपनी जान की बाजी लगाकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया और आजादी की नींव रखी. जिलाध्यक्ष दाऊद केरकेट्टा ने हुल दिवस को महाजनी प्रथा के विरुद्ध एक जनक्रांति बताया.इस मौके पर शंखनाथ सिंह, धर्मेंद्र चंद्रवंशी, राजू प्रजापति, प्रदीप सिन्हा, आयुष कश्यप समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

आरागुंडी पंचायत में वीर शहीदों को किया गया नमन

लातेहार। लातेहार सदर प्रखंड के आरागुंडी पंचायत में हूल दिवस के अवसर पर ग्रामीणों ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया. इस अवसर पर ग्राम वासियों ने सरना स्थल में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की और वीर शहीदों की स्मृति में सामूहिक रूप से प्रार्थना की.मौके पर गांव के महतो सुरेंद्र उरांव ने कहा कि हूल दिवस संथाल विद्रोह की स्मृति में हर वर्ष मनाया जाता है. सिद्धो-कान्हो मुर्मू जैसे वीर सेनानियों ने 1855 में ब्रिटिश शासन और ज़मींदारी प्रथा के खिलाफ संघर्ष किया था.आरागुंडी पंचायत के ग्रामीणों ने इस दिवस को जनजागरण और प्रेरणा के रूप में लिया. कार्यक्रम के अंत में स्थानीय बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हूल विद्रोह के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं से इसकी प्रेरणा लेने की अपील की. मौके पर उपस्थित सुरेंद्र उरांव, सिकंदर उरांव, रोमन कुमारी, संजू देवी, शिलामणि देवी, मनीष उरांव, सरिता देवी, सीतिया देवी, सुधनी देवी समेंत बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला, युवा और बुजुर्गों ने हिस्सा लिया.

शिविर में ग्रामीणों ने लिया योजनाओं का लाभ

लातेहार। जनजातीय गौरव वर्ष के अवसर पर धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत सदर प्रखंड के आरागुंडी पंचायत सचिवालय में एक विशेष जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया.कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज तिवारी, पंचायत के मुखिया रवि भगत, रोजगार सेवक उपेंद्र कुमार, पंचायत सचिव मनीष कुमार सहित अन्य अतिथियों ने सामुहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. बीडीओ मनोज कुमार तिवारी ने कहा कि जनजातीय गौरव वर्ष के अवसर पर चलाए जा रहे धरती आबा जन भागीदारी अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदाय को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें योजनाओं से सीधे जोड़ना है. उन्होंने कहा कि सरकार का सोचना है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे. बीडीओ ने ग्रामीणों से अपील की कि वे सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और जागरूक नागरिक बनें.

कांफ्रेंस में शामिल हुए मुस्लिम यूथ कमेटी के सदस्य

बालूमाथ (लातेहार)। मुस्लिम यूथ कमेटी की ओर से रविवार के अहले सुबह पटना के गांधी मैदान में आयोजित वक्फ बचाओ दस्तूर बचाओ कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए दर्जनों युवक का काफिला बस एवं छोटी गाड़ियों से बालूमाथ स्थित जामा मस्जिद परिसर से रवाना हुई.बताते चले की पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम वक्फ बचाओ दस्तूर बचाओ कॉन्फ्रेंस पटना के गांधी मैदान में आयोजित होनी थी. जिसे लेकर बालूमाथ मुस्लिम यूथ कमेटी के मो इमरान,मो मिनतुल्लाह,मो शाहनवाज,मो तौफीक,हाजी आफताब आलम,मो नौशाद,उस्मान सनम,मौलाना जुबैर, मो जुल्फिकार, हाफिज मो शाहबाज,रिंकू खान सहित कई लोग पटना पहुंचकर कॉन्फ्रेंस को सफल बनाने का प्रयास किया .

मुहर्रम को लेकर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

महुआडांड़ (लातेहार)। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी विपिन कुमार दुबे ने की. इस दौरान थाना प्रभारी मनोज कुमार ने कहा कि त्योहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं और जुलूस के दौरान निर्धारित रूट चार्ट का पालन करें. अनावश्यक रूप से डीजे का प्रयोग वर्जित रहेगा.सर्किल इंस्पेक्टर पीर मोहम्मद ने कहा कि मोहर्रम गम का त्योहार है, इसे पारंपरिक ढंग से ही मनाया जाए. किसी भी तरह की गड़बड़ी की सूचना तुरंत प्रशासन को दें. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शिवपूजन बहेलिया ने महुआडांड़ की गंगा-जमुनी तहजीब की सराहना करते हुए कहा कि यहां सदैव शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाए जाते हैं. अनुमंडल पदाधिकारी दुबे ने अखाड़ों को रूट चार्ट का लाइसेंस लेने की सलाह दी ताकि व्यवस्था सुचारु बनी रहे. बैठक में प्रखंड प्रमुख कंचन कुजूर, बीडीओ संतोष बैठा, जिप सदस्य स्तेला नगेसिया सहित कई पदाधिकारी व मोहर्रम कमेटी के सदस्य उपस्थित थे.

झामुमो ने हूल दिवस पर शहीदों को किया याद

मेदिनीनगर। हूल दिवस पर झामुमो के जिला कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने की. श्री सिन्हा के अलावा मौके पर मौजूद झामुमो के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव,फूलो-झानो और अन्य वीर शहीदों तथा वीरांगनाओं के संघर्ष और शहादत को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. जिलाध्यक्ष श्री सिन्हा ने झारखंड की इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई से पहले संथाल में हूल विद्रोह के हमारे वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत और महाजनों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ तथा जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी अस्मिता की मशाल जलाई थी. कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय समिति सदस्य संजीव तिवारी,सन्नु सिद्दीकी,सुशीला मिश्रा, वरिष्ठ नेता सुनील तिवारी,सचिव रंजन चंद्रवंशी, रमेश सिंह,अनुराग सिंह,देवानंद भारद्वाज, राकेश सिन्हा,संतोष मिश्रा,दीपू चौरसिया,अशफर रब्बानी, अविनाश देव,अखिलेश कुमार सिंह, शाहनवाज उर्फ बबलू,विशाल सिन्हा, अल्ताफ राइन,रंजीत सिंह,मन्नत बग्गा,नन्हे खान राजिया नियाजिया, मंजू देवी, रंजन चंद्रवंशी, धीरेंद्र उरांव आदि उपस्थित थे.

पलामू में 12 हजार सदस्य बनाएगी अभाविप : रामाशंकर

मेदिनीनगर। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 15 जुलाई से 15 अगस्त तक सदस्यता अभियान चलाएगा. इस अभियान को लेकर स्थानीय गणपति धर्मशाला में परिषद की कार्यशाला आयोजित हुई. कार्यशाला में सदस्यता के लिए विभिन्न कॉलेजों व प्रखंड स्तर पर टोली का गठन किया गया. इससे पूर्व कार्यशाला का उद्घाटन विभाग संयोजक रामाशंकर पासवान, जिला कला मंच के प्रमुख अंकित लाल व उत्कर्ष नंद ने किया. रामाशंकर पासवान ने बताया कि विद्यार्थी परिषद पूरे साल भर छात्र हित के लिए सक्रिय रहती है. महाविद्यालय से लेकर समाज में छात्रों एवं समाज के हित और हक के लिए लड़ाई लड़नी है. इस वर्ष पूरे जिले में 12000 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है. नगर मंत्री उत्कर्ष तिवारी ने बताया कि सदस्यता अभियान के निमित्त व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा. दीवार लेखन सहित अन्य तरीकों से प्रचार प्रचार करने का लक्ष्य रखा गया है. मौके पर नगर सह मंत्री कौशल मिश्रा, गगन सिंह, कॉलेज अध्यक्ष किसलय दुबे, सूरज उपाध्याय, अंकित लाल, राज कुमार, नीतीश कुमार, ऋतिक उरांव आदि उपस्थित थे.

नहीं रहे सेवानिवृत्त शिक्षक श्याम बिहारी तिवारी

मेदिनीनगर। सदर मेदिनीनगर प्रखंड अंतर्गत बड़कागांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक श्याम बिहारी तिवारी(85) का निधन हो गया. वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. दाह संस्कार बड़कागांव स्थित अमानत नदी तट पर किया गया. उनके बड़े बेटे अरविन्द तिवारी ने उन्हें मुखाग्नि दी. वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं. स्व. तिवारी एक सफल शिक्षक होने के साथ कुशल कलाकार भी थे. गायन कला में माहिर होने के साथ वे ढोलक व डुग्गी बजाने में भी पारंगत थे. अपने जमाने में उन्होंने अनेक सामाजिक-धार्मिक नाटकों का निर्देशन भी किया था. मृदुल स्वभाव व सामाजिक जुड़ाव के कारण उनके निधन से इलाके में शोक की लहर है. उनके निधन पर शिक्षक समुदाय के साथ समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है.

महापुरुषों के आदर्श पर चलकर ही राज्य का विकास होगा

मेदिनीनगर। हुल दिवस पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा ने कचहरी परिसर के ताईद शेड में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया. गोष्ठी की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. सर्वप्रथम सिद्धों-कान्हू व चांद-भैरव की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई. मोर्चा अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि सिद्धों-कान्हू व चांद-भैरव जैसे वीर सपूतों ने 30 जून 1855-56 को अंग्रेजी हुकूमत के शोषण दमन अन्याय अत्याचार के खिलाफ विगुल फूंका था. मिंटू तिवारी ने सिद्धों कान्हु की जीवनी पर प्रकाश डाला व शहीदों के आदर्शो को अपनाने की अपील की. मौके पर राजेश रंजन, गोपाल चौधरी, गणेश चंद,मोहमद जुबेर,जलील अंसारी,संजय मिस्त्री,मनोज सिंह,अजीत कुमार,उमेश पांडे ने भी अपने विचार व्यक्त किए.

बर्खास्त 251 अनुसेवकों ने बहाली की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद पलामू के बर्खास्त 251 अनुसेवक चतुर्थवर्गीय पद पर हो रही बहाली में समायोजन की मांग को लेकर लगातार आन्दोलन कर रहे हैं. इसी कड़ी में सोमवार को पलामू समाहरणालय परिसर में प्रदर्शन किया और उपायुक्त कार्यालय के समक्ष सामूहिक रूप से आत्मदाह करने की चेतावनी दी.

25 और 26 जून को बर्खास्त अनुसेवकों ने समाहरणालय परिसर में ही धरना दिया था और समायोजन के साथ साथ एक मार्च से एक मुश्त वेतन भुगतान की मांग की थी. मांगों की पूर्ति नहीं होने पर इच्छामृत्यु की मांग की थी. आत्मदाह की चेतावनी दी थी. मांगों को लेकर सोमवार को एक बार फिर सारे बर्खास्तकर्मी राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से मुलाकात की.

अनुसेवकों का आरोप है कि मंत्री ने सीधे तौर पर अपना पल्ला झाड़ लिये, जबकि पिछले दिनों वित्त मंत्री ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया था कि कैबिनेट की बैठक में 251 बर्खास्त अनुसेवकों को समायोजित करते हुए सरकार पुनर्विचार याचिका दायर करेगी, लेकिन ऐसा अबतक नहीं हुआ।मंत्री से वार्ता सार्थक नहीं होने पर सारे कर्मी समाहरणालय में जमा हुए और प्रदर्शन किया. सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गयी. एक सप्ताह के भीतर मांगों पर विचार नहीं करने पर सामूहिक रूप से डीसी कार्यालय के सामने आत्मदाह करने की चेतावनी दीं. उन्होंने कहा कि नौकरी से हटाए जाने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हो गयी है और बेटी-बेटा की शादी, बच्चों की पढाई, परिवार चलाने का खर्च सहित अन्य जरूरी कार्य नहीं कर पा रहे हैं.

कर्मियों ने कहा कि उपायुक्त पलामू की ओर से निकाले गए चतुर्थवर्गीय पद पर बहाली रद्द करने के लिए वित्त मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने संयुक्त बयान जारी किया था. मुख्यमंत्री ने ट्वीट भी किया था. मुख्य सचिव और कार्मिक सचिव को पत्र जारी करने के लिए निर्देश दिया था, लेकिन आज तक कोई पत्र जारी नहीं हुआ. बर्खास्तकर्मियों को गुमराह किया जा रहा है. बहाली में परीक्षा शुल्क लिया जा रहा है, जबकि किसी तरह की कोई परीक्षा नहीं होनी है. प्रदर्शन में विकास कुमार, विवेका शुक्ला, रामप्रकाश, सुरेन्द्र सिंह, ददन कुमार, अरूणजय कुमार साव, सुशील कुमार, मंटू बैठा, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, विनय कुमार, शशिकांत कुशवाहा, मुकेश ठाकुर, सुधाकर दुबे, गीता देवी, सरीता देवी, स्वस्ती, शोभा सहित अन्य शामिल थे.

16 हजार हेक्टेयर में धान और मक्के की बुआई का लक्ष्य: डीएओ

शुभम संदेश । लातेहार

इस साल जिले में धान की 14000 हेक्टेयर और मक्का दो हजार हेक्टेयर में बुआई का लक्ष्य रखा गया है. जबकि अरहर पांच सौ हेक्टेयर, उरद 250 हेक्टेयर, मूंगफली 133 हेक्टेयर और मूंग दाल की 50 हेक्टेयर में बुआई करने का लक्ष्य रखा गया है. इस आशय की जानकारी जिला कृषि पदाधिकारी (डीएओ) अमृतेश सिंह ने दी. उन्होने कहा कि इस साल मानसून समय पर आ गया है. अभी तक सामान्य से अधिक वर्षा हो चुक है. जिले के लगभग सभी इलाकों के चैक डैम, नाला, तालाब और डोभा आदि में लबालब भर चुका है. उन्होने किसानो से खेती में जुट जाने की अपील की. डीएओ ने बताया कि कृषि विभाग भी किसानों को बीज उपलब्ध कराने को लेकर सक्रिय हो गया है. खरीफ की बुआई के लिए मुख्य फसल धान-मक्का सहित दलहन व तिलहन का लक्ष्य जिले के लिए तय कर दिया है. उन्होने किसानो से खेती के आधुनिक विधि अपनाने की अपील की. कहा कि इससे कम लागत में अधिक पैदावार होती है. श्री सिंह ने किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर अपने क्षेत्र के कृषक मित्र या फिर कृषि विभाग कार्यालय में संपर्क करने की अपील की. कहा कि सरकार किसानो की आय दुगनी करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है. किसानों के लिए कई प्रकार की योजनाये चलायी जा रही है. किसान उन योजनाओ का लाभ ले सकते हैं.

कानू समाज ने समारोह में टॉपरों को किया सम्मानित

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

सदर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह स्थित लावण्या मेरेज हॉल में अखिल भारतीय कानू महासंघ ने शिक्षा सम्मान सह मोटिवेशनल कार्यक्रम का आयोजित किया. कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों द्वारा कंगाली बाबा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया.

समारोह में मैट्रिक, इन्टर, स्नातक, डिप्लोमा, नीट, जेईई 2025 में सफल अभ्यर्थियों को शील्ड, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर तथा इस वर्ष नौकरी प्राप्त करने वाले कानू समाज के लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को अलग-अलग संकाय के मोटीवेशनल वक्ताओं ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरके इंटरप्राइजेज चियांकी के अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षा सफलता की वह कुंजी है जो सफलता के सभी द्वार खोल देती है.

मौके पर विशिष्ठ अतिथि इंजीनियर संतोष कुमार, परमेश्वर साव, बशिष्ठ प्रसाद, राजेश कुमार, महेन्द्र प्रसाद, विजय साव, प्रदीप साव, चन्द्रशेखर प्रसाद, संतोष कुमार, हरिद्वार साव, विपिन विहारी प्रसाद,मुरारी प्रसाद, वीरेन्द्र गुप्ता, प्रमोद साव, रामबहादुर साव समेत काफी संख्या में कानू समाज के लोग उपस्थित थे.

आक्रोश | घटिया सड़क निर्माण की खुली पोल, पहली बारिश में रोड धंसा

हाईवा ट्रक समेत 2 करोड़ का ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त

शुभम संदेश । बरवाडीह

लाखों रुपये की लागत से बनी लेदगाई पैरा लिंक रोड की घटिया गुणवत्ता ने रविवार रात एक बड़ा हादसा करा दिया. रेलवे टीआरडी विभाग के टीएसएच के लिए हाईवा ट्रक (एन एल 01ए एफ 3284) से ट्रांसफॉर्मर ले जाया जा रहा था. जैसे ही वाहन लेदगाई मोड़ के पास पहुँचा, बरसात से नरम पड़ी अस्थायी भरावट धँस गई और दाहिना पिछला पहिया सड़क में समा गया.

चालक ने कड़ी मशक्कत की पर ट्रक निकाल न सका. भारी बारिश और रात का समय देख वह वाहन-ट्रांसफॉर्मर वहीं छोड़ कर चला गया. सड़क सतह लगातार धँसती रही और कुछ ही घंटों में हाइवा बगल की खाई में जा पलटा. ग्रामीणों ने बताया कि उक्त सड़क पिछले वर्ष द्रुत ग्रामीण पथ योजना के तहत लगभग 2 से 3 किमी लंबाई में बनाई गई थी. लेकिन निर्माण के दौरान बेस-लेयर में उचित डस्ट की भरावट और रोलिंग नहीं की गई. नतीजा पहली ही भारी बारिश ने परतें खोल दीं. लाखो रुपए की ट्रांसफॉर्मर को नुकसान, रेलवे ने गठित की जांच टीम टीआरडी विभाग के सहायक इंजीनियर ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर की कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये है. शुरुआती निरीक्षण में तेल टैंक फटने व कॉइल झुकने के संकेत मिले हैं. रेलवे ने संवेदक तथा उसकी गुणवत्ता नियंत्रण टीम से संयुक्त रिपोर्ट तलब की है.

सड़क निर्माण एजेंसी को भी नोटिस भेजने की तैयारी ग्रामीण विकास विभाग कर रहा है. बरवाडीह के जिला परिषद सदस्य कन्हाई सिंह ने कहा की यह खुला भ्रष्टाचार है. ठेकेदार का भुगतान रोक कर उसे ब्लैकलिस्ट किया जाए. उन्होंने पीडब्ल्यूडी को 15 दिन में सड़क की मरम्मत व दुर्घटना स्थल पर स्थायी बैरियर लगाने की मांग की.

मापन जांच तकनीकी टीम आज से जीपीएस आधारित प्रोफाइल सर्वे करेगी. एफआईआर पर विचार सरकारी संपत्ति क्षति अधिनियम के तहत ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज हो सकता है. ट्रांसफॉर्मर रेस्क्यू 200 - टन क्रेन के जरिए सोमवार की देर शाम तक वाहन सीधा कर ट्रांसफॉर्मर सुरक्षित स्थान पर रखा गया है. कड़ी निगरानी और त्वरित मरम्मत नहीं हुई, तो लेदगाई सड़क अगले मॉनसून में और जानलेवा साबित हो सकती है.

हाथियों के हमले से क्षतिग्रस्त घरों को मुआवजा देने की मांग

बालूमाथ (लातेहार)। जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने धाधू ग्राम के पूरनापानी टोले में जंगली हाथियों द्वारा हुए नुकसान का मुआवजा अविलंब देने की मांग वन विभाग से की है. शनिवार रात 12 हाथियों के झुंड ने दो घरों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और फलों के बगीचे को नुकसान पहुंचाया. अनीता देवी ने पीड़ित परिवारों से मिलकर हालात का जायजा लिया. ग्रामीणों ने जलमीनार से जल आपूर्ति न होने व सड़क निर्माण नहीं होने की शिकायत की, जिस पर जिप उपाध्यक्ष ने समाधान का आश्वासन दिया. मौके पर धनबाद के बलियापुर के अंचल अधिकारी सह जिप उपाध्यक्ष पति प्रवीण कुमार सिंह, समाजसेवी सुरेश सिंह, महावीर उरांव, महेंद्र उरांव एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

ब्रीफ न्यूज

जंगल में हाथी का विचरण ग्रामीणों में दहशत का माहौल

जयनगर (कोडरमा). प्रखंड क्षेत्र के कटिया पंचायत अंतर्गत मनीडीह, झलकडीह और घरोंजा पंचायत के मुसौवा सहित आस पास गांव के समीपवर्ती जंगलों में पिछले दो दिनों से एक जंगली हाथी के विचरण से ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है. ग्रामीणों के अनुसार, हाथी लगातार खेतों और पगडंडियों के आसपास घूम रहा है, जिससे लोग खेतों में काम करने या जंगल की ओर जाने से कतरा रहे हैं. ग्रामीणों ने बताया कि हाथी के आक्रमण का डर इतना बढ़ गया है कि लोग सुबह-शाम शौच या चारा काटने के लिए भी जाने से डर रहे हैं.वन विभाग की टीम हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है .

गिद्दी सी इंटर कॉलेज में शोक सभा का आयोजन

गिद्दी। किसान मजदूर इंटर कॉलेज गिद्दी सी में सोमवार को शोकसभा का आयोजन किया गया। इसमें कॉलेज कर्मियों ने भू-दाता बिंदेश्वर महतो के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर शोक प्रकट किया। बिंदेश्वर महतो के निधन पर राज्य सभा सांसद खीरू महतो, विधायक निर्मल उर्फ तिवारी महतो, सचिव बैजनाथ मिस्त्री, लखीमनी बाला, प्राचार्य डॉ डालेश चौधरी, प्रो० शारदा चौधरी, अरुण कुमार, चंदन झा, जया भारती, परमेश्वर गंझु, प्रमोद प्रसाद आदि ने शोक व्यक्त किया है.

गिद्दी अस्पताल कर्मियों ने स्वच्छता अभियान चलाया

गिद्दी। आदर्श क्षेत्रीय अस्पताल गिद्दी में सोमवार को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया. इस दौरान अस्पताल कर्मियों ने श्रमदान करके अस्पताल परिसर और अगल बगल में साफ सफाई की. इस स्वच्छता अभियान में सीसीएल अरगड्डा क्षेत्र के एसओपी मो फैयाजुल हक, कार्मिक प्रबंधक राजीव कुमार, मनीष अंबष्टा, डॉ ज़ेडआई खान, डॉ संजू यादव, रजत जायसवाल, सतीश चौधरी, कौशिक दत्ता सहित अस्पताल कर्मी उपस्थित थे. इसके बाद स्वच्छता को लेकर संदेश दिया.

आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने मनाया हूल दिवस

गिद्दी। आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने सोमवार को रेलीगढ़ा दोतल्ला में हुल दिवस मनाया. कार्यक्रम के शुरुआत में आदिवासी संघर्ष मोर्चा के नेताओं कार्यकर्ताओं ने सिद्धु कान्हु के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया के शहिदों को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दिया. मुख्य अतिथि आदिवासी संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक देवकीनंदन बेदिया, आरडी मांझी, भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य बसंत कुमार, भुनेश्वर बेदिया, धनेश्वर तुरी, हजारीबाग जिला सचिव पच्चू राणा, रामगढ़ जिला सचिव हीरा गोप उपस्थित थे. अध्यक्षता आदिवासी संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक सोहराय मांझी और संचालन तालो मांझी और जयबीर हंसदा ने की.

रामगढ़ पुलिस ने धनबाद से आरोपी को किया गिरफ्तार

रामगढ़। रामगढ़ थाने में दर्ज कांड संख्या 145/25 में अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने धनबाद से गीता देवी पति जय साव को गिरफ्तार किया गया है। रामगढ़ पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार गीता देवी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मालूम हो रांची रोड के एक व्यवसायी से 75 से 80 लाख रुपए की ठगी के मामले में रामगढ़ थाने में कांड दर्ज किया गया था। जानकारी के अनुसार गीता देवी के बैंक के खाते में भी ठगी के 4.5 लाख रुपए जमा कराए गए थे.

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर नहीं रहने का लगाया आरोप

सर्पदंश से वृद्ध महिला की मौत,लोगों में आक्रोश

शुभम संदेश ।सतगावां

थाना क्षेत्र के ग्राम नावाडीह में सोमवार की सुबह सर्पदंश से एक वृद्ध महिला की मौत हो जाने का मामला सामने आया है. मिली जानकारी के मुताबिक नावाडीह निवासी 60 वर्षीय महिला रुकमणी देवी पति-स्व०प्रकाश शर्मा को सुबह में घरेलू कार्य के दौरान जहरीले सांप ने काट लिया, जिससे उसकी तबियत बिगड़ने लगी.

तबियत बिगड़ते देख परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से आनन फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां लाया गया, लेकिन ड्यूटी पर एक भी चिकित्सक नहीं रहने के कारण करीब आधे घंटे के बाद वृद्ध

महिला की मौत हो गयी.इस घटना से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है.

आक्रोश जताते हुए स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि श्रीकांत यादव व ग्रामीण अखिलेश कुमार तथा पिंटू कुमार आदि ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार से की है.साथ ही ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले चिकित्सक पर कार्रवाई की मांग की है.परिजनों व ग्रामीणों के मुताबिक वृद्ध महिला का समय पर उपचार किया जाता तो शायद उसकी जान बच सकती थी।बवहीं इस घटना से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है.पूरे गांव में मातम छा गया है.वहीं चिकित्सक के ड्यूटी से गायब रहने के आरोप पर पूछे जाने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामाशीष चौधरी ने बताया कि ड्यूटी मेरी थी, लेकिन कोर्ट में मेरी गवाही के कारण मेरे अनुपस्थिति में डॉ. सीरीन बानों ड्यूटी पर थी.

जयनगर में सर्पदंश से महिला अचेत

जयनगर (कोडरमा)। तिलैया डैम ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरिया गांव में सोमवार की अहले सुबह एक महिला सर्पदंश का शिकार हो गई.महिला की पहचान सिमरिया गांव निवासी 60 वर्षीय मूर्ति देवी, पति पच्चू यादव के रूप में हुई है.घटना को लेकर महिला के परिजनों ने बताया कि सोमवार की सुबह वह अपने गौशाले में गोबर उठा रही थी कि अचानक वहां पर एक सांप आया और इन्हें डस लिया, जिसके पश्चात इन्हें आनन फानन में कोडरमा सदर अस्पताल लाया गया.जहां चिकित्सकों ने इन्हें एन्टी वेनॉम इंजेक्शन लगाया.हालांकि इनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने के कारण इन्हें रिम्स (रांची) रेफर कर दिया गया है.

जहरीली खुखड़ी खाने से पांच लोग बीमार

केरेडारी। केरेडारी प्रखण्ड के लोचर गांव में खुखड़ी खाने से एक ही परिवार के पांच लोग बीमार हो गए. जिसमें लोचर गांव निवासी महावीर महतो उम्र लगभग 60 वर्ष, उनकी पत्नी बेधनी देवी उम्र 55, पुत्र रबिन्द्र कुमार(45)बहु शोभा कुमारी उम्र 40एवं रविन्द्र के नानी सास इटखोरी निवासी चमेली देवी शामिल है. इस बाबत महावीर महतो ने बताया कि हम खेत में धान के बीज बोने गए थे. उसी क्रम में खेत के बगल में खुखड़ी देखे और उठा लिया. उसके बाद घर लाकर बना कर सभी परिवार खाये,खाने के दो घंटे बाद सभी को चक्कर आने लगा एवं साथ ही उल्टी व दस्त शुरू हो गया.

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि, बोले सांसद मनीष जायसवाल

यह दिन हमारे नायकों के प्रति सम्मान का प्रतीक

शुभम संदेश।हजारीबाग

हूल दिवस के अवसर पर हजारीबाग के सिद्धो-कान्हू चौक पर एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई.

इस अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, झामुमो नेता फागू बेसरा, सीपीआई नेता गणेश सीटू, भाजपा नेत्री फुलवा कच्छप, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष रमेश हेंब्रम, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू सहित कई राजनीतिक व सामाजिक नेता उपस्थित रहे. मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि देश की आज़ादी में झारखंड के असंख्य वीरों ने बलिदान दिया, जिन्हें हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि सिद्धो-कान्हू जैसे योद्धाओं ने जिस न्यायपूर्ण और स्वतंत्र भारत का सपना देखा था, हमें उसी दिशा में कार्य करते रहना है. यह दिन न केवल हमारे इतिहास की याद दिलाता है, बल्कि हमारे मूल्यों, नायकों और संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक भी है. इस दौरान सभी ने वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके बलिदान को याद करते हुए जयकारे लगाए. इस आयोजन में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक परिधानों में शामिल हुए. वे अपने साथ तीर-धनुष, कुल्हाड़ी और वृक्ष लेकर पहुंचे, जो उनके सांस्कृतिक गौरव और पर्यावरण के प्रति गहरे जुड़ाव को दर्शाता है. यह दृश्य प्रकृति, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम के समन्वय का प्रतीक बन गया. आदिवासी समाज ने इस आयोजन के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया कि वे न केवल अपने पूर्वजों की वीरता को याद रखते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी अपने कर्तव्य का हिस्सा मानते हैं.

हूल दिवस पर डीसी ने दी सिद्धो-कान्हू को श्रद्धांजलि

शुभम संदेश । हजारीबाग

हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने पीडब्ल्यूडी चौक स्थित वीर सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. यह स्थल आदिवासी समाज के दो महान सपूतों की वीरता और बलिदान का प्रतीक है, जिन्होंने 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ ₹हूल विद्रोह₹ का नेतृत्व किया था. इस मौके पर जिले के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक भी उपस्थित थे. कार्यक्रम में उत्साह और गौरव का माहौल देखने को मिला. उन्होंने यह भी कहा कि हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि यह दिन हमें सामाजिक एकता, समरसता और स्वतंत्रता के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है. आज के दिन हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो जैसे महानायकों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें. कार्यक्रम के दौरान आमजन को हूल विद्रोह और देश की आजादी में आदिवासी समाज के योगदान की जानकारी दी गई. ₹हूल दिवस₹ को गरिमामय रूप से मनाते हुए आज के युवाओं को इतिहास से जुड़ने और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया.

भाजपा ने किया गांव जन चौपाल का आयोजन

रामगढ़ । भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ कैंट मंडल में हूल दिवस पर गांव जन चौपाल लगाया गया. इस दौरान भाजपा रामगढ़ कैंट मंडल के वार्ड नंबर 4 कुंवर टोला में कार्यक्रम हुआ. गांव जन चौपाल लगाकर प्रधानमंत्री मोदी के किए गए कार्यों की जानकारी दी गई. मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ.कार्यक्रम की सफलता को लेकर प्रभारी प्रो संजय प्रसाद सिंह बनाए गए थे. वक्ताओं ने कहा कि ऐतिहासिक संथाल आंदोलन की याद में 30 जून को सम्मान और जुनून के साथ हर जगह हूल दिवस मनाया जाता है. इस दिन 1855 को सिद्धू मुर्मू और कानू मुर्मू के नेतृत्व में हजारों संथाल भगनाडीही मैदान में एकत्र हुए थे.उन्होंने कोलकाता की ओर सामूहिक मार्च शुरू किया था. इसके बाद संथाल विद्रोह एक ऐतिहासिक विद्रोह के रुप में विख्यात हुआ. इसी को सम्मान देने के लिए हर साल 30 जून को हूल क्रांति दिवस मनाया जाता है. ब्रिटिश सेना के सिपाहियों की गोलीबारी में सिद्धू की जान चली गई और 23 फरवरी 1856 को कानू को भोगनाडीह के पास पंचकठिया बरगद के पेड़ पर फांसी दे दी गई. संचालन केंद्र मंडल के महामंत्री ऋषिकेश सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मंडल की उपाध्यक्ष बृजेश पाठक ने किया. हूल दिवस एवं जन चौपाल कार्यक्रम में रमेश करमाली, इला रानी पाठक, जिला महामंत्री विजय जायसवाल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शीतल सिंह, ओबीसी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल, राजेश ठाकुर, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील पासवान, महेंद्र पांडे, अमित कुमार ठाकुर, संजय अग्रवाल, रवि गुप्ता आदि मौजूद थे.

प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए : ओझा

शुभम संदेश ।झुमरी तिलैया

भारत विकास परिषद झुमरी तिलैया कोडरमा की एक आम बैठक रविवार को बचपन प्ले स्कूल असनाबाद परिसर में आयोजित की गई.बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अरुण कुमार ओझा तथा संचालन सचिव विमल कुमार पचीसिया ने किया.बैठक में मुख्य रूप से पर्यावरण संरक्षण, परिषद के स्थापना दिवस एवं नए सदस्य बनाने पर विशेष रूप पर चर्चा की गई.बैठक में पर्यावरण कैसे ठीक रखा जाए एवं अधिक से अधिक पौधारोपण को लेकर चर्चा की गई. साथ ही वैसे जगह को चिन्हित करने का निर्णय लिया गया, जहां पर पौधारोपण किया जा सके और उसे बड़ा होने तक देखभाल की जा सके.इसके लिए एक टीम बनाई गई.वही पौधारोपण करने के लिए नगर परिषद एवं जिला प्रशासन को हर संभव सहयोग करने का कोई निर्णय लिया गया. इसके अलावा अड्डी बांग्ला दुर्गा मंडप प्रांगण, ब्लॉक स्थित तालाब परिसर, विश्राम बाग में पौधारोपण जल्द से जल्द करने का निर्णय लिया गया गया.इसके अलावा बैठक में भारत विकास परिषद का स्थापना दिवस 12 जुलाई को बीआर इंटरनेशनल स्कूल चाराडीह में मनाने का निर्णय लिया गया. मौके पर भारत को जानो एवं समूह गान प्रतियोगिता को ससमय कराने का भी निर्णय लिया गया.इसके लिए भी एक टीम का गठन किया गया. बैठक के दौरान झुमरीतिलैया शहर को जाम से निजात दिलाने, स्वच्छ एवं सुंदर रखने को लेकर जिला प्रशासन, खासकर उपयुक्त ऋतुराज, एसडीओ रिया सिंह एवं नगर परिषद के प्रशासक अंकित गुप्ता एवं सिटी मैनेजर लेवांशु कुमार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई. मौके पर सुरेश जैन, मधुसूदन दारूका, नारायण सिंह, प्रोफेसर कैलाश राणा, कुंज बिहारी त्रिवेदी, धर्मेंद्र सिंह, संतोष कुमार सिंह, कैलाश चौधरी, छोटेलाल पांडे, अजय अग्रवाल, मनोज कुमार सिंह, संजय अग्रवाल, कुलबीर सलूजा, जयंती सेठ, जूही दास गुप्ता, अभय चरण पहाड़ी, तेज नारायण ओझा, असीम तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

एचडीसीए की एजीएम से पूर्व तैयारियों को लेकर की बैठक

शुभम संदेश।हजारीबाग

हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ (एचडीसीए) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम), जो आगामी 9 जुलाई को प्रस्तावित है, उससे पहले सोमवार को संघ के अध्यक्ष एवं स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई. यह बैठक खजांची तालाब के समीप संघ से जुड़े वरिष्ठ सदस्य अनिल अग्रवाल के आवास पर आयोजित की गई.

बैठक में एचडीसीए की सीनियर कोर कमेटी के सदस्य एवं पदाधिकारी शामिल रहे, जिनमें प्रमुख रूप से विकास चौधरी, प्रमोद कुमार, आशीष चौधरी, अनिल अग्रवाल, रणजीत सिंहा और बंटी तिवारी उपस्थित थे. सभी सदस्यों ने आगामी एजीएम की रूपरेखा, आयोजन की तैयारियां, और उससे संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया. इस मौके पर अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने एजीएम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली और आयोजन को सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने हेतु कई निर्देश दिए. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एजीएम संघ की पारदर्शिता और कार्यक्षमता को दर्शाने का महत्वपूर्ण अवसर है, जिसे हर स्तर पर सफल बनाना जरूरी है. यह बैठक एजीएम की तैयारियों को अंतिम रूप देने और उसे सफल बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है.

भारी बारिश से कई लोगों का कच्चा मकान गिरा

रामगढ़। रजरप्पा कोयलांचल क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है. जिस कारण क्षेत्र का जन जीवन पूरी तरह से अस्त - व्यस्त हो गया है. वहीं क्षेत्र में कई लोगों के कच्चा मकान भी ध्वस्त हो गया. साथ ही कई पेड़ पौधे की भी गिरने की सूचना है. बारिश के कारण क्षेत्र में लगातार कई घंटे तक विद्युत आपूर्ति ठप रही. जानकारी के अनुसार भारी बारिश से चितरपुर कुर्मी टोला निवासी संजोती देवी पति गुलू चौधरी, ममता देवी पति कृष्णा चौधरी, आशा देवी पति सुलेंद्र चौधरी, बबीता देवी पति स्व जगरनाथ चौधरी सहित कई लोगों का खपरैल मकान गिर कर ध्वस्त हो गया. जिससे अब इनके परिवार के समक्ष रहने को लेकर विकट स्थिति उत्पन्न हो गयी है. कई परिवार किराया के मकान में रहने को मजबूर है. पीड़ित परिवारों ने संबंधित विभाग से मुआवजा और आवास योजना का लाभ देने की मांग की है.

काउंसलिंग | ग्रिज़ली विद्यालय में सीयूईटी काउंसलिंग का आयोजन संपन्न

छात्रों को कोर्स विकल्प व करियर की मिली जानकारी

शुभम संदेश ।कोडरमा

ग्रिज़ली विद्यालय में कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुजीत कुमार उपस्थित थे, जो डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग में प्रोफेसर हैं और तीन दशकों से अधिक का शैक्षणिक अनुभव रखते हैं.

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. कुमार को पौधा भेंट कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने सी.यू.ई.टी. पंजीकरण की प्रक्रिया, इस वर्ष के नए बदलाव, पाठ्यक्रम चयन और करियर विकल्पों पर विस्तृत

जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पंजीकरण दो चरणों में होगा पहला, अकादमिक व व्यक्तिगत विवरण भरना जिसमें एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज का सही उल्लेख करना जरूरी है.

दूसरा, सीयूईटी के बाद यू.जी. प्रोग्राम के लिए आवेदन. इस वर्ष कुल 74,000 सीटें उपलब्ध हैं।डॉ. कुमार ने बताया कि बीएमएस, बैचलर इन फाइनेंस, बीएसडब्ल्यू. बीएफए., बीए म्यूजिक जैसे पाठ्यक्रमों में बेहतर करियर संभावनाएं हैं.

उन्होंने बी.एड. इन एलीमेंटरी एजुकेशन जैसे कोर्स को भी विदेशों में उच्च वेतन वाली नौकरियों के लिए उपयुक्त बताया. साथ ही, उन्होंने कहा कि सीएसएएस विकल्प भरने में सावधानी बरतनी चाहिए.,

सीयूईटी के लिए उन्हीं विषयों का चयन करें जो 11वीं–12वीं में पढ़े गए हों।उन्होंने छात्रों को मोबाइल से आवेदन नहीं करने की सलाह दी और बताया कि सभी प्रक्रिया ऑनलाइन संभव है। बैंकिंग, हेल्थकेयर, आईटी और रिटेल जैसे वोकेशनल कोर्स को भी रोजगार के अच्छे विकल्प बताया. कार्यक्रम का संचालन प्रसून ने किया और प्रश्नोत्तर सत्र में आर्यन, शीतल कुमारी, अभिषेक कुमार सिंह, दीपिका कुमारी सहित अन्य विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछे. कार्यक्रम में वरिष्ठ समन्वयक जितेन्द्र चौधरी, विजय कुमार सिंह, एस.के. जायसवाल, संतोष कुमार, दीप्तिमा मिश्रा सहित शिक्षकगण उपस्थित थे।समापन पर सीईओ प्रकाश गुप्ता ने डॉ. सुजीत कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और धन्यवाद ज्ञापन सुधांशु कुमार ने किया.

एक नजर

केरेडारी थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

केरेडारी। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर केरेडारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड के वरीय पुलिस पदाधिकारी सीओ रामरतन कुमार वर्णवाल ने की, जबकि संचालन एसआई टिंकू कुमार सिंह ने किया. बैठक में मुस्लिम समुदाय सहित हिन्दू समुदाय के कई बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और आम नागरिक शामिल हुए. सभी ने एक स्वर में मुहर्रम पर्व को भाईचारे और शांति के साथ मनाने का संकल्प लिया. साथ ही, विधि-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया गया. बैठक में उपस्थित अधिकारियों में बीडीओ विवेक कुमार, इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी विवेक कुमार, एसआई टिंकू कुमार सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे. इसके अतिरिक्त जनप्रतिनिधियों में जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि निरंजन साव, समाजसेवी अमित कुमार दुबे, चंद्रिका रजक, चोलेश्वर साह, बैद्यनाथ महतो, मो. महमूद, मो. अंजर, जलील मियां, रामेश्वर साव, अयूब अंसारी, अब्दुल अजीज, सुनील राज सिंह उर्फ शेर सिंह समेत दोनों समुदायों के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे. बैठक सौहार्द और आपसी सहयोग की भावना के साथ संपन्न हुई, जिसमें स्थानीय प्रशासन और समाज के सभी वर्गों ने त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की प्रतिबद्धता जताई.

कोडरमा पुलिस ने तीन मवेशी तस्करों को दबोचा

कोडरमा। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि बिहार से कोडरमा थाना क्षेत्र के रास्ते अवैध रूप से मवेशियों की तस्करी की जा रही है. सूचना के आधार पर थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर कार्रवाई की गई. टीम ने मेधातरी स्थित शेरे हिन्द ढाबा के पास वाहन जांच अभियान चलाया. जांच के दौरान दो बोलेरो पिकअप वाहन को रोका गया, जिनमें कुल 18 मवेशी (14 गाय व 4 बछड़े) अवैध रूप से लदे पाए गए. मौके से तीन तस्करों – मकसूद खान (रोहतास), राकेश कुमार (अरवल), व साबिर कुरैशी (रोहतास) को गिरफ्तार किया गया.कोडरमा थाना में कांड संख्या 111/25, दिनांक 30.06.2025, के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है. बरामद मवेशियों और जब्त वाहनों को सुरक्षित रखा गया है. इस छापेमारी में पुअनि सुधीर कुमार व सशस्त्र बल के जवान भी शामिल थे. पुलिस ने कहा कि पशु तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा.

शिबू सोरेन जल्द जीतेंगे ज़िंदगी की जंग: कुणाल यादव

हजारीबाग। झारखंड आंदोलन के पुरोधा और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की तबीयत को लेकर पूरे राज्य में चिंता का माहौल है. वे बीते कुछ दिनों से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं, जहां शुरू में उनकी हालत गंभीर बताई जा रही थी. हालांकि अब खबर है कि उनकी सेहत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, जो उनके समर्थकों के लिए बड़ी राहत की बात है. इस खबर से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा देखी जा रही है. इस बीच झामुमो नेता कुणाल यादव ने भावुक बयान देते हुए कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा हैं. वे जल, जंगल और ज़मीन की लड़ाई लड़ने वाले एक सच्चे योद्धा हैं जिन्होंने हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी. कुणाल यादव ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि वे इस बार भी ज़िंदगी की जंग जरूर जीतेंगे और स्वस्थ होकर हमारे बीच लौटेंगे.

दहशत में स्वर्ण व्यवसाई, सांसद ने उठाए सुरक्षा पर सवाल

हजारीबाग। शहर में लगातार बढ़ते आपराधिक घटनाओं ने स्वर्ण व्यवसाइयों और अन्य बड़े व्यापारियों में डर का माहौल पैदा कर दिया है. 22 जून को सदर थाना क्षेत्र स्थित 'श्री ज्वेलर्स' पर अज्ञात अपराधियों द्वारा की गई 7 राउंड फायरिंग के बाद दो और स्वर्ण व्यवसाइयों को मोबाइल और व्हाट्सएप के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी गई है, साथ ही 10 लाख रुपये की लेवी की मांग की गई है. इससे पूरे व्यापारिक समुदाय में भारी दहशत फैल गई है और वे अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं. इस मामले को लेकर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने दो बार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से मुलाकात कर स्वर्ण व्यवसाइयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है. सोमवार को स्वर्ण व्यावसायिक संघ ने भी सांसद के साथ मिलकर पुलिस अधीक्षक से भेंट की और उन्हें पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया.पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि सभी धमकियों को गंभीरता से लेते हुए विशेष पेट्रोलिंग टीम का गठन किया गया है और इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है. साथ ही, सभी धमकी वाले मामलों की जांच के लिए एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) गठित की गई है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और व्यवसाइयों को पूरी सुरक्षा दी जाएगी. वहीं सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग में गिरती कानून व्यवस्था पर गहरी चिंता जताई है. जिला प्रशासन का कहना है कि आमजन की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं और व्यापारियों को डरने की आवश्यकता नहीं है.

भैरवी नदी में डूबे युवक का शव तेनुघाट से बरामद

रामगढ़ । रजरप्पा स्थित भैरवी नदी में तीन दिन पूर्व डूबे युवक का शव तेनुघाट डैम से बरामद किया गया है. नदी में डूबने के बाद से ही लगातार रजरप्पा पुलिस द्वारा खोजबीन की जा रही थी. पहले दिन मछुआरों एवं गोताखोरों की मदद से उसके शव को ढूंढने का प्रयास किया गया. शव नही मिलने बाद दूसरे दिन से पुलिस द्वारा एनडीआरएफ की मदद ली गई. एनडीआरएफ टीम की मदद से युवक का शव सोमवार को तेनुघाट डैम से बरामद करने में सफल हुई. जिसके बाद युवक के क्षत विक्षत शव को अनुमंडल अस्पताल तेनुघाट में पोस्टमार्टम कराया गया. पोस्टमार्टम के बाद युवक के शव को उनके परिजनों को सौंप दिया गया. इस बाबत थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने कहा कि तीन दिनों के अथक प्रयास के बाद भैरवी नदी में डूबे युवक शशि कुमार का शव तेनुघाट डैम से बरामद किया गया है. पोस्टमार्टम के बाद शव को महिला के परिजनों को सौंप दिया गया है.

पतरातू डैम का फाटक खोलने को लेकर अलर्ट जारी

रामगढ़। संपदा पदाधिकारी शेष परिसंपत्ति पीटीपीएस पतरातु द्वारा जानकारी दी गई है कि लगातार बारिश के चलते नलकारी जलाशय (पतरातू डैम) का जल स्तर बढ़ रहा है. इसके जल्द ही अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुँचने की सम्भावना है. इस स्थिति में डैम की सुरक्षा के मद्देनजर डैम का फाटक किसी भी समय खोलना पड़ सकता है. इसे लेकर उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने सभी संबंधित अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने, लोगों को नदियों के आसपास न जाने को लेकर जानकारी देने का निर्देश दिया. साथ ही उपायुक्त ने जिले में लगातार हो रही वर्षा के मद्देनजर सभी जिले वासियों से नदियों अन्य जल स्रोतों के समीप नहीं जाने, नदियों के आसपास रहने वाले लोगों को ऊंचाई पर जाने की अपील की है.

ब्रीफ न्यूज

ऑटो ने पीसीआर वैन को टक्कर मारी, तीन घायल

लातेहार। रेलवे स्टेशन रोड पर सोमवार सुबह लगभग साढ़े दस बजे एक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए. झूलन पेट्रोल पंप के पास एक ऑटो ने पुलिस की पीसीआर वैन को पीछे से टक्कर मार दी. इस हादसे में ऑटो चालक बसंत कुमार (40) और उसमें सवार दो महिलाएं, मनीता कुमारी (22) व राजमणि देवी (32), घायल हो गईं. सभी घायलों को तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है. पीसीआर वैन (जेएच-19 बी-0718) अपनी नियमित गश्त पर थी, तभी पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रही ऑटो (जेएच-01-एफएच-8962) ने पीसीआर वैन को टक्कर मारी.

झारखंड में चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा का ऐतिहासिक चुनाव संपन्न

किशोर बने प्रदेश अध्यक्ष, आकाश बने युवा प्रदेश अध्यक्ष

शुभम संदेश । लोहरदगा

अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा, झारखंड प्रदेश का बहुप्रतीक्षित संवैधानिक चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ. पूरे प्रदेश को 10 सेक्टरों में बांटकर गुप्त मतदान के माध्यम से चुनाव कराया गया, जिसमें मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.

महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों ने बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग किया.प्रदेश अध्यक्ष पद पर लोहरदगा निवासी व राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक किशोर कुमार वर्मा ने भारी बहुमत से जीत दर्ज की, जबकि युवा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर धनबाद के आकाश चंद्रवंशी निर्वाचित हुए. चुनाव परिणाम की घोषणा रांची के पहाड़ी स्थित चंद्रवंशी भवन में राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद, राष्ट्रीय चुनाव आयुक्त सुरेंद्र सिंह, प्रदेश प्रभारी सुबोध कुमार व रांची जिला प्रभारी प्रेम वर्मा की उपस्थिति में की गई. राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद ने निष्पक्ष और ऐतिहासिक चुनाव के सफल आयोजन पर खुशी जताई और नव-निर्वाचित नेताओं को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि किशोर कुमार वर्मा के नेतृत्व में झारखंड चंद्रवंशी समाज संगठित होकर नई ऊंचाइयों को छुएगा. राष्ट्रीय चुनाव आयुक्त सुरेंद्र सिंह ने लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न चुनाव को समाज के लिए मील का पत्थर बताया.नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष किशोर कुमार वर्मा ने कहा कि वे शिक्षक हैं और समाज में शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता फैलाकर भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का कार्य करेंगे. रांची जिला प्रभारी प्रेम वर्मा ने कहा कि यह चुनाव झारखंड चंद्रवंशी समाज के लिए एक 'उगते सूरज' के समान है.लोहरदगा के केतकी पैलेस में चुनाव को लेकर भारी उत्साह देखा गया. समाज के लोगों ने एकजुट होकर अपने प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाया. इस अवसर पर डॉ. पिंटू, धनंजय चंद्रवंशी, सुनील सिंह, सत्येंद्र वर्मा, गुंजन वर्मा, राजा वर्मा, विक्रम वर्मा समेत सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे.

एक नजर

चोरी की बाइक सहित पांच चोर गिरफ्तार, गया जेल

गुमला । वाहन जांच अभियान में फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर का पकड़े गए बाइक के चालक की निशानदेही पर टोटो पुलिस ने चोरी का बाइक खरीद बिक्री के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार सभी अभियुक्तों में पास से पुलिस ने चोरी का पांच बाइक भी जब्त किया है. टोटो थाना में कांड दर्ज करते हुए पांचों बाइक चोर को पुलिस ने सोमवार को जेल भेज दिया. गुमला थाना में प्रेस कांफ्रेंस में एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने कहा कि एसपी के निर्देश पर टोटो थाना क्षेत्र में एसआई उदेश्वर पाल के नेतृत्व में रविवार को संतोषी मंदिर के समीप वाहन जांच किया जा रहा था. वाहन जांच में टीवीएस स्पोको रोक कर पूछताछ किया गया. पूछताछ में बाइक नंबर फर्जी पाया गया और चालक ने अपना नाम मुंतजीर अंसारी पंसो गुमला बताया और गांव के ही आदम से बाइक खरीदने की बात कही. मुंतजीर के निशानदेही पर पुलिस ने आदम अंसारी, कोटाम निवासी सुल्तान अंसारी, कोटाम के ही परवेज आलम और अमीर अंसारी को गिरफ्तार किया. इनके पास से बरामद सभी वाहन चोरी के निकले. एसडीपीओ ने बताया कि सुल्तान अंसारी और परवेज अंसारी का गुमला थाना में कांड संख्या 125/2022 के तहत जेल जा चुके हैं. प्रेस वार्ता में इंस्पेक्टर महेंद्र कुमार करमाली, उद्देश्वर पाल, मंगल टुडू, हेमा देवी, विनय कुमार आदि शामिल थे.

सौतन की हत्या मामले में पति-पत्नी गए जेल

गुमला । सिसई बस्ती में रिजवाना परवीन की मौत मामले में पुलिस ने त्वरित अनुसंधान करते हुए उसकी सौतन अफसाना खातून और पति शमशाद अंसारी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया. जानकारी के अनुसार मृतक रिजवाना परवीन शमशाद अंसारी का तीसरी पत्नी थी. शमशाद के दूसरी पत्नी को सौतन नागवार गुजर रहा था. शनिवार की रात आटा गूंथने को लेकर उत्पन्न विवाद और पहले से गुस्सा के कारण शमशाद की दूसरी पत्नी ने अपने पति से मिलकर बीते शनिवार की रात बसुला कुलहाड़ी से वार कर तथा दुपट्टा में गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी. हत्या के बाद छत से उतरने के दौरान सीढ़ी में गिरने की कहानी बना दिया और इलाज के दौरान मौत होने की उसके मायके वालों को जानकारी दी गई. मृतक रिजवाना के भाई रिजवान अंसारी के बयान पर कांड संख्या 77 दर्ज करते हुए पुलिस ने अनुसंधान आरंभ किया. गहन पूछताछ में शमशाद अंसारी और उसकी दूसरी पत्नी ने हत्या की घटना में अपनी संलिप्ता स्वीकार किया. पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया. उनके पास से पुलिस ने काला रंग का दुपट्टा, ग्रे रंग का सलवार शूट खून लगा हुआ, टांगीनुमा बसुला को जब्त किया है. प्रेस कांफ्रेंस में थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह आदि शामिल थे.

ट्रक की चपेट में आने से स्कूल संचालक के बेटे की मौत

लोहरदगा । लोहरदगा-गुमला मुख्य मार्ग पर लोहरदगा शहरी क्षेत्र के मुख्य चौराहा पावरगंज के पास मालवाहक ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार सेवानिवृत्त सरकारी कर्मी चंदन भारती की मौत घटनास्थल पर हो गई. इस दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. साथ ही पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्रवाई कर रही है. मृतक की पहचान शहर के संजय गांधी पथ निवासी तेसर केंद्र से सेवानिवृत्त सरकारी कर्मी (वर्तमान में गिरवर शिशु सदन विद्यालय के संचालक) रामवल्लव भारती के पुत्र चंदन भारती के रूप में हुई. बताया जाता है कि सोमवार सुबह चंदन भारती सब्जी लेने मोटरसाइकिल से बाजार जा रहे थे. इसी क्रम में लोहरदगा के रास्ते घाघरा की ओर जा रही मालवाहक ट्रक ने मोटरसाइकिल में सवार चंदन भारती नामक व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया. जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई. इस घटना की जानकारी मिलने के बाद स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. वहीं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है.

बगड़ू थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

किस्को/लोहरदगा। आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर बगड़ू थाना में शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी नरेश कुमार यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में आपसी भाईचारा कायम रखते हुए पर्व मनाने और निर्धारित रूट चार्ट पर ही जुलूस निकालने पर सहमति बनी.थाना प्रभारी यादव ने कहा कि मोहर्रम त्याग और बलिदान का पर्व है, इसे गंगा-जमुनी तहजीब के साथ मनाएं. किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अफवाह की सूचना तुरंत थाना को दें. जुलूस और मेला स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी. उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी और कानून हाथ में लेने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.बैठक में क्षेत्र के प्रबुद्धजनों ने विश्वास दिलाया कि पूर्व की भांति इस बार भी मोहर्रम शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा. बैठक में एएसआई कैलाश रजक, इमरान खान, मीर अजहरूद्दीन, मनीष कुजूर, इसरार अहमद, वसीम अकरम, शहदेव उरांव समेत सभी गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

कांग्रेस ने मनाया हूल दिवस, सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन में हूल दिवस का आयोजन जिला अध्यक्ष सुखैर भगत की अध्यक्षता में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत हूल क्रांति के जनक सिद्धू-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हुई. इसके बाद विचार गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें कांग्रेसजनों ने हूल विद्रोह के महत्व और सिद्धू-कान्हू के योगदान पर विचार रखे.जिला अध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि हूल दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि शोषण के खिलाफ आदिवासी समाज की पहली क्रांति की गूंज है, जो 1855 में भोगनाडीह की धरती से उठी थी. कार्यक्रम में शकील अहमद, नेसार अहमद, मोहन दुबे, रीना भगत, आलोक साहू, प्रकाश उरांव समेत कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज का संगठनात्मक चुनाव 13 जुलाई को

गुमला : छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज गुमला जिला कमेटी की बैठक शुभांगी कांपलेक्स में मुख्य संरक्षक हीरा साहू की अध्यक्षता में हुई. बैठक में नए सत्र चुनाव पर चर्चा हुई और चुनाव संचालन समिति का गठन किया गया. हीरा साहू ने कहा कि वर्तमान समिति ने समाज हित में अच्छा कार्य किया है. नए सत्र के लिए समिति का चुनाव के लिए 31 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया. नए समिति का चुनाव के लिए 13 जुलाई 2025 को निर्धारित किया गया है. निर्धारित समय से पूर्व सभी संचालन समिति के पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि चुनाव से पूर्व सभी गांव प्रखंड एवं पंचायत स्तर तक व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करेंगे. बैठक में श्याम सुंदर साहू ,मुनेश्वर कुमार सा ,भूपन साहू, शिवचरण साहू , लीलांबर साहू, कौशल साहू, भूपन साहू, वीरेंद्र साहू ,राम कृष्ण ओहदार, बलराम साहू, बसंत साहू, फूलचंद साहू ,पटेश्वर साहू, केसरी साहू ,रामनाथ साहू ,राधा मोहन साहू , बहुरा ओहदार,शैलेंद्र साहू ,गुरु दयाल साहू , रामु साहू ,धनेश्वर नाग़ आदि उपस्थित थे.

डीएवी विवेकानंद में हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को भावभीनी श्रद्धांजलि

बेडो। बिनय बगीचा स्थित डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में आज 'हूल दिवस' बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया. इस अवसर पर देश के महान क्रांतिकारी और हूल विद्रोह के नायक सिदो-कान्हू, फूलो-झानो की शहादत को याद किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्रों पर माल्यार्पण से हुई. शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उनके बलिदान को नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की. प्राचार्य कैलाश कुमार ने विद्यार्थियों को हूल विद्रोह के ऐतिहासिक महत्व और इसके कारणों के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि 1857 के सिपाही विद्रोह से दो साल पहले 1855 में संथाल आदिवासियों ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और जमींदारी प्रथा के खिलाफ सिदो-कान्हू व फूलो-झानो के नेतृत्व में बड़ा विद्रोह किया था. यह विद्रोह अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का प्रतीक था और स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखने में अहम भूमिका निभाई. प्राचार्य ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे इन क्रांतिकारियों के आदर्शों को अपनाएं और देश-समाज के उत्थान में अपना योगदान दें.

बारिश में उजड़ा आशियाना, पांच बच्चों के साथ बेघर हुई संजू देवी

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने एक गरीब परिवार की जिंदगी में तूफान ला दिया. माल्हन पंचायत अंतर्गत एक विधवा संजू देवी का घर भारी बारिश की वजह से पूरी तरह से ध्वस्त हो गया. संजू देवी के पति की कुछ साल पहले एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी है. पति की मौत के बाद संजू देवी मजदूरी कर किसी तरह अपने पांच छोटे-छोटे बच्चों का पालन-पोषण कर रही थी. बारिश में घर टूटने से अब उसके पास सिर छुपाने तक की जगह नहीं बची है. संजू देवी ने बताया कि वह पूरी तरह से टूट चुकी है और मदद की उम्मीद कर रही है. इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत के मुखिया जतरा कुमार मुंडा ने माल्हन, लोहरसी, देवनदिया, गनियारी और मरमर गांव का दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की. मुखिया ने आश्वासन दिया कि संजू देवी सहित अन्य प्रभावित परिवारों को मुआवजा और 'आवास प्लस' योजना के तहत प्राथमिकता दी जाएगी. मौके पर अनिल गंझू, अनिल उरांव, छटू उरांव, सोनू उरांव, जतरी देवी समेत कई ग्रामीण मौजूद थे.

श्रम अधीक्षक कार्यालय बना तालाब, आमजन परेशान

लातेहार। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या एक (करकट) में स्थित श्रम अधीक्षक कार्यालय जाने वाला मार्ग जल जमाव के कारण तालाब में तब्दील हो गया है. लगातार बारिश और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि हर वर्ष बरसात में यही स्थिति उत्पन्न होती है. स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना दर्जनों छात्र, कर्मचारी और आम लोग श्रम अधीक्षक कार्यालय सहित अन्य सरकारी कार्यालयों में जाने के लिए गुजरते हैं. पानी जमा होने से पैदल यात्रियों के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी होती है. सड़क के किनारे आंगनबाड़ी केंद्र और एक सुलभ शौचालय भी है, जिनका उपयोग छोटे बच्चे और आमजन करते हैं. जल जमाव के कारण कई लोग फिसलकर गिर भी चुके हैं. स्थानीय दुकानदारों और निवासियों ने नगर पंचायत से कई बार शिकायत की है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है.

शिक्षाविद अवध बिहारी पांडेय के पिता का निधन

पलामू। ज्ञान दीप कॉन्वेंट स्कूल, रेहला के निर्देशक एवं शिक्षाविद अवध बिहारी पांडेय के पिता काशीनाथ पांडेय का रविवार दोपहर को उनके रेहला स्थित आवास पर निधन हो गया. वे 78 वर्ष के थे और लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे. काशीनाथ पांडेय मूल रूप से हैदरनगर प्रखंड के परता गांव के निवासी थे. उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है. शिक्षक समुदाय, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्य लोगों ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है. शोकसंतप्त परिवार में सभी सदस्य गहरे दुख में हैं. निर्देशक श्री पांडेय ने जानकारी दी कि उनके पिता का अंतिम संस्कार वाराणसी में किया जाएगा.

बाला टोली में एक वर्ष से ध्वस्त पुल बना क्षेत्रवासियों की मुसीबत

प्रशासनिक अनदेखी से ग्रामीण हुए बेहाल, आवाजाही पर संकट

शुभम संदेश । किस्को

विकास के दावों के बीच किस्को प्रखंड अंतर्गत खरकी पंचायत के बाला टोली में स्थित एक वर्ष पूर्व ध्वस्त हुआ पुल आज भी अपनी बदहाली पर रो रहा है. यह पुल कोचा कसियाडीह से बाला टोली को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर स्थित है, जो पिछले वर्ष की तेज बारिश में ध्वस्त हो गया था. तब से लेकर अब तक न तो इसका मरम्मत हुआ और न ही पुनर्निर्माण की कोई ठोस पहल प्रशासन की ओर से की गई है.यह पुल सिर्फ एक निर्माण संरचना नहीं, बल्कि दर्जनों गांवों के लिए जीवनरेखा थी. इसके ध्वस्त होने से आमजन को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर पैदल यात्रा करनी पड़ रही है. दोपहिया और बड़े वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित है, जिससे बच्चों की शिक्षा, मरीजों का इलाज और रोजमर्रा के कामों में भारी परेशानी हो रही है.स्थानीय निवासी बताते हैं कि पुल पर पैदल चलते वक्त हर समय डर बना रहता है कि कहीं जर्जर संरचना गिर न जाए. कई बार स्थानीय मुखिया चांदमनी उरांव, जिला परिषद सदस्य संदीप कुमार गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी पुल का निरीक्षण कर चुके हैं. उन्होंने भरोसा भी दिया कि जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया.ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय वादों की झड़ी लगाई जाती है, लेकिन समस्या के समाधान में सभी नाकाम साबित हो रहे हैं. अब स्थिति यह हो गई है कि कई गांवों का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से कटा हुआ है, जिससे क्षेत्र के विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है.क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस ध्वस्त पुल का जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और क्षेत्र एक बार फिर विकास की राह पर लौट सके.

पलदार की निर्मम हत्या, परिवार में मचा कोहराम

शुभम संदेश। हुसैनाबाद

नगर पंचायत के कुर्मी टोला निवासी 40 वर्षीय बैकुंठ चौधरी की निर्मम हत्या कर उनका शव हुसैनाबाद शहर से करीब चार किलोमीटर दूर बड़ेपुर हाईस्कूल के पीछे झाड़ियों में फेंक दिया गया. सोमवार सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने शव देख पुलिस को सूचना दी. हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मोहम्मद याकूब घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर अनुमंडल अस्पताल भेजा. मृतक बैकुंठ चौधरी एफसीआई गोदाम में पलदारी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे. रविवार शाम वे घर से बाजार जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे. परिजनों को चिंता हुई और उनकी खोजबीन शुरू हुई. सोमवार सुबह उनके शव की बरामदगी की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया.

शव की पहचान होने के बाद अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जुट गई. बैकुंठ चौधरी के दो नाबालिग पुत्र हैं, जिन्होंने अपने पिता को मुखाग्नि दी और फूट-फूटकर रो पड़े. यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं. स्थानीय लोगों ने इस घटना को सुनियोजित हत्या बताया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की. पुलिस ने बताया कि मृतक के गले में रस्सी बंधी मिली है, जिससे प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला प्रतीत होता है. थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, दाह संस्कार के बाद आवेदन मिलने पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी. पुलिस ने जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है.

रंजीत साहू बने कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष

लातेहार। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, झारखंड प्रदेश ने लातेहार जिले में संगठन विस्तार करते हुए रंजीत कुमार साहू को कांग्रेस के ओबीसी मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है. नियुक्ति के बाद श्री साहू ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव, लातेहार जिला प्रभारी धीरज प्रसाद साहू, सह प्रभारी डॉ. अजय नाथ शाहदेव, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहू तथा अन्य पार्टी नेताओं का आभार व्यक्त किया. रंजीत कुमार साहू मनिका के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष स्व. गौरी साहू के पुत्र हैं.

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, दो युवक घायल

बालूमाथ। रविवार की देर रात बालूमाथ-हेरहंज मार्ग पर राजू पेट्रोल पंप के पास दो बाइकों की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. घायलों की पहचान नगड़ा, बालूमाथ निवासी सुजीत कुमार यादव और ब्रहमोरिया, हेरहंज निवासी अनुज कुमार के रूप में हुई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों युवक अलग-अलग दिशा से बाइक चला रहे थे कि पेट्रोल पंप के पास उनकी बाइकों की टक्कर हो गई. टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों को हाथ-पैर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं. बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक डॉ. सुरेंद्र कुमार की देखरेख में दोनों युवकों का इलाज चल रहा है. डॉक्टरों ने बताया कि घायलों की हालत गंभीर होने के बावजूद फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं. स्थानीय लोग इस हादसे से सकते में हैं और सड़क पर सावधानी बरतने की जरूरत पर जोर दे रहे हैं. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

पांडू प्रखंड में समीक्षा बैठक, डीडीसी ने दी सख्त हिदायत

पांडू। पलामू के डीडीसी जावेद हुसैन ने पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार पांडू प्रखंड का दौरा किया और प्रखंड मुख्यालय में एक समीक्षा बैठक की. इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी रणबीर कुमार, ए.मो. विवेक चंद्र पाल, अनिल कुमार गौतम, विवेक कुमार, नागेंद्र कुमार दुबे, कृष्ण नारायण, ललन प्रजापति, रशीद अहमद, रश्मि कुमारी, राजीव रंजन, मसूद कलाम सहित सभी प्रखंड कर्मी उपस्थित रहे. डीडीसी हुसैन ने बैठक के दौरान मनरेगा, अबुआ आवास योजना सहित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की और सभी कर्मियों को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने की सख्त हिदायत दी. उन्होंने कहा कि किसी भी योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने प्रखंड कार्यालय भवन की जर्जर स्थिति पर चिंता जताई और सरकार से भवन निर्माण में सहयोग का आश्वासन दिया. साथ ही बीडीओ रणबीर कुमार की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उन्हें जनता की समस्याओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया.

लापुंग

वे अब तक सैकड़ों लोगों को अस्पताल पहुंचाकर उनकी मदद कर चुके हैं

समाजसेवी उमाशंकर की मिसाल: सड़क हादसों में जीवन रक्षक भूमिका

शुभम सदेश। लापुंग

डिंबा गांव के समाजसेवी उमाशंकर साहु ने पिछले आठ वर्षों में सड़क दुर्घटना में घायल हुए दर्जनों लोगों की जान बचाई है. सड़क हादसा होते ही वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट जाते हैं. उनकी इस मानवतावादी सेवा से थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव भी प्रेरित हैं और लोगों से उमाशंकर साहु से सीख लेने की अपील करते हैं. लापुंग प्रखंड के डिंबा निवासी उमाशंकर साहु ने आर्मी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर पूरी तरह से समाजसेवा में खुद को समर्पित कर दिया है. उनका यह समर्पण सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को बचाने के लिए है.

उमाशंकर साहु न केवल रांची, बल्कि गुमला, खूंटी और आसपास के कई थाना क्षेत्रों में घटनास्थल पर पहुंचकर घायल मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाते हैं. उन्होंने बताया कि वे अब तक सैकड़ों लोगों को अस्पताल पहुंचा चुके हैं, जिनमें से कई की जान उनकी मदद से बची है.

उनकी प्रेरणा का स्रोत एक व्यक्तिगत अनुभव है. 2017 में चंडीगढ़ से रांची जाते समय उनके परिवार की गाड़ी बारीडीह मंदिर के पास पलट गई थी. बारिश के कारण गाड़ी खेत में पलटी हुई थी और उसमें उनके परिवार के सदस्य फंसे हुए थे. उसी समय फुटबॉल खेलकर जा रहे कुछ खिलाड़ी वहां रुके और उन्होंने सभी को बाहर निकाला तथा अस्पताल पहुंचाया. इस घटना ने साहु के दिल को छुआ और तब से उन्होंने दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करने का बीड़ा उठाया. साहु का मानना है कि बेडो. क्षेत्र में एक ट्रॉमा सेंटर की स्थापना जरूरी है, ताकि गंभीर रूप से घायल मरीजों का तत्काल इलाज हो सके. फिलहाल, रांची तक पहुंचने में देर होने के कारण कई बार मरीजों की मौत रास्ते में ही हो जाती है. इस बात पर थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव भी सहमत हैं और उमाशंकर को उनके समर्पण के लिए जल्द सम्मानित करने का आश्वासन देते हैं. साहु की ये कहानियां समाज में सेवा, त्याग और मानवता की मिसाल हैं. उनकी सक्रियता और समर्पण ने न केवल कई परिवारों को संकट से निकाला है, बल्कि समाज को भी जागरूक किया है.

कुछ महत्वपूर्ण बचाव के मामले

(31 जुलाई 2022): नगड़ी थाना क्षेत्र के प्रेम नगर में बाइक दुर्घटना में घायल धर्मेंद्र शर्मा को उमाशंकर साहु ने उठाकर अस्पताल पहुंचाया. समय पर इलाज से उनकी जान बच गई.

(14 जनवरी 2025): लापुंग के करम चौरा के पास बाइक सवार खाता पहान को घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया. रिम्स में इलाज के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ हो गए.

(27 जनवरी 2025): फतेहपुर चौक के पास ऑटो और बाइक की टक्कर में घायल फिलमोन बरला और जुनूल बरला को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया. जुनूल की जान बच गई, लेकिन फिलमोन को बचाया नहीं जा सका.

(29 जनवरी 2025): भरनो के अमलिया जंगल के पास सीआरपीएफ कांस्टेबल अशोक लोहरा और उनकी पत्नी की दुर्घटना में मदद की गई. अशोक की जान बची, लेकिन उनकी पत्नी बिगनी देवी की मौत हो गई.

अबुआ आवास योजना के अंतर्गत दो लाभुकों का हुआ गृह प्रवेश

पलामू। पांडू प्रखंड अंतर्गत खुरा गांव में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत दो लाभुकों – कुंडल सिंह एवं रामवचन बैठा – का भव्य गृह प्रवेश समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर पलामू के डीडीसी जावेद हुसैन, पांडू प्रखंड विकास पदाधिकारी रणवीर कुमार तथा बीपीओ रितेश कुमार दुबे ने नव निर्मित आवासों का निरीक्षण कर विधिवत फिता काटकर गृह प्रवेश कराया. दोनों परिवारों के पति-पत्नी, प्रखंड कर्मी और ग्रामीण इस शुभ मौके पर उपस्थित रहे. समारोह के दौरान प्रसाद वितरण भी किया गया और ग्रामीणों ने गर्मजोशी से अधिकारियों का स्वागत किया. मौके पर पंचायत के मुखिया पति डॉ. बाल मुकुंद पासवान, प्रमोद कुमार पासवान सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे. डीडीसी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अन्य लाभुकों से अपील की कि वे भी समय पर अपने आवास का निर्माण कार्य पूरा कर सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठाएं.

मंथन

रिम्स-2 योजना, विकास बनाम विस्थापन की दोधारी चुनौती

राजधानी रांची में प्रस्तावित रिम्स-2 अस्पताल परियोजना झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 'सपने' के रूप में प्रचारित किया जा रहा है. स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इसे जनहित में ऐतिहासिक कदम बताया है और स्पष्ट किया है कि यह योजना किसी भी हाल में रोकी नहीं जाएगी. इसके अंतर्गत नगड़ी क्षेत्र में 110 एकड़ भूमि पर 700 बेड वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज विकसित किया जाना है. अनुमानित लागत 1074 करोड़ रुपए है, जो राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में अब तक का एक बड़ा निवेश माना जा रहा है. बेशक, बेहतर चिकित्सा सुविधाओं और मेडिकल शिक्षा के विस्तार की दिशा में यह एक सार्थक प्रयास है. राज्य के लोगों को इससे इलाज के लिए बाहर जाने से मुक्ति मिलेगी और युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन जिस तरह जमीन अधिग्रहण के विवादों के बीच आगे बढ़ाया जा रहा है, वह सरकार की नीयत और नीति-दोनों पर सवाल खड़े करता है. ग्रामीणों का विरोध यह संकेत देता है कि उन्हें भरोसे में नहीं लिया गया. खेत की मिट्टी काट कर सड़क पर धान बोना सिर्फ सांकेतिक विरोध नहीं, बल्कि उनकी बेबसी और असहमति का प्रतीक है. सरकार को समझना होगा कि विकास की कोई भी योजना तब तक टिकाऊ नहीं हो सकती, जब तक वह संवेदनशील और न्यायपूर्ण न हो. जन संवाद, पुनर्वास और वैकल्पिक समाधान के बिना ऐसी परियोजनाएं सामाजिक टकराव को ही जन्म देती हैं. रिम्स-2 का सपना तभी साकार होगा, जब वह जनता की सहमति और सहभागिता से जुड़े.

नजरिया

बारिश की तबाही: राहत कार्यों में तत्परता बनाएं प्राथमिकता

पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत कालियाम पंचायत क्षेत्र में हुई मूसलधार बारिश ने जो तबाही मचाई है, वह न सिर्फ प्राकृतिक आपदा का उदाहरण है, बल्कि प्रशासनिक तत्परता की एक बड़ी कसौटी भी बन चुकी है. आखुआपाड़ा, सालखान बेसरा और सानडांगरी जैसे गांवों में घरों में तीन फीट तक पानी भर जाना, प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों का डूब जाना, अनाज व जरूरत की चीजों का नष्ट हो जाना-यह बताता है कि बुनियादी ढांचे और पूर्व आपदा-प्रबंधन योजनाओं में गंभीर कमी रही है. जिस तरह से पुल-पुलिया डूब गए हैं, डायवर्सन बह गए हैं और संचार संपर्क पूरी तरह टूट चुका है, वह चिंता का विषय है. कालियाम और सोनाहातू पंचायत के बीच संपर्क टूटना राहत कार्यों को और अधिक जटिल बना रहा है. प्रशासन के लिए यह जरूरी हो गया है कि पहले संपर्क बहाल करने के उपाय किए जाएं ताकि राहत सामग्री प्रभावित क्षेत्रों तक समय पर पहुंचाई जा सके. मुखिया दासो हेंब्रम की उपस्थिति और संवेदनशीलता स्वागतयोग्य है, लेकिन अब जरूरत जमीनी कार्यवाही की है. प्रशासन को तत्काल आपदा राहत टीम भेजनी चाहिए, साथ ही खाद्य सामग्री, चिकित्सा सुविधा और अस्थायी आश्रय केंद्रों की व्यवस्था करनी चाहिए. यह समय प्रशासनिक चूक या वादों का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से आगे आकर पीड़ितों को राहत पहुंचाने का है. वरना बारिश के साथ बह गया जनजीवन, प्रशासनिक संवेदनहीनता का स्थायी प्रतीक बन जाएगा.

महाभारत बाद के 36 साल की कृष्ण कथा

डॉ मयंक मुरारी

द्वारिका का सूर्यास्त उपन्यास कृष्ण को समझने का बढ़िया साधन है.

श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि हरेक श्रेष्ठ पुरुष को लोक का ध्यान रखते हुए लोकयात्रा में कर्म करना होता है. वे कहत हैं कि यद्यपि मेरे लिए कुछ भी करने की जरूरत नहीं है, लेकिन श्रेष्ठ पुरुष जो करते हैं, उसका लोक में अनुसरण किया जाता है.

कृष्ण देव हैं. कृष्ण के देवत्व का राह पता है? महाभारत के विनाश के बाद अगले यादवकुल के विनाश तक. श्रीकृष्ण के जीवन का 36 साल! क्या हुआ, कैसा अनुभव रहा? इस काल में श्री कृष्ण करीब सारा समय द्वारिका में ही रह रहे हैं. युद्ध के बाद वे अपने प्रिय सखा अर्जुन से कभी हस्तिनापुर में नहीं मिले. महाभारत युद्ध के बाद आखिर श्रीकृष्ण क्या कर रहे थे. उनके मनोभाव में क्या था? यह यादव के अपने स्वर्णिम काल के अथाह अंत की एक दुखद कहानी है. गांधारी का शाप फिर महर्षि कश्यप द्वारा शापित. दीर्घ आयु के अंतिम वर्षों में एक परिवार के बुजुर्ग जैसे निवृत्ति वाला जीवन संघर्ष करते हैं, ऐसा ही होगा. यदि हम श्री कृष्ण के मानव स्वरूप का दर्शन करना चाहते हैं, उनके देवत्व के साथ जुड़ी कथा के सहभागी होना चाहते है, तो एक किताब द्वारिका का सूर्यास्त भारतीय साहित्य का बेहतरीन उपन्यास है. एक इंसान जो अपने जीवन के उतरार्द्ध काल में कर्म से देवत्व को धारण करता है फिर अपने भूतकाल से व्यथित होता है. एक सामान्य मानवी जैसे उनकी वेदना है, दुःख है, कष्ट है, दैवी शक्ति का कोई जिक्र नहीं है.

दिनकर जोशी ने द्वरिका का सूर्यास्त लिखा है.सोमनाथ के समुद्र तट पर स्थित जंगल. अंतिम वेला में कृष्ण टहल रहे थे.वे कहते है कि मेरे दर्शन करते समय पलकें झपकने के कारण जो जरा सा व्यवधान पड़ता है, उसे सहन न कर सकने के कारण गोपियां नयनों के देव की निंदा करती है. उन्ही गोपियों का त्याग कर आज मैं कितना दूर आ गया हूं . (श्रीमद. 10.31.15). श्री कृष्ण विलय की घटना समग्र सृष्टि में अब तक की सबसे बड़ी दुःख, पीड़ा भरी एवं करुण घटना है. श्रीकृष्ण और रुक्मिणी संवाद है. रुक्मिणी कहती हैं- मुझे राधा की नहीं, लेकिन माता देवकी से ईर्ष्या होती है, उनके समग्र स्त्रीत्व से. कृष्ण कहते हैं कि एक सत्य जो दुनिया ने नहीं जाना, उसे प्रकट करता हूं देवी. कृष्ण कहते हैं- माता देवकी और उनका पुत्र श्रीकृष्ण दुनिया के सबसे दुर्भाग्यशाली माता और पुत्र है. माता देवकी को आठ-आठ पुत्र हुए, लेकिन किसी भी संतान को वह हृदय से लगाकर अपना दूध नहीं पिला सकीं. हर नवजात संतान का जन्म, उसे दुख और भय से भर देता. लेकिन इस प्राकृतिक अधिकार से भी मैं वंचित रहा.श्रीकृष्ण को जीवन के उत्तरार्द्ध में इसका बोध होता है. सवाल भी उठता है,पहले क्यों बोध नहीं हुआ? इसके लिए जन्म के साथ कृष्ण को समय कहां मिला? श्रीकृष्ण के जीवन के अंतिम पल. पैर के तलवे में बाण लगा, बहेलिया विलाप करने लगा. श्रीकृष्ण सांत्वना देते हैं-तुम तो शाप को फलीभूत होने के निमित्त बने हो. मन पर कोई बोझ न रखना. शेष जीवन कर्म संपन्न करने के पश्चात तुम्हारी भी ऊर्ध्व गति हो. उनको याद आता है-माता गांधारी का शाप, महर्षि कश्यप का शाप और अपने वंश एवं अपने लोग का मद एवं अहंकार. इसमें उनका कहां दोष था?

कृष्ण चिंतन करते हैं- उनका जीवन ही मृत्यु की परछाई में आगे बढ़ा. जन्म के बाद घुटनों पर चलना शुरू किया कि पूतना पहुंच गयी. इसके बाद शकटासुर, बकासुर, धेनुकासुर, कालियानाग आदि से खुद को बचाया, गोकुलवासियों को निर्भयता का संदेश दिया. लेकिन जब गोकुल छोड़ने का समय आया, जीवन पर कंस रूपी विपत्ति आयी, तो कोई साथ नहीं था. न गोकुलवासी और न ही मथुरावासी. आज भी मन व्यथित हो जाता है कि श्री कृष्ण पर उनके परिवार के यादवों ने चोरी का इल्जाम लगाया था. द्वारिका के सूर्यास्त में वर्णन है कि अंतिम चरण में ऊधव जी और कृष्ण जब आखिरी बार द्वारिका में मिले तो संवाद में वह बड़े ही भावुक हो गए. श्री कृष्ण से उनकी चरण पादुका मांगते हैं ताकि अपने शेष जीवन में भी उन्हें श्री कृष्ण का स्पर्श मिले. एक बहेलिया का तीर उनके महाप्रयाण का कारण बन जाता है. और उसके पूर्व द्वारिका में कहां कुछ बचता है, सब उनकी आंखों के सामने खत्म होता है. काशीनाथ सिंह के उपन्यास उपसंहार में कृष्ण को भगवान के रूप में नहीं बल्कि मानवीय भावनाओं और भ्रांतियों वाले राजा के रूप में दर्शाया गया है. उपसंहार को पढ़कर पता चलता है कि कृष्ण को युद्ध के बाद अवसाद और दुःख का सामना करना पड़ा था, उनके द्वारिका के संस्थापकों में से एक, इंद्र की अमरावती से भी सुंदर ढंग से बनाया गया था वह द्वारिका और यादवकुल का नाश कैसे होता है?

यह भी कि जिस न्याय और धर्म की स्थापना के लिए इतना बड़ा युद्ध हुआ था. क्या उसकी स्थापना हो पाई थी? या फिर वो सिर्फ एक मिथ्या बन कर रह गयी? महाप्रयाण के पूर्व की घटना है. कृष्ण और नारद के मध्यम सह प्रश्न उठता है कि सामान्य को असामान्य का वितरण यानी अपने जनों यथा सत्यभाभा, बलराम, उग्र सेन, अक्रूर या कृतवर्मा को आपने कृष्णत्व का अंश प्रदान किया. जिस संयम और ऐश्वर्य रूपी संस्कार का आमजन को संवर्द्धन करना होता है, वह सब उन्हें सहज ही प्राप्त हो गया. क्या यह ठीक था? नारदमुनि कहते हैं कि इसी कारण ये सारे पूर्णता को प्राप्त नहीं कर सके. कृष्ण तो कोई एक ही बनता है. जगत में एक ही पूर्ण होता है, जो अर्जुन जैसे के विषाद को योग में बदल देने की क्षमता रखता है. कुंती के मन के दुख को खुद ही दिशा देता है. माता गांधरी के श्राप को सहज स्वीकार करता है और अपनी प्रिय साथी राधा को वचन देकर अंतहीन इंतजार की यात्रा पर छोड़ देता है. बड़े-बड़े ज्ञानी क्या करने योग्य है और क्या नहीं करना चाहिए. इसके बारे में सही निर्णय नहीं ले पाते हैं. कर्म मार्ग पर चलते वे इससे परे हटाने का संदेश नहीं देते हैं. वे गीता में कहते हैं कि हरेक श्रेष्ठ पुरुष को लोक का ध्यान रखते हुए लोकयात्रा में कर्म करना होता है. वे कहते हैं कि यद्यपि मेरे लिए कुछ भी करने की जरूरत नहीं है, लेकिन श्रेष्ठ पुरुष जो करते है, उसे लोक में अनुसरण किया जाता है.

इसलिए सदैव कर्म करना चाहिए. भारतीय जीवन में कर्म के विचार ने संपूर्ण जीवन को जोडे हुए हैं. यही कर्म का प्रवाह है और जीवन में श्रीकृष्ण का केंद्रीय प्रवाह भी है. यह कर्म का प्रवाह ही बंधन से मुक्त करता है और मुक्ति की ओर ले जाता है.

आज का इतिहास

1781: हैदर अली और ब्रिटिश सेना के बीच युद्ध.
1862: कलकत्ता उच्च न्यायालय का उद्घाटन.
1879: भारत में पोस्टकार्ड की शुरुआत.
1955: इंपीरियल बैंक का राष्ट्रीयकरण कर इसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का नाम दिया गया.
1964: भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना.
1975: तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 20 सूत्री कार्यक्रम का ऐलान किया.
1991: वारसा संधि भंग की गई.
1995: अमेरिका ने ताइवान पर लागू प्रतिबंध हटाए.
1997: हॉन्गकॉन्ग ने 156 वर्ष के ब्रिटिश शासन के बाद चीन का अधिकार स्वीकार किया.
2000: लाड्र्स के 100वें ऐतिहासिक टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराया.
2006: शतरंज खिलाड़ी परिमार्जन नेगी सबसे कम उम्र के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने.
2017: भारत में अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू किया गया.

चिंतन

अपने बुद्धि बल से हम हर कमी से पार सकते हैं...

विश्व के महानतम दार्शनिक सुकरात एक बार अपने शिष्यों के साथ बैठे चर्चा कर रहे थे. तभी वहां अजीबो-गरीब वस्त्र पहने ज्योतिषी पहुंचा. वह सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हुए बोला, मैं ज्ञानी हूं,मैं किसी का चेहरा देख उसका चरित्र बता सकता हूं. बताओ तुममें से कौन मेरी इस विद्या को परखना चाहेगा? शिष्य सुकरात की तरफ देखने लगे. सुकरात ने उस ज्योतिषी से अपने बारे में बताने के लिए कहा. ज्योतिषी उन्हें ध्यान से देखने लगा. सुकरात बड़े ज्ञानी तो थे लेकिन देखने में सामान्य थे, बल्कि कुरूप कहना कोई अतिशयोक्ति न होगी.
ज्योतिषी उन्हें कुछ देर निहारने के बाद बोला, तुम्हारे चेहरे की बनावट बताती है कि तुम सत्ता के विरोधी हो, तुम्हारे अंदर द्रोह करने की भावना प्रबल है. तुम्हारी आंखों के बीच पड़ी सिकुड़न तुम्हारे अत्यंत क्रोधी होने का प्रमाण देती है. ज्योतिषी ने इतना ही कहा था कि वहां बैठे शिष्य ये बातें सुनकर गुस्से में आ गए और उस ज्योतिषी को तुरंत वहां से जाने के लिए कहा.
पर सुकरात ने ज्योतिषी को बात पूर्ण करने के लिए कहा. ज्योतिषी बोला, तुम्हारा बेडौल सिर और माथे से पता चलता है कि तुम लालची हो, ठुड्डी तुम्हारे सनकी होने की तरफ इशारा करती है. इतना सुन सुकरात प्रसन्न हुए. ज्योतिषी को इनाम दिया. शिष्यों ने सुकरात से पूछा, गुरुजी, आपने ज्योतिषी को इनाम क्यों दिया, जबकि उसने जो कुछ भी कहा वो सब गलत है?
नहीं पुत्रों, ज्योतिषी ने जो कुछ भी कहा वो सब सच है, उसके बताये सारे दोष मुझमें हैं, मुझे लालच है, क्रोध है, और उसने जो कुछ भी कहा वो सच है, पर वह एक बहुत ज़रूरी बात बताना भूल गया, उसने सिर्फ बाहरी चीजें देखीं पर मेरे अंदर के विवेक को नही आंक पाया, जिसके बल पर मैं इन सारी बुराइयों को अपने वश में किये रहता हूं , बस वह यहीं चूक गया, वह मेरे बुद्धि के बल को नहीं समझ पाया!
सुकरात ने अपनी बात पूर्ण की. मित्रों, यह प्रेरक प्रसंग बताता है कि बड़े से बड़े इंसान में भी कमियां हो सकती हैं, पर यदि हम अपनी बुद्धि का प्रयोग करें, तो सुकरात की तरह ही उन कमियों से पार पा सकते हैं.

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #MondayMotivation
2. #SocialMediaDay
3. Shiprocket SHIVIR
4. #ResignRamalingaReddy
5. #BiographyByVivaanKarulkar
6. #KRamp
7. उत्तम स्वास्थ्य
8. देवी पासी
9. Karnataka Needs BikeTaxis
10. Helping Hands

बहुरंग

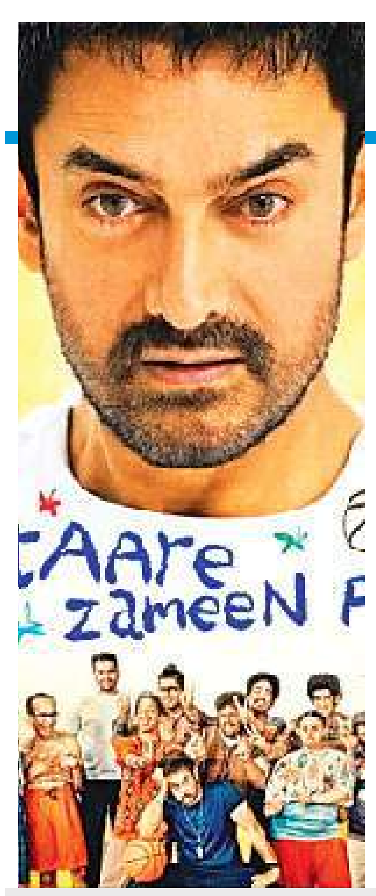

'सितारे जमीन पर' की सफलता पर आमिर खान ने दर्शकों का जताया शुक्रिया

अभिनेता आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' इन दिनों दर्शकों के बीच खूब सराही जा रही है. रिलीज़ के बाद से ही यह फिल्म चर्चा में बनी हुई है. सिर्फ आम दर्शक ही नहीं, बल्कि फिल्मी सितारे भी इस फिल्म की जमकर तारीफ कर रहे हैं. अब खुद आमिर खान ने फिल्म की सफलता पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. वह दर्शकों से मिल रहे प्यार और सराहना से बेहद खुश हैं. आमिर ने सभी का आभार जताते हुए कहा, फिल्म को जो प्यार और समर्थन मिला है, उसके लिए मैं तहेदिल से सभी दर्शकों का शुक्रगुजार हूं. यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है और इसे दर्शकों ने जिस तरह अपनाया है, वो मेरे लिए बहुत खास है. आमिर की यह प्रतिक्रिया दर्शाती है कि वह अपनी फिल्मों को लेकर कितने संवेदनशील और जुड़ाव महसूस करते हैं.

आमिर खान को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां उन्होंने पैपराजी से बातचीत के दौरान फिल्म 'सितारे जमीन पर' की सफलता पर अपनी खुशी जाहिर की. आमिर ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं कि फिल्म को दर्शकों से इतना प्यार मिल रहा है. हमारे जो 10 सितारे हैं, वे भी बेहद उत्साहित हैं कि उन्होंने अपनी पहली फिल्म की और वो सुपरहिट हो गई. इसके साथ ही आमिर ने खुलासा किया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी फिल्म देखी है और उन्हें यह फिल्म बेहद पसंद आई. इस सराहना से आमिर और उनकी टीम का उत्साह और भी बढ़ गया है.

अभिनेता आर माधवन जल्द ही फिल्म 'आप जैसा कोई' में नजर आएंगे, ट्रेलर रिलीज

- इस फिल्म में माधवन की जोड़ी पहली बार फातिमा सना शेख के साथ बनी है, अब फिल्म के निर्माताओं ने 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है, जो लोगों को पसंद नहीं आ रहा है.

अभिनेता आर माधवन को पिछली बार 'केसरी-2' में देखा गया था, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और आलोचकों से खूब सराहना मिली थी. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया था. अब माधवन एक नए प्रोजेक्ट के साथ लौट रहे हैं. वह जल्द ही फिल्म 'आप जैसा कोई' में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है. इस फिल्म में माधवन की जोड़ी पहली बार फातिमा सना शेख के साथ बनी है, अब फिल्म के निर्माताओं ने 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है, जो लोगों को पसंद नहीं आ रहा है. 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं. फिल्म की कहानी एक पितृसत्तात्मक सोच रखने वाले अधेड़ उम्र के शिक्षक और एक खुले विचारों वाली युवा शिक्षिका के बीच रिश्ते को लेकर बुनी गई है. ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे दो विपरीत सोच वाले लोग एक शादी के प्रस्ताव के जरिए एक-दूसरे की जिंदगी से टकराते हैं. जहां कुछ दर्शकों ने ट्रेलर को लीक से हटकर और सोचने पर मजबूर करने वाली कहानी बताया है, वहीं कई सोशल मीडिया यूजर्स इसे फेमिनिस्ट प्रोपेगेंडा कहकर आलोचना कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट किया, फिर से एक फेमिनिस्ट प्रोपेगेंडा फिल्म.

दूसरे ने इसे सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'मिसेस' की कॉपी करार दिया. एक अन्य यूजर ने लिखा, आर माधवन ऐसी चीप फिल्में क्यों कर रहे हैं? हालांकि इन आलोचनाओं के बीच, कुछ लोगों ने ट्रेलर की सराहना भी की है और फिल्म की थीम को समाज की रूढ़िवादी सोच पर सवाल उठाने वाली बताया है. अब देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म दर्शकों के बीच क्या प्रभाव छोड़ती है. 'आप जैसा कोई' का प्रीमियर 11 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा. इस फिल्म का निर्माण करण जौहर ने अदार पूनावाला और सोमेन मिश्रा के साथ मिलकर किया है.

फिल्म 'दुनियादारी' का ऐलान, 6 साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर चमकेंगे गोविंदा

एक दौर था जब गोविंदा का नाम ही हिट फिल्म की गारंटी माना जाता था. अपने शानदार अभिनय, यूनिक स्टाइल और धमाकेदार डांस से उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली थी. लंबे समय से उनके फैंस उन्हें एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. अब गोविंदा ने अपने चाहने वालों को खुशखबरी दी है, उन्होंने अपनी नई फिल्म 'दुनियादारी' का ऐलान कर दिया है. इस घोषणा के साथ ही गोविंदा एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर वापसी के लिए तैयार हैं.

गोविंदा ने हाल ही में अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह मस्ती भरे मूड में थिरकते नजर आ रहे हैं. इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, अपनी आने वाली फिल्म 'दुनियादारी' के लिए रिहर्सल कर रहा हूं. हालांकि उन्होंने फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी नहीं दी है, लेकिन सिर्फ इस

ऐलान से ही फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. सोशल मीडिया पर लोग खुशी जाहिर कर रहे हैं और गोविंदा की वापसी को लेकर बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा भी कई बार यह जाहिर कर चुकी हैं कि वह चाहती हैं अभिनेता एक बार फिर दमदार वापसी करें. वह इस बात से परेशान हैं कि गोविंदा घर पर खाली बैठे रहते हैं और अब भी 90 के दशक की कहानियों में उलझे हुए हैं. सुनीता का मानना है कि उनके करियर में रुकावट की बड़ी वजह उनकी अपनी टीम है, जो सिर्फ उनकी तारीफों के पुल बांधती है, लेकिन उन्हें सही दिशा नहीं दिखाती. उनके मुताबिक, गोविंदा को ऐसा मार्गदर्शन नहीं मिल रहा है, जिसकी उन्हें इस दौर में जरूरत है, और यही कारण है कि वह आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं.

गोविंदा को आखिरी बार बड़े पर्दे पर साल 2019 में रिलीज़ हुई फिल्म 'रंगीला राजा' में देखा गया था. इस फिल्म का निर्देशन सिकंदर भारत ने किया था, जबकि इसके निर्माता पहलाज निहलानी थे. 'रंगीला राजा' की कहानी राजस्थान के दो भाइयों, विजेंद्र प्रताप सिंह और अजय प्रताप सिंह, के इर्द-गिर्द घूमती है. दोनों ही भूमिकाएं गोविंदा ने निभाईं, और फिल्म को कॉमेडी के तड़के के साथ पेश किया गया था. हालांकि, दर्शकों को यह फिल्म खास प्रभावित नहीं कर सकी और बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई.

द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन का हुआ ऐलान, करण ही करते नजर आएंगे मेजबानी

मशहूर निर्देशक और निर्माता करण जौहर का रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर रहा है. सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर यह शो अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है और लगातार चर्चा में बना हुआ है. अब शो की सफलता को देखते हुए निर्माताओं ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है. 'द ट्रेटर्स-2' की मेजबानी भी करण जौहर ही करते नजर आएंगे. इस सीजन का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर ही होगा, हालांकि अभी तक रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है. अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स-2' का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया है. पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, हम इस खबर को और नहीं छिपा सकते थे. नया सीजन, जल्द आ रहा है. फिलहाल शो का काम पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है. हालांकि, अब तक प्रतियोगियों की लिस्ट सामने नहीं आई है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है. जाहिर है कि करण जौहर की मेजबानी में आने वाला यह सीजन पहले से भी ज्यादा रोमांचक होने वाला है.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी. शुभांक-2-5-6

वृष : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. शुभांक-3-6-7

मिथुन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. दैनिक सुख-सुविधा में वृद्घि होगी. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. शुभांक-3-5-7

कर्क : किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे. कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मनोरथ सिद्घि का योग है. शुभांक-4-7-8

सिंह : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं. शुभांक-3-5-7

कन्या : संयमित भाषा का इस्तेमाल करें. कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे. सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें. कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. काम में लगे रहें लाभ होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. शत्रु से सावधान रहें. शुभांक-1-3-5

तुला : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-2-4-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. शुभांक-3-4-5

धनु : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. खान-पान में सावधानी रखें. व्यापार में प्रगति होगी. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा. शुभांक-2-4-7

मकर : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. आलस्य का त्याग करें. सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्घि होगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. समय आपके पक्ष का बना रहेगा. शुभांक-3-5-7

कुंभ : जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें. कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभांक-2-4-6

मीन : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी. महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्घ होगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. सारी चिंताएं धीरे-धीरे दूर होंगी. संयम बनाएं रखें. शुभांक-1-3-5

मच्छरों ने घर में मचा रखा है आतंक, इन चीजों के धुएं से भागेंगे कोसों दूर

बदलते मौसम में यदि आपके घर में भी मच्छरों ने आतंक मचाना शुरू कर दिया है तो आज हम आपको इन्हें भगाने के कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। जिनको आप भी फॉलो करके घर के मच्छरों का सफाया कर सकती हैं।

बदलते मौसम और बारिश में अक्सर मच्छरों का आतंक शुरू हो जाता है और इनकी संख्या में तेजी से इजाफा होने लगता है। आप घर के अंदर हो या बाहर हर जगह मच्छर आपको परेशान करने लगते हैं। रात में बिस्तर पर सोने पर मच्छर आपकी नींद खराब कर देते हैं। कभी-कभी तो पूरी रात आपको नींद खराब हो जाती है। ऐसे में इन मच्छरों के बीच रहना बेहद मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा मच्छर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियां भी फैलाते हैं। ऐसे में हमें इन्हें जल्द से जल्द भगाने के उपाय करने पड़ते हैं। अन्यथा इनका प्रकोप बढ़ता चला जाता है। मच्छर ज्यादातर गंदगी और जिस जगह पर पेड़-पौधे होते हैं वहां पनपते हैं। ऐसे में बहुत लोग इनको भगाने के लिए मॉस्किटो कॉइल, कीटनाशक का छिड़काव, मिट्टी का तेल और कई चीजों का यूज कर देते हैं, जो कि हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इनसे निकलने वाला धुआं हमारा स्वास्थ्य खराब कर सकता है। लेकिन इसके बाद भी कभी-कभी मच्छर भागने का नाम नहीं लेते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ प्राकृतिक उपाय बताने जा रहे हैं। यह तरीके आपके घर से मच्छरों को भगाने में मदद कर सकते हैं। आइए जानें इनको करने का तरीका जिसको करने से मच्छर कोसों दूर भागेंगे।

नीम की पत्तियों का धुआं

नीम की पत्तियां कीटनाशक भगाने में मदद करती हैं। ऐसे में इस पेड़ की लकड़ी और टहनियां मच्छरों को भगाने में मदद करती हैं। यदि आपके घर में मच्छरों का ज्यादा आतंक बढ़ गया है तो आपके जिस भी कमरे में भी मच्छर ज्यादा हो वहां आप सूखी हुई नीम की पत्तियां किसी मिट्टी के बर्तन में रखकर जला दें और उस कमरे को कुछ देर के लिए बंद कर दें। जब सभी पत्तियां जल जाएंगी और आप दरवाजा खोलेंगी तो सभी मच्छर गायब मिलेंगे। नीम की पत्तियों का धुआं वैसे तो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं होता है, लेकिन फिर भी जिस जगह आप उसको जलाएं वो कोशिश करें की नहीं बैठें।

गोबर के उपलों का धुआं

आपने अक्सर गांव में चूल्हे जलते देखे होंगे। ऐसे में जिस जगह चूल्हा जलता है वहां मच्छर बाकि जगह के मुकाबले कम होते हैं। दरअसल, चूल्हा जलाने में गोबर के उपलों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में आप भी अपने घर में गाय के गोबर के उपले जला सकती हैं। इसके धुएं से भी मच्छर भागने लगते हैं। आप उपले के साथ कपूर की गोलियांरखकर भी जला सकती हैं। कुछ लोग इसका प्रयोग लोबान आदि बनाने के लिए भी करते हैं।

गर्मी की छुट्टियों के बाद बच्चा स्कूल जाने में करे आनाकानी, तो अपनाएं ये टिप्स

जुलाई का महीना आ गया है। जुलाई का मतलब है कि गर्मियों की छुट्टियां खत्म और अब फिर से स्कूल जाने का समय। ऐसे में बच्चों के लिए स्कूल दोबारा जाना थोड़ा मुश्किल भरा होता है। इसलिए हम आपको कुछ तरीके बता रहे है जिनकी मदद से आपका बच्चा स्कूल जाने में आनाकानी नहीं करेगा।

गर्मियों की छुट्टियां बच्चों के लिए मौज-मस्ती का समय होती हैं, जहां वे बिना किसी नियम के जीते हैं। लेकिन जैसे ही जुलाई का महीना शुरू होने वाला होता है, कई बच्चों को वापस स्कूल जाने और टाइम टेबल मानने में मुश्किल होती है। यह बदलाव बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी तनाव भरा होता है। रिसर्च बताती है कि छुट्टियों के बाद पढ़ाई से मिला ब्रेक बच्चों की सीखने की रफ्तार को धीमा कर सकता है। इससे बच्चा चिड़चिड़ा और कम आत्मविश्वासी हो जाता है, और उसे स्कूल जाने का मन नहीं करता।

गर्मियों की छुट्टियां खत्म होते ही बच्चों के मन में आता है कि फिर से होमवर्क करना होगा, दोस्तों के साथ खेलना बंद हो जाएगा और सुबह जल्दी उठना पड़ेगा। इन सभी बातों को सोचकर बच्चे कई बार स्कूल जाने में आनाकानी करने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता को उनका साथ देना होता है। आज हम आपको कुछ तरीके बता रहे हैं जिनकी मदद से आप बच्चे को खुशी-खुशी स्कूल जाने के लिए राजी कर सकते हैं।

बच्चे की दिनचर्या को धीरे-धीरे ठीक करें

- अगर गर्मी की छुट्टियों में बच्चा देर रात तक जागने और सुबह देर तक सोने का आदी हो चुका है, तो स्कूल खुलने के पहले ही दिन सुबह 6 बजे जागना उसके लिए मुश्किल होगा। इसलिए माता-पिता को बच्चे के सोने और खाने का समय धीरे-धीरे बदलना शुरू कर देना चाहिए, ताकि स्कूल खुलने तक बच्चा उस रूटीन में ढल जाए।
- आप हर 2-3 दिन में सोने और उठने का समय 15 मिनट पहले कर दें। बच्चे को हर दिन 15 मिनट कोई किताब पढ़ने को दें। उसे अपना बैग तैयार करने और यूनिफॉर्म पहनने के लिए बढ़ावा दें। इससे बच्चा धीरे-धीरे स्कूल के हिसाब से ढलने लगेगा और उसे स्कूल खुलने के बाद तनाव महसूस नहीं होगा।

बच्चे से प्यार से और खुलकर बात करें

जब स्कूल फिर से खुलने वाले होते हैं, तो बच्चा थोड़ा परेशान महसूस करता है, उसे समझ नहीं आता कि क्या करे। ऐसे में अगर माता-पिता उससे प्यार से बात करते हैं और उसके मन की बात जानने की कोशिश करते है, तो उसे सहारा मिलता है। आप बच्चे से पूछ सकते हैं कि स्कूल खुलने वाला है, क्या तुम खुश हो या डरे हुए हो? आप बच्चे को अपनी कोई कहानी सुनाकर उसे हिम्मत दे सकते हैं। जब आप बच्चे की भावनाओं को समझते हुए उसे समझाते हैं, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और स्कूल वापस जाने का डर थोड़ा कम हो जाता है।

स्कूल वापसी को मजेदार और जाना-पहचाना बनाएं

अगर आपका बच्चा स्कूल जाने को बोरिंग मानता है, तो आपको इसे मजेदार बनाना चाहिए। आप कुछ नया कर सकते है।

- आप बच्चे को उसका पसंदीदा बैग, लंचबॉक्स चुनने का मौका दे सकते हैं।
- स्कूल खुलने से पहले आप उसकी बात स्कूल के दोस्तों से करवा सकते हैं और उनसे मिलने भी जा सकते हैं।
- आप जून से ही जुलाई कैलेंडर के साथ एक एक्टिविटी कर सकते हैं, जिसमें हर दिन के साथ स्टीकर लगाना होगा ताकि स्कूल शुरू होने की उलटी गिनती बच्चे को रोमांचक लगे।
- बच्चे को आप रोजाना स्कूल वापसी को लेकर अच्छी बातें बता सकते हैं, ताकि वह डर की जगह सकारात्मक चीजे सोच सकें।

स्कूल की आदतें धीरे-धीरे वापस लाएं

गर्मियों की छुट्टी के बाद अचानक से स्कूल मोड में आना बच्चों के लिए तनाव भरा हो सकता है। लेकिन, अगर आप कुछ दिन पहले से ही घर पर ही कुछ एक्टिविटीज या पढ़ाई शुरू कर देते हैं, तो बच्चे का दिमाग दोबारा से सीखने के लिए तैयार हो जाता है।

- आप उसे हर दिन कहानी की किताब पढ़कर सुना सकते हैं, मैथ्स की पहेलियां हल करवा सकते हैं।
- आप बच्चे के लिए घर पर स्कूल जैसी स्टडी टेबल लगा सकते हैं, जिसमें उसके स्कूल का सारा सामान रख सकते हैं और उससे कह सकते हैं कि तुम मानो कि तुम स्कूल में हो।
- अगर हो सके तो बच्चे को स्कूल खुलने से पहले एक बार स्कूल घुमाने ले जाएं ताकि वह अपनी क्लासरूम को पहचान सके और डरे नहीं।

मानसून के बीच बीजों की मदद ऐसे ग्रो करें वेजिटेबल प्लांट्स

अगर आप गार्डनिंग के शौकीन हैं तो आपको पता ही होगा कि हर मौसम में सब्जियों के खेती अलग होती है। कुछ पौधे गर्मी के मौसम में ठीक तरीके से उगते हैं तो वहीं कुछ पौधे ठंड व बरसात के मौसम में अच्छी तरह से ग्रो करते हैं। अगर आप मानसून के मौसम में अपने बगीचे में सब्जी के पौधे उगाने का प्लान कर रहे है लेकिन आपको समझ नहीं आ रहा है कि इस सीजन किन वेजिटेबल की प्लांट्स को लगाना उचित रहेगा।

मानसून के मौसम बीज की मदद से ऐसे ग्रो कर सकते हैं प्लांट्स

हम सभी अक्सर अपने बगीचे में किसी भी पौधे को लगाने के लिए सीड्स, कलम या फिर बेबी प्लांट्स का उपयोग करते हैं। इसके बिना इन्हें ग्रो कर पाना मुश्किल भरा काम है। पौधे न सिर्फ मन को खुश करते हैं बल्कि उस एरिया को भी खूबसूरत बनाता है जहां ये लगे होते हैं। चलिए जानते है इस मौसम में उगने वाले पौधे के बारे में पूरी जानकारी।

टमाटर के लिए

- इसे उगाने के लिए ऐसी जगह चुनें जहां टमाटर के पौधों को 5-6 घंटे तक डायरेक्ट सूरज की किरणें मिल सकें।
- इस प्लांट को आप 21 से 27 डिग्री के बीच के तापमान में उगा सकते हैं।
- बीजों को गमले के मिश्रण में लगभग 1/4 इंच गहराई पर तथा 3-4 इंच की दूरी पर बोएं।
- अच्छी ग्रोथ के लिए पौधे में हेल्दी खाद डालें।

खीरा के लिए

- खीरा उगाने के लिए ऐसी जगह चुनें जहां पर इसके पौधे को भरपूर धूप मिल सके।
- नम और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी का चयन करें।
- बीजों को लगभग 1 इंच गहराई पर तथा 2-3 इंच की दूरी पर पंक्ति में बोएं।
- अगर आप घर में खीरे का पौधा उगाना चाहते है, तो पौधों को ट्रेलिस से सहारा दें।

ऐसे ग्रो करें मूली का पौधा

- मूली के पौधे को कम धूप पसंद होती है,इसलिए ऐसी जगह चुनें जहां पर छाया के साथ हल्की धूप भी मिल सके।
- बीजों को ढीली और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में लगाएं। लेकिन उससे पहले मिट्टी की सतह को साफ कर लें।
- बीजों को 1/2 इंच गहराई पर और 2 इंच की दूरी पर बोएं। ये 5 दिनों के बाद अंकुरित होने लगते हैं।

बीज की मदद से कैसे ग्रो करें मिर्च का पौधा

- मिर्च के प्लांट को हल्की धूप और छाया की जरूरत होती है। ऐसे में सही जगह का चुनाव करना बड़ा टास्क होता है.
- इसके लिए एक ऐसा कंटेनर चुनें जो 3-4 इंच गहरा हो और उसके नीचे के हिस्से में छेद करें।
- अब बीजों को लगभग 1 इंच की गहराई में लगाएं।
- मिर्च के कंटेनर को ऐसी जगह पर रखें जहां 5-6 घंटे धूप मिले।
- अपने पौधों को प्रतिदिन पानी दें और उनकी देखभाल करें।

बरसात में गुड़हल की ऐसे करें देखभाल

बरसात के मौसम में बारिश की बूंदे फूलों पर गिरती हुई बेहद ही खूबसूरत लगती है। इस मौसम में गुड़हल के पौधे पर नई पत्तियां और फूल खिलते है। अगर आप हर डाल पर गुच्छे में मोटे-मोटे फूल और कलियां देखना चाहती है, तो यह लेख आपके लिए कारगर साबित हो सकता है।

बरसात के मौसम में गुड़हल के पौधे पर नई-नई कलियां और फूल खिल सकते हैं। लेकिन आपने इस दौरान खास ध्यान नहीं रखा, तो पेड़ पर खिले फूल भी गिरने लगते है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में इस पौधे पर फूल खिलना बाकी दिनों से कम हो जाते हैं। अब ऐसे में अगर आप मिट्टी की गुड़ाई और छंटाई कर देते है, जो पौधे में नई-नई पत्तियां आना शुरू हो जाती है। बारिश में इस पौधे पर कीड़े लगने, कलियां खराब होने और फंगस लगने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में गार्डनिंग के शौकीन लोग अक्सर परेशान हो जाते हैं कि अपने गुड़हल के पौधे को फूलों से लहलहाता हुआ कैसे रखें। इस दौरान अमूमन लोग सोचते है कि अब महंगे केमिकल फर्टिलाइजर या देरों तरह की खाद खरीदने की जरूरत पड़ेगी। लेकिन आपको बता दें कि आप घर के रसोई में मौजूद कुछ जरूरी चीज और गोबर से तैयार जादुई देसी नुस्खे से इसे हरा-भरा और स्वस्थ रख सकती है। यह तरीका न केवल पूरी तरह से नेचुरल है बल्कि आपकी जेब पर भी भारी नहीं पड़ेगा। चलिए इस लेख में जानिए कि पौधे में नई कलियां और फूल कैसे पाएं।

गुड़हल पौधे के लिए खाद कैसे बनाएं?

गुड़हल के पौधे में डालने के लिए आलू के छिलके, गोबर,नीम खली और लकड़ी की राख से खाद बनाकर तैयार कर सकती है। इस खाद में मौजूद सभी चीजे प्राकृतिक है। ऐसे में इसका पौधे पर किसी भी प्रकार का कोई गलत प्रभाव नहीं पड़ेगा। बता दें कि आलू के छिलके में पोटेशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व होते है, जो पौधे में फूलों की उपज को बढ़ाते है। साथ ही मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार लाने का काम करता है, जिससे पौधे की जड़े मजबूत होती है। वहीं नीम खली और लकड़ी की राख पौधे में कीटों के प्रकोप को खत्म करता है। बारिश के दौरान पौधे पर कीटो, मिलीबग और रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में यह उसे बचाने का काम करता है। वहीं गाय या भैंस के गोबर से तैयार खाद में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व होते है जो गुड़हल के पौधे के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कैसे करें गुड़हल के पौधे में खाद का इस्तेमाल?

सबसे पहले एक बर्तन, बाल्टी या डलिया लें। इसके बाद आलू के छिलके सुखाकर उनका बारीक पाउडर बना लें। अब इसमें आलू के छिलके का पाउडर, एक मुट्ठी नीम खली, एक मुट्ठी गोबर की खाद और एक मुट्ठी लकड़ी की राख डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस मिश्रण को गुड़हल के पौधे में 2 मुट्ठी डालकर फैलाए। बची हुई खाद को स्टोर करके रख लें। इसका उपयोग महीने में 3-4 बार पौधे में कर सकते है। ऐसा करने से पौधे को सभी जरूरी पोषण प्राप्त होंगे, जिससे पौधे में कलियां और नए फूल खिल सकते हैं।

यूएस ओपन 2025 : तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं

युवा शटलर आयुष शेट्टी ने जीता पहला खिताब

एजेंसी। काउंसिल ब्लफ्स

भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने रविवार को यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया. फाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-18, 21-13 से हराया. 20 वर्षीय आयुष, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर हैं, इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने. इसके साथ ही उन्होंने विदेश में भारत को पुरुष एकल खिताब दिलाने का 2 साल का इंतजार भी खत्म किया. पिछली बार 2023 में लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन जीता था.

खिताबी जीत तक का सफर

आयुष का यूएस ओपन में सफर शानदार रहा. उन्होंने पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-17, 21-19 से हराया. दूसरे राउंड में उन्होंने अपने हमवतन थरुण मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया. क्वार्टर फाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से मात दी. सेमीफाइनल में आयुष ने सबसे बड़ी चुनौती का सामना किया जब उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 6 और टॉप सीड चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से हुआ. पिछली हार का बदला लेते हुए आयुष ने जोरदार वापसी करते हुए 21-23, 21-15, 21-14 से मुकाबला अपने नाम किया. वहीं यह मुकाबला काफी जोरदार रहा. दोनों के बीच काफी समय तक खेल में उतार-चढ़ाव जारी रहा.

तन्वी ने रचा इतिहास, बनीं सबसे युवा फाइनलिस्ट

वहीं महिला एकल में भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई, हालांकि वह खिताब जीतने से चूक गईं. फाइनल में उनका सामना अमेरिका की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर 21 बेइवेन झांग से हुआ, जहां उन्हें 21-11, 16-21, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा. हालांकि तन्वी ने इतिहास रच दिया क्योंकि वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी भी फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई हैं. विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज तन्वी ने पहले दौर में दूसरी वरीय वियतनामी खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-19, 21-9 से हराकर तहलका मचा दिया. इसके बाद उन्होंने थाईलैंड की पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियन पिचामोन ओपटनिपुथ को 21-18, 21-16 से हराया. क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मलेशिया की करुपथेवन लेटशाना को 21-13, 21-6 से हराया. सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीय पोलीना बुह्रोवा को 21-14, 21-16 से हराकर उन्होंने फाइनल में जगह बनाई.

लैंडो नॉरिस ने जीता ऑस्ट्रियाई ग्रांप्री

एजेंसी। बीजिंग

मैकलारेन के लैंडो नॉरिस ने रविवार को आयोजित फॉर्मूला-1 ऑस्ट्रियन ग्रांप्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की. टीममेट ऑस्कर पियास्त्री दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन रेस की पहली ही लैप में मर्सिडीज के किमी एंटोनेली से टकराकर बाहर हो गए.रेड बुल रिंग सर्किट पर तेज गर्मी के बीच नॉरिस ने पोल पोजीशन से शुरुआत की और उन्हें जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी. पियास्त्री ने तीसरे स्थान से शुरुआत की और पहले ही कोने पर चार्ल्स लेक्लेर को पीछे छोड़ दिया. इसके बाद उन्होंने पूरे रेस के दौरान नॉरिस पर दबाव बनाए रखा.रेस का अहम मोड़ 11वीं लैप में आया जब पियास्त्री ने डीआरएस का फायदा उठाकर टर्न 3 पर अस्थायी रूप से बढ़त बना ली, लेकिन नॉरिस ने उसी लैप में स्थिति संभाल ली और दोबारा लीड हासिल की.बाद के चरणों में, नॉरिस ने मामूली फ्रंट विंग डैमेज और बैकमार्कर्स के बीच अंतर को बनाए रखते हुए बढ़त कायम रखी. टीम रेडियो पर यह स्पष्ट किया गया कि दोनों मैकलारेन ड्राइवरों को आपस में रेस करने की आज़ादी है, लेकिन शर्त थी कि दोनों कारें सुरक्षित फिनिश करें.आखिरी लाइन तक नॉरिस ने पियास्त्री पर 2.7 सेकंड की बढ़त के साथ रेस जीत ली. यह इस सीजन में उनकी तीसरी जीत रही और इसके साथ ही उन्होंने पियास्त्री के चैंपियनशिप में अंकों की बढ़त को घटाकर सिर्फ 15 अंक कर दिया.कनाडाई ग्रांप्री में पिछली बार नॉरिस की पियास्त्री से टक्कर हो गई थी, जिससे वे रेस से बाहर हो गए थे. उस गलती को नॉरिस ने स्वीकार किया था और अब ऑस्ट्रिया में मिली जीत उनके लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही.रेस की शुरुआत ही नाटकीय रही जब कार्लोस सैंज की विलियम्स कार फॉर्मेशन लैप में ही रुक गई, जिससे रेस की दूरी 71 से घटाकर 70 लैप कर दी गई. शुरुआत के तुरंत बाद एंटोनेली ने ब्रेकिंग पॉइंट का गलत आकलन करते हुए वेरस्टैपेन से टक्कर मार दी, जिससे दोनों कारें बाहर हो गईं. इस दुर्घटना से वेरस्टैपेन की 31 रेसों से जारी पॉइंट्स की लय टूट गई.मैकलारेन की जोड़ी के बाद फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर तीसरे स्थान पर रहे, जो इस सीजन में उनका चौथा पोडियम फिनिश है. लुईस हैमिल्टन ने चौथा और जॉर्ज रसेल ने पांचवां स्थान हासिल किया.

टेक्सास सुपर किंग्स ने एमआई न्यूयॉर्क को 39 रन से हरा दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

टेक्सास सुपर किंग्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 21वें मैच को अपने नाम किया. इस टीम ने एमआई न्यूयॉर्क को 39 रन से मात दी. इसी के साथ टेक्सास सुपर किंग्स इस सीजन प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गई है. यह सीजन में टेक्सास सुपर किंग्स की पांचवीं जीत रही. टीम ने अब तक सात में से पांच मुकाबले अपने नाम किए हैं. वहीं, सीजन की छठी हार के बाद एमआई न्यूयॉर्क की टीम प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर है. इस टीम के लिए यहां से प्लेऑफ में पहुंचना बेहद मुश्किल नजर आ रहा है.मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टेक्सास सुपर किंग्स ने चार विकेट खोकर 223 रन बनाए.फाफ डु प्लेसिस ने सैतेजा मुक्कामल्ला (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की. इसके बाद उन्होंने मार्कस स्टोइनिस (25) के साथ तीसरे विकेट के लिए 57 रन जोड़े.टेक्सास सुपर किंग्स की टीम 140 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी, जिसके बाद डु प्लेसिस ने डोनोवन फेरीरा के साथ चौथे विकेट के लिए 81 रन जोड़ते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया.डोनोवन फेरीरा ने 20 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 53 रन की पारी खेली, जबकि डु प्लेसिस 53 गेंदों में 103 रन बनाकर नाबाद रहे, जिसमें नौ छक्के और पांच चौके शामिल थे.विपक्षी टीम की ओर से रुशिल उगरकर और जॉर्ज लिंडे को दो-दो सफलता हाथ लगी.इसके जवाब में एमआई न्यूयॉर्क की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी.टीम 75 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा चुकी थी. यहां से किरोन पोलार्ड ने माइकल ब्रेसवेल (26) के साथ पांचवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े.

किरोन पोलार्ड ने 39 गेंदों में पांच छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 70 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके.विपक्षी टीम की ओर से अकील हुसैन ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके, जबकि नांद्रे बर्गर और मार्कस स्टोइनिस को दो-दो सफलता हाथ लगी.

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

दूसरे टी20 मुकाबले में होगी हरमनप्रीत कौर की वापसी?

एजेंसी। ब्रिस्टल

भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड से पांच मैचों की टी20 सीरीज में सामना हो रहा है. हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रनों से हराया था. अब टीम की नजर दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करने पर होगी. ब्रिस्टल में मंगलवार को दूसरा मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से खेला जाएगा, जिसमें हरमनप्रीत की वापसी की उम्मीद है. पहले मुकाबले में उनकी जगह स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली थी.

अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हुई थीं हरमनप्रीत : नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी. दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी. हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था.

भारत की गेंदबाजी के आगे पस्त हुई इंग्लैंड की टीम : मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई. यह वह दिन था जब मंधाना की पारी ने मेजबान टीम को जबरदस्त दबाव में ला दिया, जिसका बाद में भारतीय गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया. भारत के स्पिन आक्रमण के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई. उसके बल्लेबाजों के पास भारतीय स्पिनरों विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए.

मंधाना और हरलीन की बल्लेबाजी ने बनाया इंग्लैंड पर दबाव

पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं.

भारतीय खिलाड़ियों को बंगलुरू में लंबे शिविर के बाद इंग्लैंड में जल्दी पहुंचने और कुछ अभ्यास मैचों में खेलने से लय हासिल करने में मदद मिली और पहले मैच में उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया. भारतीय टीम अपनी प्रमुख तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर के चोटिल होने के बावजूद बेहतर टीम नजर आ रही थी. हरलीन देओल को तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला भी सही साबित हुआ क्योंकि उन्होंने मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी.

यह सीरीज निश्चित रूप से भारत की युवा खिलाड़ियों को अगले साल इंग्लैंड में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों का जायजा लेने में मदद करेगी. खेल के सबसे छोटे प्रारूप में हालांकि समीकरण बदलने में देर नहीं लगती और इसलिए भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा क्योंकि इंग्लैंड की टीम वापसी करने के लिए बेताब होगी.

टीम इस प्रकार हैं

भारत

- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी, राधा यादव.

इंग्लैंड

- नताली सिवर-ब्रंट (कप्तान), टैमी ब्यूमोंट (विकेटकीपर), सोफिया डंकली, एमी जोन्स (विकेटकीपर), डैनी व्याट-हॉज, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, पैगे शॉल्फिल्ड, एम अर्लट, लॉरेन बेल, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, लिन्सी स्मिथ, इसी वोंग.

एफआईएच प्रो लीग - महिला हॉकी टीम चीन से 2-3 से हारी

एजेंसी। बर्लिन

भारतीय महिला हॉकी टीम को रविवार को बर्लिन में चीन के खिलाफ खेले गए मैच में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में उसका अभियान समाप्त हो गया.चीन की तरफ से यिंग झांग ने मैच के 19वें और 30वें मिनट में गोल किया. वहीं, जू वेन्यू ने 53वें मिनट में गोल किया. भारत की तरफ से दो गोल सुनलिता टोप्पो (9वें मिनट) और रुजुता दादासो पिसल (38वें मिनट) ने किए.इस सत्र का यह आखिरी मैच था. नीदरलैंड शीर्ष पर रहा, अर्जेंटीना दूसरे और बेल्जियम लीग में तीसरे स्थान पर रहा. चीन अंक तालिका में चौथे स्थान पर रहा. भारत अंतिम स्थान पर रहा. भारतीय टीम को प्रतिष्ठित एफआईएच प्रो लीग में फिर से अपना स्थान हासिल करने के लिए एफआईएच नेशंस कप खेलना होगा.भारत की शुरुआत अच्छी रही. उसने मैच के नौवें मिनट में बढ़त हासिल की, जब नेहा गोयल से मिले पास को सुनिलिता टोप्पो ने गोल में बदला. ओडिशा की युवा खिलाड़ी ने पास को अच्छी तरह से गैदर किया और सीधे गोल पोस्ट पर की तरफ शॉट लगाया. दो मिनट बाद चीन को पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय टीम ने इसका अच्छा बचाव किया.चीन को बराबरी करने में ज्यादा समय नहीं लगा. 18वें मिनट में चीन को पेनाल्टी कॉर्नर मिला. डेंग किउचन को भारतीय डिफेंडर मनीषा चौहान ने उस समय चेहरे पर मारा, जब वह पास को क्लियर करने की कोशिश कर रही थी. किउचन को मैदान से बाहर ले जाना पड़ा और मैदानी अंपायर ने चीन को पेनल्टी स्ट्रोक दिया, जिस पर भारत ने अपील की.वीडियो अंपायर ने चीन को पेनल्टी कॉर्नर दिया, जिसे यिंग झांग ने गोल में बदल दिया. चीन ने दूसरे क्वार्टर के अंत में एक और पीसी हासिल किया. झांग ने एक बार फिर सही जगह बनाई और अपने नाम एक और गोल किया, जिससे चीन की बढ़त सुनिश्चित हुई.भारत को 37वें मिनट में बराबरी का मौका मिला जब उसे मैच का अपना पहला पीसी मिला. पहला पीसी चीनी डिफेंडरों ने रोक दिया, लेकिन बैक स्टिक था. हालांकि मैदानी अंपायर ने इसे नहीं देखा. भारत ने सफल रेफरल लिया और एक और पीसी हासिल किया. अनुभवी नवनीत कौर ने गेंद को रुजुता को पास किया, जो दाएं फ्लैंक पर खड़ी थीं.

अगले साल रिकॉर्ड छठा विश्व कप खेलेंगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो

एजेंसी ।लिस्बन

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो रिकॉर्ड छठे फीफा विश्व कप में खेलने के लिए क्लब विश्व कप का हिस्सा नहीं बने हैं. उन्होंने कहा कि उनके लिए यह लंबा सत्र है और वह आराम कर के खुद को फिट और तरोताजा रखना चाहते हैं. रोनाल्ड अगले साल फीफा विश्व कप तक 41 वर्ष के हो जाएंगे.

रोनाल्डो ने सऊदी अरब के अपने क्लब अल नस्र द्वारा पोस्ट किए गए एक इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, 'मेरे पास क्लब विश्व कप खेलने के कुछ प्रस्ताव थे, लेकिन मुझे लगता है कि इसका कोई मतलब है क्योंकि मैं अच्छी तरह से आराम करना और बेहतर तैयारी करना पसंद करता हूं. यह सत्र बहुत लंबा होगा क्योंकि सत्र के अंत में विश्व कप खेला जाना है.'उन्होंने अल नस्र के साथ दो साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा, 'इसलिए मैं न केवल अल नस्र के लिए बल्कि राष्ट्रीय टीम के लिए भी तैयार रहना चाहता हूं.' 40 वर्षीय रोनाल्डो ने तीन हफ्ते पहले स्पेन के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट जीत के साथ पुर्तगाल को नेशंस लीग ट्रॉफी जीतने में मदद की थी.इससे पहले ऐसी अटकलें थीं कि वह अमेरिका में चल रहे क्लब विश्व कप में खेलने के लिए किसी अन्य क्लब से जुड़ सकते हैं. वह और लंबे समय से अर्जेंटीना के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह-मेजबानी वाले टूर्नामेंट में छह विश्व कप में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं.

निकहत और अंकुशिता बोरो ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी। हैदराबाद

दो दफा की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने यहां एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दूसरे दिन शानदार जीत से 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. निकहत ने कल्पना पर 5-0 से शानदार जीत के साथ घरेलू दर्शकों को खुश कर दिया.पूर्व युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और राजस्थान की मुक्केबाज पार्थवी पर 5-0 की शानदार जीत के साथ 65 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. क्वार्टरफाइनल के अन्य नतीजों में प्रीति (54 किग्रा), ज्योति (51 किग्रा) और देविका घोरपड़े (51 किग्रा) ने सर्वसम्मत फैसलों से सेमीफाइनल में जगह बनाई.तमिलनाडु की वी लक्ष्या (51 किग्रा) ने लक्ष्मी देवी पर 5-0 की जीत से प्रभावित किया जबकि तनु (54 किग्रा), शशि (65 किग्रा) और यशी शर्मा (65 किग्रा) भी मजबूत प्रदर्शन की बदौलत अगले दौर में पहुंची.

एवर्टन के स्ट्राइकर कैल्वर्ट-लेविन नौ साल बाद क्लब से होंगे विदा

एजेंसी। लंदन

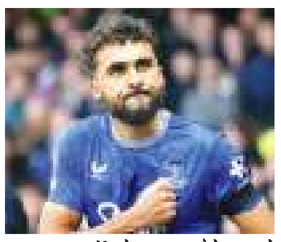

एवर्टन फुटबॉल क्लब के स्टार स्ट्राइकर डोमिनिक कैल्वर्ट-लेविन ने रविवार को घोषणा की कि वह जून के अंत में अपना अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब को छोड़ देंगे. वह अब फ्री एजेंट के रूप में उपलब्ध होंगे.28 वर्षीय कैल्वर्ट-लेविन ने नौ सीजन तक क्लब का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने कुल 274 मैचों में 71 गोल किए.

उन्होंने यह फैसला सोशल मीडिया पर एक ओपन लेटर के ज़रिए साझा किया.उन्होंने लिखा,एवर्टन फुटबॉल क्लब और एवर्टोनियंस को पिछले नौ शानदार वर्षों के बाद मैंने अपने परिवार के साथ मिलकर करियर में एक नया अध्याय शुरू करने का कठिन निर्णय लिया है.उन्होंने आगे लिखा, यह निर्णय लेना मेरे लिए आसान नहीं था. 19 साल की उम्र में जब मैंने इस क्लब में कदम रखा था, तभी से यह मेरा घर बन गया. इस क्लब ने मुझे निखारा, चुनौती दी और एक खिलाड़ी के साथ-साथ एक इंसान के रूप में भी तराशा.उन्होंने लिखा, यह फैसला केवल मेरा नहीं है, बल्कि मेरे परिवार के साथ मिलकर लंबे विचार-विमर्श के बाद लिया गया है. हमें लगता है कि अब एक नई चुनौती को अपनाने और खुद को आगे बढ़ाने का सही समय है. हालांकि इससे एवर्टन से मेरा जुड़ाव कभी कम नहीं होगा.कैल्वर्ट-लेविन ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सीजन 2019-20 और 2020-21 में बिताए थे. हालांकि इसके बाद से वह चोटों से जूझते रहे और केवल 34 लीग मैचों में सात गोल ही कर सके.

फुटबॉल

फीफा क्लब विश्व कप: अंतिम आठ में टीमों की जंग शुरु

बायर्न म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया

एजेंसी। मियामी

हैरी केन के दो शानदार गोलों की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. रविवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बायर्न ने ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया.जर्मन क्लब के लिए लियोन गोरेट्ज़का ने भी एक गोल किया, जबकि एरिक पुलगार का आत्मघाती गोल टीम के लिए बोनस साबित हुआ. फ्लेमेंगो के लिए गेरसन और जोर्जिन्हो ने गोल किए, लेकिन उनकी कोशिशें टीम को हार से नहीं बचा सकीं.इस जीत के साथ बायर्न अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को अटलांटा में पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगा. ने दिन के पहले मुकाबले में इंटर मियामी को 4-0 से हराया था.

शुरुआती झटकों से उबरने की कोशिश में फ्लेमेंगो असफल

मैच की शुरुआत में ही बायर्न ने जोरदार आक्रमण किया और छठे मिनट में जोशुआ किमिच के कॉर्नर पर क्लियर करने की कोशिश में एरिक पुलगार ने आत्मघाती गोल कर दिया. इसके कुछ ही मिनट बाद फ्लेमेंगो की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए केन ने लंबी दूरी से पोस्ट से टकराता हुआ शानदार गोल दागा.हालांकि, फ्लेमेंगो ने हार नहीं मानी और कई मौकों पर बायर्न के डिफेंस को चुनौती दी. आखिरकार 31वें मिनट में गेरसन ने 15 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-1 कर दिया.लेकिन बायर्न ने तुरंत जवाब दिया. गोरेट्ज़का ने विरोधी टीम की एक क्लियरेंस को छाती से रोककर 25 गज की दूरी से शानदार गोल कर बायर्न की बढ़त 3-1 कर दी. हाफ टाइम से पहले पुलगार का हैरी केन पर खतरनाक टैकल लगभग झगड़े में बदल गया, हालांकि उन्हें सिर्फ पीला कार्ड दिखाया गया.

दूसरे हाफ में जोर्जिन्हो ने लौटाई उम्मीद, फिर भी हार

दूसरे हाफ में फ्लेमेंगो ने जोरदार वापसी की और मिडफील्ड में नियंत्रण हासिल किया. 55वें मिनट में माइकल ओलिस के हैंडबॉल पर फ्लेमेंगो को पेनल्टी मिली, जिसे जोर्जिन्हो ने गोल में बदला और स्कोर 3-2 कर दिया.लेकिन बायर्न ने एक बार फिर बढ़त कायम कर ली. केन ने फ्लेमेंगो की मिडफील्ड में की गई गलती का फायदा उठाकर किमिच के पास पर चौथा गोल दाग दिया और स्कोर 4-2 कर दिया.अंत में बायर्न की अनुभव और मौके भुनाने की क्षमता फ्लेमेंगो पर भारी पड़ी, और जर्मन क्लब ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली.

पीएसजी ने मेसी की इंटर मियामी को 4-0 से हरा क्वाफा में जगह बनायी

एजेंसी। मियामी गार्डेंस

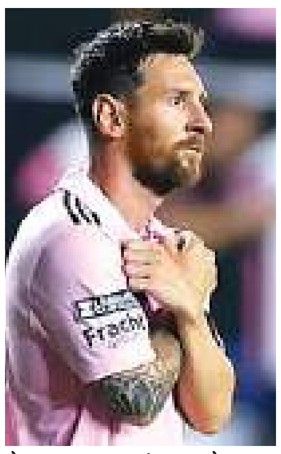

जोआओ नेवेस के दो गोल की बदौलत चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने विश्व के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को 4-0 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. मेसी मेजर लीग सॉकर में आने से पहले दो सीजन पीएसजी से भी खेल चुके हैं. अटलांटा के स्टेडियम में 65,574 दर्शकों के अपार समर्थन के बावजूद अर्जेंटीना का स्टार खिलाड़ी कोई जादू नहीं कर पाया और उनकी टीम को बड़ी हार का सामना करना पड़ा.नेवेस ने मैच के छठे मिनट में अपना पहला गोल दागा. पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने 39वें मिनट में एक और गोल किया. इंटर मियामी पहले हाफ के अंतिम चरण में पूरी तरह से बिखर गया और उसने आत्मघाती गोल कर दिया. अचरफ हकीमी ने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करके पीएसजी को मध्यांतर से पहले चार गोल की बढ़त दिला दी. पीएसजी की इस जीत ने एक महीने पहले खेले गए चैंपियंस लीग के फाइनल की याद ताजा कर दी जब फ्रांस के इस क्लब ने इंटर मिलान को 5-0 से हराकर पहली बार यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था. क्वार्टर फाइनल में पीएसजी का मुकाबला शनिवार को अटलांटा में बायर्न म्यूनिख से होगा. जर्मन क्लब ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया.

ब्रीफ न्यूज

बस को ट्रक ने मार दी टक्कर, कई लोग घायल

छपरा। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में उमधा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. मल्लमलिया से छपरा जा रही सवारी बस को तेज़ रफ्तार ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार 20 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें चार की हालत नाजुक बताई जा रही है. उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है, जबकि अन्य का इलाज छपरा सदर अस्पताल में चल रहा है. घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और घायल यात्री मदद के लिए तड़पते रहे.

महिला ने घर में फंदे से लटककर दी जान

सहरसा। एक महिला ने अपने घर में फंदे से लटककर जान दे दी. घटना रविवार रात बनमा ईटहरी थाना क्षेत्र के पहलाम वार्ड की बताई जा रही है. मृतका मधु कुमारी की शादी चार साल पूर्व स्वर्गीय विजय ठाकुर के पुत्र विभास ठाकुर के साथ हुई थी. विभास पुणे में रहता है और मधु घर पर अपनी सास के साथ रहती थी. जो एक आगनबाड़ी सहायिका है. ग्रामीणों के अनुसार दंपति के शुरुआती एक दो साल के रिश्ते ठीक थे. लेकिन बाद में सास बहु में छोटी छोटी बातों पर विवाद होना शुरू हो गया. रविवार की रात मधु की ननद ने एक पड़ोसी को फोन कर बताया कि वह फोन नहीं उठा रही है.

582 लीटर विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

भागलपुर। ललमटिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने 582 लीटर विदेशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. यह जानकारी डीएसपी राकेश कुमार ने सोमवार को दी. उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अवैध शराब, आर्म्स और मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए सघन गश्ती और छापेमारी की जा रही है. गुप्त सूचना मिली कि ललमटिया थाना अंतर्गत जैन मंदिर की मुरी गली में स्थित श्याम कुमार जैन के मकान में शराब की तस्करी हो रही है. सूचना की पुष्टि के बाद एसपी नगर के निर्देशानुसार, पुलिस उपाधीक्षक नगर-02 के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया.

पुल गिरने की घटनाओं पर बिहार सरकार गंभीर, बोले मंत्री अशोक चौधरी

अभियंताओं को आईआईटी विशेषज्ञ प्रशिक्षित कर रहे हैं

शुभम संदेश। पटना

बिहार में बार-बार पुल गिरने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने अब एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. राज्य के ग्रामीण कार्य विभाग के अधीन सभी अभियंताओं को आज एक विशेष कार्यशाला में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया. इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अभियंताओं को आधुनिक तकनीकी दिशा-निर्देश देना है ताकि भविष्य में पुलों की गुणवत्ता में सुधार हो और इस प्रकार की घटनाओं को पूरी तरह से रोका जा सके. इस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने अभियंताओं को टिकाऊ, मजबूत और सुरक्षित पुल निर्माण के लिए आवश्यक तकनीक और नवाचारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी. सरकार का यह प्रयास पुल निर्माण में गुणवत्ता की कमी को दूर करने और आम जनता की सुरक्षा को सर्वोपरि रखने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है.

मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि, पिछले वर्ष दो बड़े पुल गिरने की घटनाओं ने सरकार की काफी किरकिरी कराई थी. अब हमने स्पष्ट कर दिया है कि पुल निर्माण में किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. आईआईटी के विशेषज्ञ अभियंताओं को नवीनतम तकनीकों और मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण दे रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके. इसके अलावा मंत्री अशोक चौधरी ने वक्फ बोर्ड विवाद और तेजस्वी यादव के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार मुस्लिम वोट बैंक साधने की कोशिश कर रहे हैं. अशोक चौधरी ने इस बयान को कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि, ऐसी बयानबाजी उन लोगों को शोभा देती है जो खुद को 'एम-वाई समीकरण' (मुस्लिम-यादव) का ठेकेदार समझते हैं. मुसलमान भाइयों को यह सोचने की जरूरत है कि जब पिछले 15 वर्षों तक उनकी पार्टी की सरकार थी तो अल्पसंख्यकों के लिए क्या किया गया? कितने विश्वविद्यालय, स्कूल, या ट्रेनिंग सेंटर खोले गए? कितनों को रोजगार मिला?"

अशोक चौधरी ने आगे कहा कि, नीतीश कुमार की सरकार ने अल्पसंख्यक समुदाय के लिए ठोस और ठहरावदार कार्य किए हैं. चाहे शिक्षा हो, प्रशिक्षण हो या रोजगार, हम समावेशी विकास में विश्वास करते हैं. हमारे नेता ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 'जो वोट देगा उसका भी काम होगा, जो नहीं देगा उसका भी.' हम जाति और धर्म के आधार पर राजनीति नहीं करते बल्कि विकास की राजनीति करते हैं. तेजस्वी यादव के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार ने 20 साल में कुछ नहीं कियाऽ, अशोक चौधरी ने जवाब देते हुए कहा कि, "तेजस्वी यादव को खुली बहस के लिए तैयार रहना चाहिए. उन्हें बताना चाहिए कि नीतीश कुमार ने क्या नहीं किया. झूठ और बयानबाजी उनकी आदत बन गई है, लेकिन बिहार की जनता अब सब कुछ समझ चुकी है और सही निर्णय ले रही है. इस प्रकार राज्य सरकार ने पुल सुरक्षा के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षण सहित समावेशी विकास की नीति को भी मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है. बिहार के विकास और सुरक्षा के लिए यह एक नया अध्याय साबित होगा.

बंद घर को बनाया निशाना चोरों ने उड़ाए 7 लाख के जेवर

पटना। बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत मरांची थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव में बीती रात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाया. ठेकेदार सुजीत सिंह के घर में दो नकाबपोश चोर दीवार फांदकर दाखिल हुए और घर की दस आलमारियों के ताले तोड़कर करीब 7 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात—चेन, अंगूठी समेत अन्य सामान—और 66 हजार रुपये नकद चुरा ले गए. घटना की जानकारी सोमवार सुबह हुई, जब सुजीत के रिश्तेदार सुधीर प्रसाद सिंह ने दरवाजा खोलकर देखा कि ताले टूटे हैं और सारा सामान बिखरा पड़ा है. घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरों की पूरी करतूत कैद हो गई है, जिसमें दोनों चोर घर में घुसते नजर आ रहे हैं.

शातिर अपराधी प्रदीप देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार

नवादा। काशीचक थाना प्रभारी बसंत कुमार ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शातिर अपराधी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार किया है. आरोपी वारसलीगंज थाना क्षेत्र के अब्दलपुर गांव का निवासी है. उसकी गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है. प्रदीप कुमार पर आर्म्स एक्ट की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने अपने आठ साथियों के साथ मिलकर चार लूट और डकैती की वारदातों को अंजाम दिया था.

न्यूज अपडेट

पटना में अह शुरू होगा ड्राईडाक निर्माण, होगी जहाजों की मरम्मत

पटना। जलमार्ग परिवहन को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही जहाजों की जांच और मरम्मत के लिए ड्राईडाक का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है. इस परियोजना के पूरा होने से कोलकाता और वाराणसी के बीच गंगा नदी में संचालित मालवाहक और यात्री जहाजों की मरम्मत स्थानीय स्तर पर संभव हो सकेगी, जिससे समय और लागत दोनों की बचत होगी. भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण के निदेशक के अनुसार, हल्दिया से इलाहाबाद के बीच विकसित राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या एक पर चलने वाले जहाजों की मरम्मत पटना में वर्ष 2026 से शुरू हो सकती है. ड्राईडाक की तकनीकी रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग एवं तट प्रौद्योगिकी केंद्र को सौंपी गई है.

गांधी सेतु के समानांतर बन रहा नया फोरलेन पुल: 2027 तक पूरा होगा

पटना। पटना से उत्तर बिहार के बीच सुगम यातायात के लिए गंगा नदी पर गांधी सेतु के समानांतर एक नया फोरलेन पुल और सड़क का निर्माण कार्य तेज़ी से जारी है. इस परियोजना को मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 1794.37 करोड़ रुपये की लागत से संचालित इस परियोजना में पटना के जीरो माइल से हाजीपुर के बीएसएनएल गोलंबर तक कुल 14.5 किलोमीटर लंबी सड़क और पुल का निर्माण हो रहा है. इसमें 5.6 किलोमीटर लंबा चार लेन का पुल, दोनों ओर 8.9 किलोमीटर लंबी आठ लेन की मुख्य सड़क है.

बिहार में कांग्रेस ने की 58 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियों में तेजी ला दी है. पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी सहित कई वरिष्ठ नेता राज्य का दौरा कर चुके हैं, जिससे सियासी माहौल गरम हो गया है. अब कांग्रेस ने चुनावी रणनीति को और धार देने के लिए 58 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है. यह आदेश कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी किया गया है. आदेश के अनुसार, पर्यवेक्षक अन्य राज्यों से हैं उन्हें बिहार में चुनाव अभियान को गति देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इन पर्यवेक्षकों को कौन-कौन से क्षेत्र या विधानसभा सीटें सौंपी जाएंगी.

पूर्वांचल एक्सप्रेस में लूटपाट रेलवे सुरक्षा पर उठे सवाल

मुजफ्फरपुर। हावड़ा से गोरखपुर जा रही पूर्वांचल एक्सप्रेस में सोमवार तड़के एक बड़ी आपराधिक घटना हुई, जिसने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं. यह वारदात समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड के ढोली स्टेशन के आउटर पर उस समय हुई जब ट्रेन करीब 25 मिनट तक रुकी रही. मिली जानकारी के अनुसार, रात लगभग तीन बजे चार से पांच की संख्या में अपराधियों ने वैक्यूम पाइप खींचकर ट्रेन को रोका और कम से कम छह यात्रियों से नकदी तथा दो से अधिक मोबाइल फोन लूट लिए. पीड़ित यात्रियों ने बताया कि शोर मचाने और मदद की गुहार लगाने के बावजूद सुरक्षाकर्मी काफी देर से पहुंचे. इसके बाद ही वैक्यूम को ठीक कर ट्रेन को रवाना किया गया.

बिहार में 1 जुलाई से जमीन रजिस्ट्री के नियमों में बड़ा बदलाव

पटना। बिहार में 1 जुलाई 2025 से जमीन रजिस्ट्री से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है. निबंधन विभाग ने फर्जी दस्तावेज और पहचान के ज़रिए होने वाले धोखाधड़ी को रोकने के लिए चार नए नियम लागू करने का निर्णय लिया है. इन नए नियमों में आधार आधारित बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, दस्तावेजों का डिजिटल अपलोड, ऑनलाइन भुगतान और रजिस्ट्री की डिजिटल कॉपी शामिल हैं. नए प्रावधानों के तहत अब जमीन की खरीद-बिक्री के समय खरीदार और विक्रेता दोनों का आधार बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य होगा. इसके अलावा रजिस्ट्री से जुड़े सभी दस्तावेजों को पोर्टल पर डिजिटल रूप से अपलोड करना होगा और शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा. रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी होने के बाद जमीन मालिक को उसकी एक डिजिटल कॉपी दी जाएगी, जिसे कभी भी विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है. यह डिजिटल कॉपी पूरी तरह से वैधानिक होगी और दस्तावेज खोने की स्थिति में बेहद उपयोगी सिद्ध होगी. अधिकारियों का मानना है कि इन नियमों से भू-माफियाओं और फर्जीवाड़े पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा.

चुनाव आयोग पर कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु का हमला

पुनरीक्षण की प्रक्रिया अल्पसंख्यक वर्गों के खिलाफ साजिश

शुभम संदेश। पटना

बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु रविवार को पटना पहुंचे और एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट पुनरीक्षण की प्रक्रिया गरीब, अतिपिछड़ा, दलित, महादलित और अल्पसंख्यक वर्गों को वोटर लिस्ट से हटाने की साजिश है. उनका आरोप था कि यह चुनाव आयोग का नया हथकंडा है, जिसका कांग्रेस और महागठबंधन सख्त विरोध करेंगे. उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका सीधा मतलब इन वर्गों को वोटर लिस्ट से बाहर करना है, जिसे महागठबंधन कतई बर्दाश्त नहीं करेगा. कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि आज पटना में महागठबंधन की मेनिफेस्टो कमेटी की

बैठक हो रही है, जिसमें बिहार के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे. उन्होंने बताया कि महागठबंधन का मुख्य फोकस बिहार के विकास और समृद्धि पर केंद्रित रहेगा. उन्होंने पांच प्रमुख मुद्दों—दवाई, कमाई, पढ़ाई, स्वास्थ्य और युवाओं के लिए रोजगार—पर विशेष ध्यान देने की बात कही. यही वे मुख्य क्षेत्र होंगे जिन पर महागठबंधन का आगामी चुनावी मेनिफेस्टो आधारित होगा.

कांग्रेस प्रभारी ने महागठबंधन को बिहार में नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध बताया और कहा कि आज की बैठक में इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे. जब उनसे यह पूछा गया कि कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने तेजस्वी यादव को महागठबंधन का भावी मुख्यमंत्री बताया है, तो उन्होंने इस पर कोई टिप्पणी करने से इंकार कर दिया. उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका फोकस बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य पर है, न कि नेतृत्व को लेकर बयानबाजी पर. पटना में आयोजित इस महागठबंधन की मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक में कांग्रेस, राजद, वाम दल और अन्य घटक दल शामिल होंगे. बैठक का उद्देश्य साझा संकल्प पत्र पर मंथन कर आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप देना है.

कारोबार

प्रधानमंत्री जन धन योजना है गरीबों के लिए वरदान

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री जन धन योजना एक क्रांतिकारी पहल है जिसकी शुरुआत 2014 में की गई थी. इसका उद्देश्य देश के हर नागरिक को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना है, खासकर उन लोगों को जो अब तक बैंकिंग सेवाओं से वंचित थे. इस योजना के अंतर्गत कोई भी नागरिक बिना कोई पैसा जमा किए बैंक खाता खोल सकता है, जिसे जनधन अकाउंट कहा जाता है. में जनधन अकाउंट में न्यूनतम राशि रखने की कोई आवश्यकता नहीं होती. यदि खाते में शून्य बैलेंस भी है, तब भी वह चालू रहता है और कोई पेनाल्टी नहीं लगती.

पानीपत में गोदरेज की 43 एकड़ में बनेगी लग्जरी टाउनशिप

नयी दिल्ली। हरियाणा के पानीपत शहर में अब विकास की नई तस्वीर उभरने जा रही है0. देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने यहां 43 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जहां लग्जरी फ्लैट और मकान बनाए जाएंगे. यह भूमि पानीपत के सेक्टर-40 में स्थित है और इस पर करीब 10.2 लाख वर्ग फुट का आवासीय विकास किया जाएगा. कंपनी को इस प्रोजेक्ट से 1,250 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई होने की उम्मीद है.

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स 462 अंक गिरा

नयी दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे बीते चार दिनों से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया. वैश्विक संकेतों के बावजूद बाजार में दबाव देखा गया और निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान में बंद हुए. बीएसई सेंसेक्स 462.80 अंक यानी 0.55% की गिरावट के साथ 83,596.10 के स्तर पर बंद हुआ. एनएसई निफ्टी भी नुकसान में रहा और दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद 25,644.30 के स्तर पर बंद हुआ. शुरुआती कारोबार में हल्की तेजी देखी गई थी.

भारत ने बांग्लादेश से आने वाले जूट पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं

भारतीय जूट उद्योग को मिलेगी मजबूती

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत सरकार ने हाल ही में बांग्लादेश से आयात होने वाले जूट और उससे बने उत्पादों पर तत्काल प्रभाव से कई पाबंदियां लगा दी हैं. इन पाबंदियों के तहत अब बांग्लादेश से जूट और उससे जुड़े सामान केवल न्हावा शेवा पोर्ट के माध्यम से ही भारत में प्रवेश कर सकेंगे. अन्य सभी जमीनी और समुद्री बंदरगाहों से इन वस्तुओं के आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है. इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय जूट उद्योग को बांग्लादेश से सस्ते आयात के कारण हो रहे नुकसान से बचाना है. भारतीय जूट उद्योग लाखों किसानों और श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण योगदान है. पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश से सस्ते दामों पर आने वाले जूट, धागे, फाइबर और बैग जैसे उत्पादों ने भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा को चुनौती दी है. इससे घरेलू जूट मिलों का उत्पादन कम हुआ है और रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है. सरकार ने यह

सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि घरेलू उत्पादकों को समान अवसर मिलें और विदेशी प्रतिस्पर्धा से राहत मिले. आयात को केवल न्हावा शेवा बंदरगाह तक सीमित करने का फैसला पारदर्शिता और कस्टम निगरानी बढ़ाने के लिए लिया गया है. जब आयात कई बंदरगाहों से होता है, तो नकली घोषणाओं, कम मूल्यांकन और अन्य अवैध प्रथाओं के जरिये नियमों से बचने की संभावना बढ़ जाती है. एक ही बंदरगाह पर फोकस करने से अधिकारियों को शिपमेंट की गहन जांच करने, उचित मूल्यांकन सुनिश्चित करने और अवैध आयात को रोकने में मदद मिलेगी. यह कदम बांग्लादेश की ओर से किसी भी धोखाधड़ी या नियमों की चोरी की कोशिशों को रोकने के लिए भी है.

भारत सरकार इस बात पर भी कड़ी नजर रख रही है कि बांग्लादेश के व्यापारी जूट के निर्यात के लिए किसी तीसरे देश के रास्ते इसका पुनः आयात न करें. अतीत में कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं जहां प्रतिबंधों से बचने के लिए उत्पादों को तीसरे देशों के माध्यम से भारत लाया गया.

इस बार भारत सतर्क है और किसी भी ऐसे प्रयास को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करेगा ताकि पाबंदियों का पूरा प्रभाव दिखे. सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश सरकार जूट निर्यातकों को सब्सिडी देती है जिससे वे सस्ते दामों पर सामान बेच पाते हैं. भारत के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एंटी-डंपिंग एंड अलाइड ड्यूटीज (डीजीएडी) ने भी बांग्लादेश से आने वाले जूट पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी (एडीडी) लगाई थी, लेकिन इसके बावजूद आयात में खास कमी नहीं आई. बड़े निर्यातक तकनीकी छूट और गलत घोषणाओं के जरिये एडीडी से बच निकले. वित्त वर्ष 2016-17 में जूट आयात 13.8 करोड़ डॉलर था, जो 2021-22 में घटकर 11.7 करोड़ डॉलर हुआ, लेकिन 2023-24 में फिर से बढ़कर लगभग 14.4 करोड़ डॉलर हो गया. बांग्लादेश से सस्ते जूट के आयात की वजह से भारत में जूट की कीमतें 5,000 रुपये प्रति क्विंटल से नीचे गिर गईं. इससे जूट किसानों को गंभीर आर्थिक नुकसान हो रहा है. साथ ही, भारतीय मिलों में उत्पादन क्षमता का सही उपयोग नहीं हो पा रहा.

स्टारलिंक और अमेजन कुइपर ने की है रणनीतिक साझेदारियां

नयी दिल्ली। भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू करने की दिशा में बड़ी पहल करते हुए, एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक और अमेजन की कुइपर परियोजना ने पहली बार देश में वाणिज्यिक समझौते किए हैं. दोनों कंपनियों ने भारत की प्रमुख वीसैट सेवा प्रदाताओं जैसे ह्यूजेस कम्युनिकेशंस, नेल्को, और इनमारसैट के साथ साझेदारी की है. खास बात यह है कि ये समझौते सरकारी स्पेक्ट्रम आवंटन से पहले ही किए गए हैं, जिससे इनके इरादों की गंभीरता स्पष्ट होती है. स्टारलिंक और कुइपर, दोनों भारत में बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट क्षेत्रों को लक्षित कर रही हैं, और साथ ही रिटेल उपभोक्ताओं के लिए भी ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू करने की योजना बना रही हैं. खुदरा बाजार में प्रवेश से पहले फिलहाल प्राइसिंग स्ट्रैटेजी पर काम किया जा रहा है. स्टारलिंक पहले ही रिलायंस जियो और एयरटेल जैसे बड़े टेलीकॉम ऑपरेटरों के साथ साझेदारी की घोषणा कर चुका है. यह ऽसेल-थ्रू मॉडलऽ के तहत अपनी सेवाएं देगा, जिसमें कंपनी स्थानीय भागीदारों के माध्यम से अपने प्रोडक्ट्स और सेवाएं बेचती है.

सेव अर्थ मिशन ने ग्लोबल विजन अनविलिंग कार्यक्रम की घोषणा की

एजेंसी। नयी दिल्ली

"एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत मात्र एक घंटे में 5 लाख से अधिक पेड़ लगाने के साथ, सेव अर्थ मिशन ने अहमदाबाद में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल की है. इस विश्व रिकॉर्ड अभियान को फोर्बेस, फॉक्स, बिजनेस इनसाइडर सहित कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने व्यापक रूप से कवर किया है. अब यह मिशन अपनी उपस्थिति वैश्विक स्तर पर भी दर्ज कराने जा रहा है. सेव अर्थ मिशन ने अपने सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन, "ग्लोबल विज़न अनवीलिंग" कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा की है. यह कार्यक्रम 3 जुलाई को शाम 6 बजे आईएसटी पर अहमदाबाद के प्रतिष्ठित गिफ्ट सिटी क्लब में आयोजित होगा. यह आयोजन सेव अर्थ मिशन की वैश्विक रणनीति की शुरुआत का प्रतीक होगा, जिसमें वर्ष 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाने और पृथ्वी को नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में ले जाने का लक्ष्य रखा

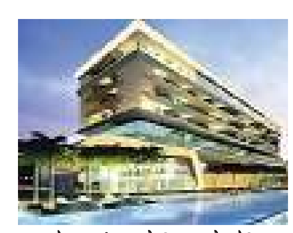

गया है. कार्यक्रम में मिशन के वैश्विक नेटवर्क से नेता, प्रतिनिधि और स्वयंसेवक शामिल होंगे, जो देश-विदेश में वृक्षारोपण अभियानों, नई साझेदारियों और पुनर्वनीकरण के प्रयासों को मजबूत करेंगे. सेव अर्थ मिशन के भारत चैप्टर के अध्यक्ष संदीप चौधरी ने कहा, यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए गर्व का पल है. अहमदाबाद ने वैश्विक जलवायु एकता की मिसाल कायम की है. इस कार्यक्रम में हम वैश्विक रोडमैप प्रस्तुत करेंगे, जिसमें अंतरराष्ट्रीय वृक्षारोपण अभियानों, सीमापार सहयोग और नागरिकों, कॉर्पोरेट्स व सरकारों को जोड़कर 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाने की योजना शामिल है. यह कार्यक्रम सेव अर्थ मिशन की यात्रा में एक निर्णायक और महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा.

धातु

लैटिन अमेरिकी देशों में हैं दुनिया के आधे से अधिक लिथियम

अर्जेंटीना में है लिथियम का बहुत बड़ा भंडार

एजेंसी। नयी दिल्ली

दुनिया में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे लिथियम की मांग भी लगातार बढ़ती जा रही है. लिथियम का उपयोग मुख्य रूप से बैटरी बनाने में होता है, जो स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक लगभग हर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के लिए अनिवार्य हो चुका है. वर्तमान में, लिथियम का सबसे अधिक उत्पादन ऑस्ट्रेलिया और चीन में हार्ड रॉक खनन के जरिए होता है. ऑस्ट्रेलिया विश्व का लगभग 49% लिथियम उत्पादन करता है, जबकि चीन 17% हिस्सेदारी रखता है. इसके अलावा, चिली और अर्जेंटीना में लिथियम को ब्राइन के माध्यम से निकाला जाता है. हालांकि, आने वाले समय में लिथियम के वैश्विक

उत्पादन और आपूर्ति की तस्वीर बदलने की पूरी संभावना है. लैटिन अमेरिकी देश विशेष रूप से लिथियम के प्रमुख भंडारों के रूप में उभर रहे हैं, जहां दुनिया के आधे से अधिक लिथियम भंडार मौजूद हैं. इन्हें 'नया तेल' और 'सफेद सोना' कहा जाने लगा है, क्योंकि यह इलेक्ट्रिक वाहनों और स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण धातु बन चुका है.

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण अमेरिका के बोलीविया, अर्जेंटीना और चिली में लिथियम भंडार सबसे बड़े हैं. बोलीविया में लगभग 23 मिलियन मीट्रिक टन लिथियम है, अर्जेंटीना में भी लगभग उतना ही भंडार है, जबकि चिली के पास 11 मिलियन टन लिथियम मौजूद है. ये देश वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं और संसाधन सुरक्षा की रणनीतियों में अहम भूमिका निभा रहे हैं. जैसे-जैसे दुनिया जीवाश्म ईंधनों जैसे पेट्रोल और डीजल की तुलना में बैटरियों का विकल्प चुन रही है, भू-राजनीतिक ध्यान भी अब तेल-समृद्ध मिडिल ईस्ट से हटकर लिथियम-समृद्ध देशों की ओर बढ़ रहा है. अमेरिका के पास लगभग 19 मिलियन टन, ऑस्ट्रेलिया के पास 8.9 मिलियन टन और चीन के पास 6.8 मिलियन टन लिथियम भंडार हैं. लिथियम दुनिया की सबसे नर्म और हल्की धातुओं में से एक है. यह केमिकल ऊर्जा को इलेक्ट्रिक ऊर्जा में परिवर्तित कर सकता है. यह इतनी हल्की धातु है कि इसे आसानी से चाकू से काटा जा सकता है.

मस्क की राजनीति से असहमत होकर टेस्ला इंजीनियर ने छोड़ी नौकरी

नयी दिल्ली। एलन मस्क की राजनीतिक विचारधारा और हालिया सार्वजनिक गतिविधियों ने टेस्ला को आर्थिक ही नहीं, नैतिक मोर्चे पर भी झटका दिया है. मस्क के राजनीतिक रुख, खासकर डोनाल्ड ट्रंप के प्रति झुकाव, ने यूरोप की कई कंपनियों को प्रभावित किया, जिसके चलते उन्होंने अपने फ्लीट से टेस्ला कारों को हटा दिया. अब कंपनी के भीतर से भी विरोध की आवाजें उठने लगी हैं. टेस्ला में सात वर्षों तक कार्यरत इंजीनियरिंग तकनीशियन ट्रे सर्वेंटिस ने इसी वजह से कंपनी को अलविदा कह दिया. उन्होंने बताया कि वे एलन मस्क की मौजूदा विचारधारा और उनकी सार्वजनिक टिप्पणियों से आहत हैं. सर्वेंटिस ने कहा, टेस्ला ने मेरी जिंदगी को एक दिशा दी, लेकिन अब इस कंपनी के साथ बने रहना मेरे नैतिक मूल्यों के खिलाफ है.

अडानी ग्रीन एनर्जी ने पार की 15,000 मेगावाट की रिन्यूएबल क्षमता

नयी दिल्ली। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 15,000 मेगावाट से अधिक की परिचालन अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल कर ली है, जो भारत में अब तक का सबसे तेज और सबसे बड़ा हरित ऊर्जा निर्माण है. कंपनी के अनुसार, वर्तमान में इसके पास 15,539.9 मेगावाट की कुल ऑपरेशनल क्षमता है, जिसमें 11,005.5 मेगावाट सोलर, 1,977.8 मेगावाट विंड और 2,556.6 मेगावाट की विंड-सोलर हाइब्रिड कैपेसिटी शामिल है. यह क्षमता 79 लाख घरों को बिजली प्रदान करने में सक्षम है. अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए इसे ऽप्लैनेट के प्रति प्रतिबद्धता और भारत के हरित पुनरुत्थानऽ की दिशा में एक अहम कदम बताया. उन्होंने खावड़ा के रेगिस्तानी क्षेत्र से लेकर दुनिया के शीर्ष 10 हरित ऊर्जा उत्पादकों में स्थान पाने तक की यात्रा को गर्व का विषय बताया और कहा, "यह मील का पत्थर सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि हमारे संकल्प का प्रतीक है."

ब्रिटेन के स्लॉ में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की धूम

लंदन : ब्रिटेन के स्लॉ हिन्दू मंदिर से निकाली गई भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में 1000 से अधिक भक्त शामिल हुए. इसमें भारतीय उच्चायोग लंदन के उप उच्चायुक्त सुजीत जॉय घोष ने भी हिस्सा लिया. उन्होंने 'पवित्र छेरा पहारना' अनुष्ठान किया. भारतीय उच्चायोग लंदन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की सचित्र संक्षिप्त सूचना साझा की है. श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके के तत्वावधान में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साह और आस्था के साथ हिस्सा लिया. सभी ने पवित्र रथ को खींचा. स्लॉ हिन्दू मंदिर में भगवान जगन्नाथ के जयकारे गूंजे. 'पवित्र छेरा पहारना' रथयात्रा का सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान होता है. इस अनुष्ठान में देवताओं के सामने रथ को साफ किया जाता है. यह भगवान के सम्मुख विनम्रता और समानता का प्रतीक है. श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके अनुसार, इस दौरान भारत के पुरी के मां गुंडिचा मंदिर का दृश्य जीवंत हो उठा.

मणिपुर में चार लोगों की गोली मार कर हत्या

चुराचांदपुर। मणिपुर में अज्ञात हमलावरों ने चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी. सोमवार दोपहर जिले के मोंगजांग गांव के पास अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा की गई गोलीबारी में 60 वर्षीय महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई है. स्थानीय पुलिस ने घटना की पुष्टि की है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. चुराचांदपुर पुलिस के अनुसार हमलावरों ने दोपहर करीब 2 बजे जब हमला किया, तब पीड़ित एक कार में यात्रा कर रहे थे.

बॉर्डर पार खेती करने गया किसान पहुंचा पाकिस्तान

चंडीगढ़। पंजाब के फाजिल्का से 21 जून से लापता किसान पाकिस्तान पहुंच गया है. बीएसएफ ने लापता किसान के परिजनों को सोमवार को इस बारे में सूचित किया है, लेकिन परिजनों के अनुसार उन्हें अधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी जा रही है. फाजिल्का जिला के गांव खैरे के उताड़ निवासी अमृतपाल सिंह बीती 21 जून को खेती करने के लिए फेंसिंग पार गया था.

इजरायल की अरबों डॉलर खर्च कर शस्त्रागार भरने की तैयारी में

अब लेजर वेपन से होगा लैस

एजेंसी। नयी दिल्ली

इजरायल ने हाल ही में ईरान और उसके सहयोगी गुटों के खिलाफ 12 दिन चले एक तीव्र युद्ध में निर्णायक जीत हासिल की. इस संघर्ष में इजरायली रक्षा क्षमताओं और अत्याधुनिक गुप्त हथियारों का व्यापक रूप से उपयोग किया गया. युद्ध में मिली सफलता के बाद अब इजरायल अरबों डॉलर खर्च कर अपने शस्त्रागार को फिर से भरने और भविष्य के संघर्षों के लिए खुद को तैयार करने में जुटा है. इस युद्ध में इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने अपने स्टैंड-ऑफ हथियारों जैसे ₹रैम्पेजर₹ और ₹रॉक्सर₹ मिसाइलों का प्रभावी इस्तेमाल किया. इन मिसाइलों ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम को दूर से ही निशाना बनाया, जिससे इजरायली लड़ाकू विमानों को ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसे बिना ही हमले करने की सुविधा मिली. इसके अलावा, मोसाद के एजेंटों ने ईरान की धरती पर विशेष ड्रोन अभियानों के जरिए कई शीर्ष सैन्य अधिकारियों और वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिकों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया. रिपोर्ट के अनुसार,

स युद्ध में इजरायल ने कई नए गुप्त हथियारों का भी इस्तेमाल किया, जो पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुए थे. इनमें ₹आयरन बीम₹ नामक लेजर आधारित एंटी-रॉकेट डिफेंस सिस्टम भी शामिल है. यह एक 100 किलोवाट-क्लास हाई-एनर्जी लेजर हथियार है, जो दुश्मन के रॉकेटों के विस्फोटक हिस्सों को हवा में ही नष्ट कर सकता है.

यह प्रणाली पारंपरिक ₹आयरन डोम₹ की तुलना में कहीं अधिक लागत-कुशल और सटीक मानी जा रही है. सिद्धांततः इसमें असीमित संख्या में इंटरसेप्शन की क्षमता है, जबकि आयरन डोम एक समय में केवल 20 मिसाइलों तक सीमित होता है. हालांकि इस युद्ध में इजरायल की तकनीकी श्रेष्ठता साबित हुई,

लेकिन इसके चलते उसके कई रणनीतिक हथियार खत्म हो गए हैं. इंटरसेप्टर मिसाइलें, बम, ड्रोन पेलोड और अन्य प्रमुख उपकरण व्यापक रूप से उपयोग हो चुके हैं. इसके परिणामस्वरूप वायु सेना के बुनियादी ढांचे पर गंभीर दबाव पड़ा है और सैकड़ों लड़ाकू विमानों को युद्ध के बाद व्यापक रखरखाव की आवश्यकता है.

अब इजरायल अपने शस्त्रागार को फिर से भरने और नई तकनीक से लैस करने के लिए अरबों डॉलर खर्च कर रहा है. वहीं, यह भी आशंका जताई जा रही है कि ईरान और अन्य दुश्मन देश इजरायल द्वारा उपयोग किए गए हथियारों की बारीकी से जांच करेंगे, ताकि भविष्य में उनके खिलाफ रक्षा तैयार की जा सके. ऐसे में इजरायल को अपने हथियारों को या तो बदलना होगा या उन्हें और उन्नत बनाना होगा. इस संघर्ष के बाद इजरायल की प्रमुख रक्षा कंपनियां – आईएआई, राफेल और एल्बिट सिस्टम्स – पूरी क्षमता से काम कर रही हैं. कैल्केलिस्टेक की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही तक इन कंपनियों का संयुक्त ऑर्डर बैकलॉग लगभग 235 बिलियन शेकेल तक पहुंच गया है. रक्षा मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से आने वाले ऑर्डर में भारी उछाल देखा गया है.

हालांकि, बजट में देरी के कारण वायु सेना के लिए नई हथियार प्रणालियों की खरीद की प्रक्रिया धीमी हो गई है, लेकिन सरकार इसे तेज करने के लिए नई रणनीतियां बना रही है. इसरायली रक्षा उद्योग अब वैश्विक हथियार बाजार में और भी बड़ी भूमिका निभाने की ओर अग्रसर है.

ईरान के साथ हुए हालिया संघर्ष ने इजरायल की सैन्य रणनीति, गुप्त हथियारों और तकनीकी श्रेष्ठता को दुनिया के सामने उजागर किया है. लेकिन यह भी स्पष्ट है कि इस जीत की भारी कीमत चुकानी पड़ी है. अब इजरायल अपनी रक्षा क्षमताओं को पुनः सशक्त करने में जुटा है.

एटॉमिक एनर्जी एक्ट, 1962 में संशोधन की तैयारी में भारत

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी कंपनियों का होगा निवेश

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाने जा रही है. सरकार ₹सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट, 2010 (सीएलएनडीए) और एटॉमिक एनर्जी एक्ट, 1962₹ में महत्वपूर्ण संशोधन करने की तैयारी कर रही है. इन बदलावों का उद्देश्य विदेशी और निजी कंपनियों के निवेश को प्रोत्साहित करना है, ताकि देश के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सके. सीएलएनडीए के सेक्शन 17 (बी) के तहत, अगर किसी परमाणु दुर्घटना का कारण सप्लायर की गलती होती है, तो ऑपरेटर को सप्लायर से मुआवजा मांगने का अधिकार था. इस प्रावधान के कारण विदेशी कंपनियां भारत में निवेश करने से कतराती थीं, क्योंकि उन्हें मुआवजा देने की आशंका रहती थी. सरकार अब इस सेक्शन को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में काम कर रही है. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, सीएलएनडीए में लगभग 11 कानूनी बदलाव प्रस्तावित हैं, जिनमें दो सबसे अहम हैं—सेक्शन 17 का पुनःसंरचनाकरण और ₹सप्लायर₹ की परिभाषा को स्पष्ट करना. छोटे भारतीय वेंडर्स ने भी इस बात पर चिंता जताई थी कि वे भी सप्लायर की श्रेणी में आ जाते हैं, जिससे उन पर भी कानूनी जिम्मेदारी आ सकती है.

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठक और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई:-

आदिल जहीर

प्रदेश अध्यक्ष, झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई...

-:निवेदक:-

अरविंद देवाशीष टोप्पो

अंचल अधिकारी, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठक और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई...

-:निवेदक:-

सुरेंद्र कुमार

जिला परिवहन पदाधिकारी, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

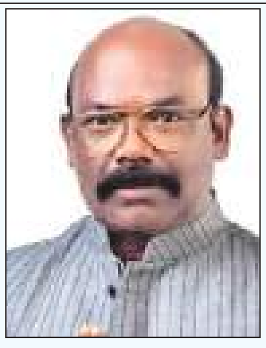

संजीव बेदिया

केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सह जिला अध्यक्ष हजारीबाग झामुमो, झारखंड

सुनील शर्मा

केंद्रीय समिति सदस्य झामुमो हजारीबाग झारखंड

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

विनोद कुशवाहा

प्रदेश कांग्रेस महासचिव, हजारीबाग, झारखंड

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

-:निवेदक:-

आमिर हयात

प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड कांग्रेस कमिटि, बालूमाथ, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

-:निवेदक:-

नरेश लोहरा

मुखिया बालूमाथ, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठक और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

-:निवेदक:-

रामराज उरांव

रोजगार सेवक, चंदवा, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधी पाठक और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

-:निवेदक:-

मोहित कुल्हड़ चाय, चंदवा, लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

-:निवेदक:-

पथ निर्माण प्रमंडल परिवार लातेहार, झारखंड

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई...

विजय सिंह

इंटक संगठन सचिव झारखंड

एक राज्य एक अखबार शुभम संदेश के तीसरे स्थापना दिवस पर अखबार प्रबंधन और सुधि पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

मनोज कुमार तिवारी

प्रखंड विकास पदाधिकारी लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

लाल विकास नाथ शाहदेव

सांसद प्रतिनिधि कुडू

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर सुधि पाठकों और अखबार प्रबंधन को हार्दिक बधाई

घासी (नायक) समाज युवा कल्याण संगठन झारखंड प्रदेश

मुकेश कुमार नायक

कार्यकारी अध्यक्ष सह आजसू पार्टी रांची जिला सचिव

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

दैनिक अखबार शुभम संदेश के चौथे स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई

स्वायत्ताधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक सुरजीत सिंह द्वारा फ्लैट नंबर 48, श्रीवाटिका अपार्टमेंट, चेशायर होम रोड, रेजीमेंटल गेट नंबर 1 के सामने, पोस्ट कोकर, पीएस सदर, रांची - 834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : सुरजीत सिंह. स्थानीय संपादक : संजय सिंह*** फोन नंबर 0651-2961734. (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.**)